रजिस्ट्री सं. डी. (डी. एन.)—73

REGISTERED No. D. (D N.)- 73

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 19] नई दिल्ली, शनिवार, मई 8, 1982/वैशाख 18, 1904
No. 19] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 8, 1982/VAISAKHA 18, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issned the by Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

नई दिल्ली 23 फरवरी 1982

का॰ आ॰ 1635—केन्द्रीय सरकार, नोटरी अधिनियम, 1952 (1952 का 53) की धारा 6 के उपबन्धों के अनुसरण में उन नोटरियों की सूची प्रकाशित करती है जो उनके द्वारा नियुक्त किए गए थे और वर्ष 1981 के आरम्भ में विधि व्यवसाय कर रहे थे—

क्रम	नोटरी का नाम	निवास स्थान तथा वृत्तिक पता	अर्हताएं	क्षेत्र जिसमें विधि व्यवसाय करने के लिए प्राधिकृत है	टिप्पणियां
1	2	3	4	5	6
1	श्री चक्रवर्ती डोरास्वामी	मैसर्स किंग और पेटरिज, कैथलिक सेंटर (दूसरी मंजिल) 6, आर्मेनियन स्ट्रीट मद्रास 1	अधिवक्ता मद्रास उच्च न्यायालय	सम्पूर्ण भारत	
2	श्री बाटा कृष्ण बनर्जी	कुंज निवास 23-ए, सरदार शंकर रोड थाना टौलीगंज कलकत्ता	अधिवक्ता कलकत्ता उच्च न्यायालय	सम्पूर्ण भारत	
3	श्री भगवती प्रसाद खेतान	1-बी, ओल्ड पोस्ट आफिस स्ट्रीट कलकत्ता	विधि अटर्नी कलकत्ता उच्च न्यायालय	सम्पूर्ण भारत	
4	श्री रबीन्द्र कृष्ण देब	टैम्पल चम्बर्स 6 ओल्ड पोस्ट आफिस स्ट्रीट, कलकत्ता	विधि अटर्नी कलकत्ता उच्च न्यायालय	सम्पूर्ण भारत	
5	श्री हिमांशु प्रकाश गांगुली	4 हस्पुर बल लेन, हावड़ा (प॰ बंगाल)	अधिवक्ता कलकत्ता उच्च न्यायालय	सम्पूर्ण भारत	

1	2	3	4	5	6
6.	श्री सुधीर कुमार डे मलिक	द्वारा मार्टिन बर्न लि० 12, मिशन रोड एक्स्टेंशन, कलकत्ता	विधि अटर्नी कलकत्ता उच्च न्यायालय	सम्पूर्ण भारत	
7.	श्री राश मोहन चटर्जी	द्वारा मैसर्स और 0, विगनस एण्ड क० सालिसिटर्स, 29, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता	सालिसीटर, कलकत्ता उच्च न्यायालय	सम्पूर्ण भारत	
8	श्री प्रभु दयाल हिंमतसिंगका	6, ओल्ड पोस्ट आफिस स्ट्रीट, कलकत्ता	विधि अटर्नी कलकत्ता उच्च न्यायालय	सम्पूर्ण भारत	
9.	श्री पुष्पव्रत घोस	10, किरण शंकर राय रोड, कलकत्ता	विधि अटर्नी कलकत्ता उच्च न्यायालय	सम्पूर्ण भारत	
10.	श्री पिटर इलियास मोसेज	6, ओल्ड पोस्ट आफिस स्ट्रीट, कलकत्ता	विधि अटर्नी कलकत्ता उच्च न्यायालय	सम्पूर्ण भारत	
11.	श्री मुल्कराज बाधवान	एडवोकेट, जालंधर सीटी, पंजाब	अधिवक्ता पंजाब उच्च न्यायालय	पंजाब तथा उत्तर प्रदेश	
12.	श्री मनोहर लाल कपूर	3/9, पटेल नगर (पूर्वी) नई दिल्ली	अधिवक्ता पंजाब उच्च न्यायालय	दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र	
13.	श्री हर प्रसाद मेहरा	न० 3060, चर्खेवालान, दिल्ली	अधिवक्ता पंजाब उच्च न्याया-लय	दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र	
14.	श्री चमन लाल अरोड़ा	10, न्यू कोर्ट रोड, अमृतसर पंजाब	अधिवक्ता	जिला अमृतसर (पंजाब)	
15.	श्री दामोदर देवजी दामोदर	द्वारा मैसर्स कांगा एण्ड कं० सालीसीटर रेडी मनी मैनसन्स 43, वीर निरमान रोड, बम्बई-1	सालिसीटर	महाराष्ट्र	
16.	श्री देव प्रसाद घोष	12, गवर्नमेंट प्लेस (पूर्वी) कलकत्ता	अटर्नी	सम्पूर्ण भारत	
17.	श्री माधमल हिमतसिंगका	6, ओल्ड पोस्ट आफिस स्ट्रीट, कलकत्ता	अटर्नी	सम्पूर्ण भारत	
18.	श्री नवल एस० फातरपैकर	द्वारा मैसर्स क्राफोर्ड बैली एण्ड कं०, स्टेट बैंक बिल्डिंग, बैंक स्ट्रीट, बम्बई-1	अधिवक्ता	सम्पूर्ण भारत	
19.	श्री राम कृष्ण गर्ग	56, ओल्ड विजय नगर कालोनी आगरा (उ० प्र०)	वकील	जिला आगरा	
20.	श्री सी० एच० पार्दीवाला	सालिसीटर द्वारा मैसर्स क्रोफोर्ड बेली एण्ड कं० स्टेट बैंक बिल्डिंग बैंक स्ट्रीट, बम्बई -31	सालिसीटर	सम्पूर्ण भारत	
21	श्री शचीन्द्र सी० सेन	विधि अटर्नी, टैम्पल चैम्बर्स, पहली मंजिल, 6 ओल्ड पोस्ट आफिस स्ट्रीट, कलकत्ता	अटर्नी	कलकत्ता	
22.	श्री डी० ए० मेहता	अधिवक्ता, 43-बी हनुमान रोड नई दिल्ली	विधि अटर्नी	दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र	
23.	श्री दुर्गा प्रसाद तुलस्यान	अधिवक्ता, झुनझुनु, राजस्थान	अधिवक्ता	जिला झुनझुनु, राजस्थान	
24.	श्री एम० जी० दोषित	मैसर्स एम० जी० दोषित एण्ड क० सालिसिटर्स 35, एम्बेसी मार्किट अहमदा-बाद	सालिसीटर	गुजरात और महाराष्ट्र	
25.	श्री नूर मोहम्मद	अधिवक्ता, उदयपुर, राजस्थान	अधिवक्ता	जिला उदयपुर	

1	2	3	4	5	6
26.	श्री सुधीर कुमार शील	द्वारा मैसर्स सेनरसंस एण्ड मार-गम, सालिसीटर्स रायल इन्सोरेंस भवन, 5 व 7 नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-1	सालिसीटर	सम्पूर्ण भारत	
27.	श्री जितेन्द्र नाथ माथुर	द्वारा मैसर्स सैंडरसंस एण्ड मोर-गम, सालिसीटर रायल इन्सो-रेन्स भवन, 5 व 7 नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-1	सालिसीटर	सम्पूर्ण भारत	
28.	श्री इन्द्र सेन इसरानी	अधिवक्ता, जे-54, कृष्ण मार्ग, जयपुर राजस्थान	अधिवक्ता	शाहपुर और जिला उदयपुर	
29.	श्री पी०सी० कुरियन	14 कोनडी चेट्टी अधिवक्ता स्ट्रीट मद्रास-1	अधिवक्ता	मद्रास और केरल	
30.	श्री गुरदयाल सिंह मिधु	नं० 1, उकोरा, जालन्धर (पंजाब)	अधिवक्ता	जिला जालन्धर	
31.	श्री सी०एम० वेंकटसुब्रमणियन	140, कामकटरोड कोयम्बतूर-12	अधिवक्ता	जिला कोयम्बतूर	
32.	श्री पुष्कर लाल खुनेजा	एफ-2 भगतसिंह मार्किट, लेडी हार्डिंग रोड, तथा एफ-1 शंकर मार्किट, कनाट सर्कस नई दिल्ली	अधिवक्ता	सम्पूर्ण भारत	
33.	श्री चुनी लाल भाटिया	सी-4/ए 68 सी, जनकपुरी, नई दिल्ली	अधिवक्ता	दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र	
34.	श्री जगन्नाथ	मोगा, जिला फिरोजपुर, (पंजाब)	अधिवक्ता	मोगा स्थित मुख्यालय के साथ जिला फिरोज-पुर मोगा स्थित मुख्या-लय के साथ पूरे फरी-दकोट जिले में काम करने-के लिए भी प्राधिकृत है।	
35.	श्री रामजी दास सिंघल	गुरुद्वारा स्ट्रीट भटिंडा (पंजाब)	अधिवक्ता	जिला भटिंडा	
36.	श्री बालकृष्ण	अधिवक्ता, हनुमानगढ़ टाउन जिला गंगानगर (राजस्थान)	अधिवक्ता	हनुमानगढ़ (राज०) स्थित मुख्यालय के साथ जिला गंगानगर	
37.	श्री एम० आर० मेहता	अधिवक्ता बलोत्रा	अधिवक्ता	बलोत्रा (राज०) स्थित मुख्यालय के साथ के साथ जिला बाड़मेर और जालोर	
38.	श्री डी०डी० कक्कड़	अधिवक्ता, 36/9 पूर्वी पटेल नगर, नई दिल्ली	अधिवक्ता	दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र	
39.	श्री जे०सी० वर्मा	ई/12, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली	अधिवक्ता	दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र	
40.	श्री पी०एस० गांधी	अधिवक्ता, गांधी गांव के सामने, सूरत	अधिवक्ता	जिला सूरत	
41.	श्री ए०आर० मल्कानी	अधिवक्ता, बी० बी० जेड-एन-6, गांधीधाम (कच्छ)	अधिवक्ता	जिला कच्छ का अंजार तालुका	
42.	श्री एन०सी० शाह	द्वारा खेतान एण्ड कं० सालिसी-टर्स 1-बी, ओल्ड पोस्ट आफिस-कलकत्ता-1	अधिवक्ता कलकत्ता	कलकत्ता और नई दिल्ली	
43.	श्री टी० दलीप सिंह	द्वारा मैसर्स किंग एण्ड पार्टीज, दूसरी मंजिल कैथीलिक सैंटर, आरमेनियन स्ट्रीट पो० बाक्स नं० 121, मद्रास-1	अधिवक्ता मद्रास	सम्पूर्ण भारत	

1	2	3	4	5	6
44	श्री जे० आर० गगरात	द्वारा मैसर्स गगरात एण्ड क० अल्ली, चैम्बर्स नगीनदास मास्टर रोड, फोर्ट, मुम्बई-1	अधिवक्ता मुम्बई	सम्पूर्ण भारत	
45	श्री आर० पैलपूर 3	द्वारा क्राफोर्ड बेले एण्ड कं०, स्टेट बैंक बिल्डिंग, बैंक स्ट्रीट मुम्बई-1	अटर्नी तथा अधिवक्ता	सम्पूर्ण भारत	
46.	श्री बृजमोहन मेहता	13-ए/2, राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली	अधिवक्ता नई दिल्ली	दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र	
47.	श्री सुरजीत सिंह सूद	23, नेताजी पार्क, जालंधर शहर (पंजाब)	अधिवक्ता जालंधर	जालंधर	
48	श्री जगजीत सिंह बेम्स	376-क माडल टाउन, जालंधर शहर (पंजाब)	अधिवक्ता जालन्धर	जालंधर	
49	श्री के० जे० कम्बाला	राजब महल, 144, क्वीन्स रोड मुम्बई	अधिवक्ता मुम्बई	सम्पूर्ण भारत	
50.	श्री अम्बेलाल भाभा भाई पटेल	वैध स्ट्रीट, डाक घर नवसारी, जिला बुलसर (गुजरात)	अधिवक्ता	जिला बुलसर (गुजरात)	
51.	श्री पूनम चन्द्र सोम चन्द्र शाह	द्वारा मैसर्स पूर्ण चन्द्र एण्ड क० गुजरात सरकार के सालीसिटर्स, श्रद्धेय हरिदास कालोनी, नवजीवन प्रेस रोड, अहमदाबाद-14	अधिवक्ता	गुजरात	
52.	श्री बी० टी० सरवद	द्वारा मैसर्स ठाकुर दास एण्ड भडगावकर, फोर्ट चैम्बर्स लैन फोर्ट, मुम्बई-400001	अटर्नी तथा अधिवक्ता	सम्पूर्ण भारत	
53	श्री एच० एम० भगत	द्वारा अम्बुभाई व दीवानजी लैंटिन चैम्बर्स. दलाल स्ट्रीट फोर्ट मुम्बई तथा द्वारा अम्बु भाई व दीवानजी सालीसिटर्स एण्ड एडवोकेट इन्डस्ट्रीज हाउस आराम रोड, अहमदाबाद 38001	अधिवक्ता तथा सालिसीटर्स	गुजरात	
54	श्री एच० बी० छत्रपति	द्वारा मैसर्स भाई शंकर कागा एण्ड गिरधारी लाल, मानकजी वाडिया बिल्डिंग बेसलेन, फोर्ट, मुम्बई 40000 तथा द्वारा मैसर्स भाई शंकर कागा एण्ड गिरधारी लाल गुजरात समाचार भवन खानपुर, अहमदाबाद-380001	अधिवक्ता और सालिसीटर्स	गुजरात	
55.	श्री जी० एस० व्यास	35. लावण्य सर, जीवराज पार्क रोड, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद-7	अधिवक्ता	अहमदाबाद	
56	श्री अमर सिंह	जमियत सिंह रोड मोगा, जिला फरीदकोट (पंजाब)	अधिवक्ता	मोगा, जिला फरीदकोट पंजाब	
57.	श्री बी० एच० भाटिया	द्वारा मैसर्स मुल्ला एण्ड मुल्ला एण्ड क्रेगी ब्लन्ट एण्ड नोटरीज जहांगीर वाडिया बिल्डिंग, 51 महात्मा गांधी रोड, मुम्बई-400001	अटर्नी तथा एडवोकेट	सम्पूर्ण भारत	
58.	श्री बी० पी० शुक्ल	रघुनाथ बिल्डिंग, टाउन हाल के सामने, राजकोट (गुजरात)	अधिवक्ता	जिला फरीदकोट तथा जूनागढ़	
59.	श्री बी० के० शाह	मनसुख निवास सैनी छिपवाड़	अधिवक्ता	बड़ौदा	

1	2	3	4	5	6
60.	श्री रमेश जे० मेहता	अधिवक्तानडियाद जिला कैरा, गुजरात राज्य	अधिवक्ता	जिला कैरा तथा पांचमहल	—
61.	श्री बसन्त लाल डी० मेहता	द्वारा मालवी रन्छोदास एण्ड क०, सालिसीटर्स एण्ड अधिवक्ता, युसुफ बिल्डिंग, महात्मा गांधी रोड, फोर्ट मुम्बई-400011	सालिसीटर	महाराष्ट्र	
62.	श्री प्रकाश चन्द्र जैन	32, खुरबारा, देहरादून	अधिवक्ता	देहरादून जिले के न्यायाधीश की अधिकारिता वाला क्षेत्र, तहसील गढ़वाल उत्तर काशी, पौड़ी गढ़वाल और चमोली जिनका मुख्यालय देहरादून होगा	—
63.	श्री मोइज एफ० कम्मावाला	चर्चगेट, चैम्बर्स 5, न्यू मेरीन लाईन, कमरा नं० 611, छटी मंजिल मुम्बई-400001	सालिसीटर	सम्पूर्ण महाराष्ट्र राज्य, मुख्यालय मुम्बई	—
64	श्री दर्शन सिंह	ए-321 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली	अधिवक्ता	दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र	—
65.	श्रीमती के० बी० देसाई	5-भरत कालोनी सरदार पटेल कालोनी के निकट, अहमदाबाद-14	अधिवक्ता	जालंधर	—
66.	श्री मोहिन्दरसिंह	277, मध्यम गेट जालंधर	प्लीडर	जालंधर	
67.	श्री राजेन्द्र कुमार भट्ट	एस०-401, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली-48	अधिवक्ता	दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र, उ० प्र० और हरियाणा	—
68.	श्री नारायण प्रसाद गोयल	ई०-165, नारायणा विहार, नई दिल्ली-28	अधिवक्ता	दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र	—
69.	श्री के० बी० थॉमस	विराजपेट जिला कुर्ग, कर्नाटक	अधिवक्ता	जिला कुर्ग	
70.	श्री बी० हसन कोया	वेलपुरम, कालीकट केरल/ मैसर्स एस० के० गांगुली एण्ड कं० सालिसीटर्स	अधिवक्ता	जिला कालीकट तथा मालपुरम	—
71	श्री सलिल कुमार गांगुली	50 रामतनु बोस लेन, कलकत्ता	विधि अटर्नी कलकत्ता तथा अधिवक्ता	कलकत्ता	—
72	श्री पल्लव कुमार बनर्जी	मैसर्स टी बनर्जी एण्ड क०, सालिसीटर्स तथा अधिवक्ता टैम्पुल चैम्बर्स, नं० 6, ओल्ड पोस्ट ह्ट्रीट, कलकत्ता।	सालिसीटर तथा अधिवक्ता	कलकत्ता	—
73.	श्री एम वाई एस० मेमन	मैसर्स मजूमदार एण्ड कं०, इस्माइल बिल्डिंग, 381, डी० एन० रोड, (फ्लोरा फाउंटेन), मुम्बई।	सालिसीटर तथा अधिवक्ता	ग्रेटर मुम्बई	—
74.	श्री बृज भूषण गुप्त	कलाल माजरा, अम्बाला शहर।	अधिवक्ता	अम्बाला शहर	—
75	श्री रघुबीर सिंह कुल्हार	चैरवा तहसील, राजस्थान	अधिवक्ता	चैरवा तहसील	—
76	श्री मलामल राय गुरबैनी	ओ० 202, कंवर नगर, राजमहल का तालाब, जयपुर	अधिवक्ता	जयपुर	—
77	श्री नन्द किशोर पारीक	321, महराणा रोड, गोपाल हलवाई की गली, जयपुर।	अधिवक्ता	जयपुर	—

1	2	3	4	5	6
78	श्री अखिलेश्वर दास बङगेल	ए० 19, शान्ति पथ तिलक नगर, जयपुर ।	अधिवक्ता	जयपुर	—
79	श्री डी० आर० जैवल्ला	मैसर्स डी० आर० जैवल्ला एण्ड क० सालिसीटर्स, रेडीमनी स्टेशन, 43 वीर नरिमन रोड फोर्ट मुम्बई ।	सालिसीटर तथा अधिवक्ता	ग्रेटर मुम्बई	—
80	श्री एथोनी डा० कोस्टा	मैसर्स डा० कोस्टा एण्ड कोस्टा, एडवाकेट एण्ड टैक्स कान्सल्टैन्ट, 31/1, महात्मा गांधी रोड, सिविल स्टेशन बगलोर ।	अधिवक्ता	बगलोर	—
81	श्रीमती सुमति अरविन्द पाटिल	236, जैन टेम्पिल रोड गोमेश नगर, हिन्दवाडी, बैलगांव ।	अधिवक्ता	जिला बलगाव	—
82	श्री श्री० एम० सेन	मैसर्स खेतान एण्ड क०, सालिसीटर्स तथा अधिवक्ता हिमालय हाउस, 7वीं मंजिल, 23, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली । बी० 88 नीति बाग, नई दिल्ली ।	विधि अटर्नी	सम्पूर्ण भारत	—
83	श्रीमती एम० अनुसूया बाई	46241, शिवाजी रोड एन० आर० मोहल्ला मैसूर-7	अधिवक्ता	मैसूर शहर	—
84	श्री पद्म नाभ गंगाधर गोखले	ए० 36, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली ।	अधिवक्ता	सम्पूर्ण भारत	—
85	श्री राम नरेश लाल गुप्ता	बिहारा धाम सी-28/70 तेलियाबाग, बराणसी छावनी 11, उ० प्र०	अधिवक्ता	उ० प्र० का वाराणसी जिला	—
86	श्री ममुन असगर अली पूनावाला	1 इस्माइल बिल्डिंग, 381-डा० दादाभाई नोरोजी रोड, फोर्ट, मुम्बई-100001	अधिवक्ता	महाराष्ट्र राज्य	—
87	श्री अवधेश कुमार शर्मा	द्वारा श्री० रघुराम शर्मा अधिवक्ता, सिविल कार्ट, वाराणसी, उ०प्र०	अधिवक्ता	उ० प्र० का जिला वाराणसी	—
88	श्री गुलाब जहीर	श्री 50/29, काजीपुरा कला, वाराणसी उ०प्र०	अधिवक्ता	उ०प्र० का जिला वाराणसी	—
89	श्री किशोरी लाल कपूर	516 चर्च गेट चैम्बर्स, 5वीं मंजिल, 5, न्यू मेरिन लाइन्स, मुम्बई-20	अधिवक्ता	महाराष्ट्र राज्य	—
90	श्री टी०के० शनमुगानन्धम	8/8, हलूर रोड, कोयम्बतूर-641018	अधिवक्ता	कोयम्बतूर	—
91	श्री रमेन्द्र कुमार राय	37, साउथकुमार पारा लेन कलकत्ता-700042	अधिवक्ता	कलकत्ता 24 परगना	—
92	श्री प्रमेश चन्द्र राय चौधरी	6/सी पन्ना चक्रवर्ती लेन, कलकत्ता-26	अधिवक्ता	प० बंगाल बिहार उड़ीसा और असम	—

1	2	3	4	5	6
93	श्री रघुबीर सहाय हितकारी	सिविल कोर्टस कानपुर	अधिवक्ता	कानपुर और दिल्ली	
94	श्री ओम प्रकाश जैन	ए 5-बी/126-बी, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058	अधिवक्ता	दिल्ली	--
95	श्री बिमल कुमार बनर्जी	3-बैंकशल स्ट्रीट कलकत्ता	अधिवक्ता	कलकत्ता और 24 परगना	--
96	श्री पदमसी दामजी गाला	16-मामरिन्द स्ट्रीट फोर्ट मुम्बई 400023	अधिवक्ता	ग्रेटर मुम्बई	--
97	श्री जी० ए० बनातवाला	द्वारा पेने एण्ड कं० एसप्लेनेड हाउस, वाउडेरोड फोर्ट, मुम्बई-400001	अधिवक्ता	सम्पूर्ण भारत	--
98	श्री लियो बेनेवाइट बेला	कोस्टा परेरा बिल्डिंग, दूसरी मंजिल, मारगाओ, सेल्सेट, गोवा	अधिवक्ता	तालुका या सेल्सेट	--
99	कु० जसवन्त कौर	एच 21 कैलाश कालोनी नई दिल्ली	अधिवक्ता	दिल्ली	--
100	श्री एरच जमगुर बलसारा	मैसर्स पेने एण्ड कं० एस्पलेनेड हाउस वाउडे रोड, फोर्ट मुम्बई 400001	अधिवक्ता	सम्पूर्ण भारत	--
101.	श्री बर्लगामणी सिल्वा शेनाय	92-मसमन गश्फे परेड, मुम्बई-400005	अधिवक्ता	महाराष्ट्र राज्य	--
102.	श्री रामेश्वर दयाल गुप्ता	88-सी, शास्त्री नगर जोधपुर	अधिवक्ता	जिला जोधपुर	--
103.	श्री धल चन्द	जिला मुक्तसर फरीद कोट पंजाब	अधिवक्ता	चण्डीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र	--
104	श्री राम रतन सेठ	ई एस-553, मोहल्ला माखदपुरा, जालन्धर सिटी	अधिवक्ता	जालन्धर सीटी	--
105	श्री एम० आई० सेठना	फजल भाई बिल्डिंग, दूसरी मंजिल 45/47, एम० जी० रोड, फोर्ट बम्बई-1	अधिवक्ता	बलकेश्वर और पार्ट क्षेत्र बम्बई	--
106	श्री दुर्गाशंकर दवे	कमवल वाडा बांसवाडा राजस्थान, बांसवाडा	अधिवक्ता	जिला बांसवाडा, राजस्थान	--
107	श्री मुरलीधर राव नायक	मकसमपुरा गुलबर्गा, कर्नाटक	अधिवक्ता	गुलबर्गा जिला बीदर नगर	-
108	श्री भगत प्रसाद भट्ट	11-शान्त मार्ग, उदयपुर, राजस्थान	अधिवक्ता	उदयपुर	--

[फा० सं० 5(3)/82 न्याय]

के० सी० डी० गंगवानी, अपर विधि सलाहकार,

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 23rd February, 1982

S.O. 1635 —In pursuance of the provisions of section 6 of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952), the Central Government hereby publishes a list of Notaries appointed by them and in practice at beginning of the year 1981.

Sl. No.	Name of Notary	Residential and Professional address	Qualifications	Area in which he is authorised to practices	Remarks
1	2	3	4	5	6
1	Shri Chakravarthi Doraswamy	M/s King and Patridge Catholic Centre, (2nd Floor), 6, Armanian Street, Madras-1	Advocate Madras High Court	Whole of India	—

1	2	3	4	5	6
2.	Shri Bhata Krishna Banarji	Koonja Nibas, 23-A, Sardar Shankar Road, K.S. Tollygunj, Calcutta.	Advocate, Calcutta High Court	Whole of India	—
3.	Shri Bhagwati Prasad Khaitan.	1-B, Old P.O Street, Calcutta.	Attorney at Law, Calcutta High Court.	Whole of India	—
4.	Shri Rabindra Krishna Deb	Tample Chambers, 6, Old Post Office Street, Calcutta.	Attorney-at Law, Calcutta High Court.	Whole of India	—
5.	Shri Himansu Prakash Ganguli	4, Issur Dutt Lane, Howrah, (West Bengal).	Advocate, Calcutta High Court.	Whole of India	—
6.	Shri Sudhir Kumar Dey Mullick	C/o Mertin Burn Ltd., 12 Mission Row Extention, Calcutta-1.	Attorney at Law, Calcutta High Court.	Whole of India	—
7.	Sh. Rash Mohan Chatterjee	C/o M/s Orr. Bignam and Co., Solicitors, 29, Netaji Subhas Road, Calcutta.	Solicitor, Calcutta High Court.	West Bengal, Assam, Bihar, U.P. and Punjab.	—
8.	Sh. Prabhudayal Himat-singka.	6, Old Post Office Street, Calcutta.	Attorney-at Law, Calcutta High Court.	Whole of India	—
9.	Sh. Punyabarate Bose	10, Kiren Shankar Roy Road, Calcutta.	Attorney-at Law, Calcutta High Court.	Whole of India	—
10.	Sh. Victor Elias Moses	6, Old Post Office Street, Calcutta.	Attorney-at Law, Calcutta High Court.	Whole of India	—
11.	Sh. Mulkh Raji Wadhwan	Advocate, Jullundur City, Punjab.	Advocate, Punjab High Court.	Punjab and U.P.	—
12.	Sh. Manhoral Kapur	3/9, Patel Nagar (East), New Delhi.	Advocate	Union Territory of Delhi.	—
13.	Sh. Harpershad Mehra	No. 3060, Charkhewalan, Delhi.	Advocate, Punjab High Court.	Union Territory of Delhi	—
14.	Sh. Chaman Lal Arora	10-New Court Road, Amritsar Punjab.	Advocate	Amritsar District (Punjab)	—
15.	Sh. Damodar Devji Damodar.	C/o M/s. Kanga & Co., Solicitors Ready-Money, Mansion, 43, Veer Nirman Road, Bombay.	Solicitor	Maharashtra	—
16.	Sh. Daba Prasad Ghosh	12, Govt. Place East, Calcutta-1.	Attorney	Whole of India	—
17.	Sh. Nathmal Himatsingka	6, Old Post Office Street, Calcutta.	Attorney	Whole of India	—
18.	Sh. Nawal S. Fhatarphekar	C/o M/s. Crewford Bayley & Co., State Bank Building, Bank Street, Bombay-1.	Advocate	Whole of India	—
19.	Sh. Ram Kishan Garg	56, Old Vija Nagar Colony, Agra, (U.P)	Vakil Agra	Agra District	—
20.	Sh. C.H. Pardiwala	C/o M/s. Crowford Bayley and Co., State Bank Bldgs. Bank St., Bombay.	Solicitor	Whole of India	—
21.	Sh. Sachindra C. Sen	Attorney-at Law, Temple Chambers, Ist Floor, 6, Old Post Office Street, Calcutta.	Attorney	Calcutta	—

1	2	3	4	5	6
22.	Sh. D.A. Mehta	Advocate, 43-B, Hanuman Road, New Delhi.	Bar-at-Law	Union Territory of Delhi	—
23.	Sh. Durga Prasad Tulsyan	Advocate, Jhunjhunu, Rajasthan.	Advocate	Jhunjhunu District (Rajasthan)	—
24.	Sh. M. G. Doshit	M/s M.G. Doshit & Co., Solicitors, 35-Embassy Market, Ahmedabad.	Solicitor	Gujarat and Maharashtra	—
25.	Sh. Noor Mohammad	Advocate, Udaipur,	Advocate	Jhunjhunu District (Rajasthan)	—
26.	Sh. Sudhir Kumar Seal	C/o M/s. Sanersons & Margans, Solicitors, Royal Insurance Bldgs., 5 & 7, Netaji Subhash Road, Calcutta-1.	Solicitor	Whole of India	—
27.	Sh. Jitendra Nath Sanwal	C/o M/s. Sandarsons & Morgans, Solicitors, Royal Insurance Bldgs. 5 & 7 Netaji Subhash Road, Calcutta-1.	Solicitor	Whole of India	—
28.	Sh. Indersen Israni	Advocate, J-54 Krishna Marg, Jaipur (Raj.)	Advocate	Jaipur City and District	—
29.	Shri R.C. Kurlan	14, Kandi Chatty Street, Madras-1.	Advocate	Madras & Kerala	—
30.	Sh. Gurdyal Singh Sidhoo	No. 1, Dakora, Jullundur (Punjab).	Advocate	Jullundur District	—
31.	Sh. G.S. Venkata-subramanian	140, Cross Cut Road, Coimbatore-12.	Advocate	Coimbatore District	—
32.	Shri Pushkar Lal Juneja	F-2, Bhagat Singh Market, Lady Hardings Road, New Delhi and F-1, Shankar Market, Connaught Circus, New Delhi.	Advocate	Whole of India	—
33.	Sh. Chuni Lal Bhatia	C-4/A/68C, Janak Puri, New Delhi.	Advocate	Union Territory of Delhi	—
34.	Sh. Jagan Nath	Moga, District, Ferosepore, (Punjab).	Advocate	Ferozepur Distt. with Headquarter at Moga Also authorise to Practice in and throughout Faridkot Distt. with Headquarters at Moga	—
35.	Shri Ramji Das Singhal	Gurdwara Street, Bhatinda, (Punjab).	Advocate	Bhantinda District	—
36.	Sh. Bal Krishan	Advocate, Ganganagar Town, District, Ganganagar (Rajasthan)	Advocate	District Ganganagar with Headquarters at Ganga-Nagar (Rajasthan)	—
37.	Sh. S.R. Mehta	Advocate, Balotra	Advocate	District of Barmar and Jalons with Headquarters at Balotra, (Rajasthan)	—
38.	Sh. D.D. Kakkar	Advocate, 36/9, East Patel Nagar, New Delhi-8	Advocate	Union Territory of Delhi	—

1	2	3	4	5	6
39.	Sh. G.C. Verma	Advocate, Oath Commissioner, E/12, Green Park, New Delhi.	Advocate cum-Oath Commissioner	Union Territory of Delhi	—
40.	Sh. P.L. Gandhi	Advocate, Opposite Gandhi Baug, Surat.	Advocate	Surat District	—
41.	Sh. A.R. Malkani	Advocate, B.B.Z. N-6, Gandhidham (Kutch)	Advocate	Whole of Gujarat	—
42.	Sh. N.C. Shah	C/o Khaitah & Co., Solicitors, 1-B, Old Post Office Street, Calcutta-1.	Advocate Calcutta	Calcutta and New Delhi	—
43.	Sh. T. Dilip Singh	C/o Messrs King & Parties, 2nd Floor, Catholic Centre, Armenian Street, East Box No. 121, Madras-1.	Advocate, Madras	Whole of India	—
44.	Sh. J.R. Gagrat	C/o M/s Gagrat & Company, Alli Chambers, Negindas Master Road, Fort-Bombay-1.	Advocate, Bombay	Whole of India	—
45.	Sh. R. Setlur	C/o Crawford Baylay & Co., State Bank Bldg., Bank Street, Bombay-1.	Attorney & Advocate	Whole of India	—
46.	Sh. Brij Mohan Mehta	15A/2, Rajinder Nagar, New Delhi.	Advocate, New Delhi	Union Territory of Delhi	—
47.	Sh. Surjit Singh Sood	23, Netaji Park, Jullundur City, (Punjab).	Advocate, Jullundur	Jullundur	—
48.	Sh. Jagjit Singh Bains	376, K. Model Town, Julhundur City, (Punjab).	Advocate, Jullundur	Jullundur	—
49.	Shri K.J. Khembata	Rajab Mahal, 144, Queens Road, Bombay.	Advocate, Bombay	Whole of India	—
50.	Shri Ambelal Bhavbhai Patel	Vaidya Street, P.O. Navasari, Distt. Bulsar, (Gujarat).	Advocate	Bulsar Distt. (Gujarat)	—
51.	Shri Punamchand Somchand Sah	C/o Messrs Purana Pand and Co., *Solicitors to Govt. of Gujrat* 'Shradhe' Warides Colony, Navijiwan Press Road, Ahmedabad-14.	Advocate	Gujarat	—
52.	Sh. B.T. Merchand	C/o M/s. Thakordas & Madavakar, Fort Chambers Dean Lane Fort, Bombay-400001.	Attorney & Advocate	Whole of India	—
53.	Sh. H.M. Bhagat	C/o Ambubhai & Diwaji, Lentin Chambers, Dalal Street, Fort, Bombay AND C/o Ambhubhai & Diwanji, Solicitors and Advocates, Industries House, Ashram Road, Ahmedabad-380007	Advocate & Solicitor	Gujarat	—

1	2	3	4	5	6
54.	Sh. H.V. Chatrapati	C/o M/s Bhai-Shankar Kanga & Girdhari Lal, Manakji Wadia, Building Bella lane, Fort Bombay-400001. AND C/o M/s Bhaishankar Kanga and Girdharilal, Gujarat Samachar Bhavan, Kanpur, Ahmedabad-1.	Advocate & Solicitor	Gujarat	—
55.	Sh. C.S. Vyas	35, Lawanungar, Jivaraj Park Road, Ellis Bridge, Ahmedabad-7.	Advocate	Ahemdabad	—
56.	Sh. Amar Singh	Jamiat Singh Road, Moga, District Faridkot, (Punjab).	Advocate	Moga Distt., Faridkot, Punjab	—
57.	B.H. Antia	C/o M/s Mulla & Graigie Blunt & Caroe, Solicitors and Notaries, Jehangir Wadia Building, 51 Mahatma Gandhi Road, Bombay-400001.	Advocate & Advocate	Whole of India	—
58.	Sh. B.P. Shukla	Augnath Building Opp., Town Hall, Rajkot. (Gujarat).	Advocate	Rajkot & Junagadh District	—
59.	Sh. B.K. Shah	Mansukh Niwas, Naini Chhipwad.	Advocate	Baroda	—
60.	Sh. Ramesh J. Mehta	Advocate, Nadiad, District Kaira, Gujarat State.	Advocate	Kaira & Panchamahals District	—
61.	Sh. Vasantlal D. Mehta	C/o Malvi Ranchodas & Co., Solicitors and Advocates, Yusuf Building, Mahatma Gandhi Road, Fort, Bombay-400001.	Solicitor	Maharashtra	—
62.	Sh. Prakash Chand Jain	82-Kurbara, Dehradun.	Advocate	Judgeship of Dehradun, Tehsil Garhwal, Uttarakashi, Pauri Garhawal and Chamauli with Headquarters at Dehradun.	—
63.	Sh. Moiz F. Karamalawala	Churchagate Chambers, 5, New Marine Lines, Room No. 611, 6th Floor, Bombay-400001.	Solicitors	Whole of the State of Maharashtra with Headquarter at Bombay.	—
64.	Shri Darshan Singh	A-321, Defence Colony, New Delhi.	Advocate	Union Territory of Delhi,	—
65.	Mrs. K.V. Desai	5, Bharat Colony, Near Sardar Patel Colony, Ahmedabad-14.	Advocate	Ahmedabad	—
66.	Sh. Mohinder Singh	277, Saidan Gate, Jullundur.	Advocate	Jullundur	—
67.	Sh. Rajendra Kumar Bhatt	S-401, Greater Kailash, New Delhi-48	Advocate	Union Territory of Delhi, U.P. and Haryana	—
68.	Sh. Narain Prashad Goyal	E-165, Narain Vihar, New Delhi-28	Advocate	Union Territory of Delhi	—

1	2	3	4	5	6
69.	Sh. K.V. Thomas	Virajpet Coorg, Distt. Karnataka	Advocate	Coorg Distt.	—
70.	Sh. V. Hassan Koya	Chelepyram, Calicut, Kerala. AND M/s. S.K. Ganguli & Co., Solicitors.	Advocate	Calicut & Malappuram Distt.	—
71.	Shri Salil Kumar Ganguli	50, Ramtanu Bose Lane, Calcutta.	Attorney-at-Law and Advocate	Calcutta	—
72.	Sh. Palav Kumar Banerjee	M/s T. Banerjee & Co., Solicitors and Advocates, 'Temple Chambers' No. 6, Old Post Office Street, Calcutta.	Solicitor & Advocate	Calcutta	—
73.	Sh. M.Y. Menon	M/s Majumdar & Co., Ismail Building, 381, Dr. D.N. Road, (Flora Fountains), Bombay.	Solicitor & Advocate	Greater Bombay	—
74.	Sh. Brij Bhushan Gupta	Kalal Majri, Ambala City.	Advocate	Ambala City	—
75.	Sh. Raghubir Singh Kulhar	Chairwa Tehsil, Rajasthan	Advocate	Chairwa Tehsil	—
76.	Sh. Salametrai Gurbeny	0.202 Kanwar Ngr. Rajamal-Ka-Talab, Jaipur.	Advocate	Jaipur	—
77.	Sh. Nand Kishore Pareek	321, Mehargarh Road Gopal Halwai Ki Gali, Jaipur.	Advocate	Jaipur	—
78.	Sh. A. Khileshwar Das Badgal	A-18, Shanti Nath, Tilak Nagar, Jaipur.	Advocate	Jaipur	—
79.	Sh. D.R. Jainwalla	M/s D.R. Zaiwalla & Co., Solicitors 'Reed-money' Mansion, 43, Veer Nariman Road, Fort, Bombay.	Solicitor & Advocate	Greater Bombay	—
80.	Sh. Anthony da Costa	M/s Da Costa and Da Costa, Advocates & Tax-Consultants, 31/1, Mahatama Gandhi Road, Civil Station, Bangalore.	Advocate	Whole of India	—
81.	Mrs. Sumati Arvind Patil	236, Jain Temple Road, Gomeshanagar Hinowadi, Belgaum.	Advocate	Belgaum Distt.	—
82.	Sh. T.M. Sen	M/s Khaitan & Co., Solicitors & Advocates, Himalaya House, 7th Floor, 23, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi. AND B-88, Neti Bagh, New Delhi.	Attorney-at-Law	Whole of India	—
83.	Smt. N. Anasooya Bai	4624/1, Shivaji Road, N.R. Mohalla, Mysore-7	Advocate	Mysore City	—
84.	Sh. Padmanabh Gangadhar Gokhale	A-36, Defence Colony, New Delhi.	Advocate	Whole of India	—

1	2	3	4	5	6
85.	Sh. Ram Naresh Lal Gupta	"Baiharidham" C-28/70, Telyabagh, Varanashi Cant-II, U.P.	Advocate	Varanashi Distt. of U.P.	—
86.	Sh. Samoon Asser Ali Poonawala	12-Ismail Bldg., 381-Dr. Dadabhoi Naorohi Road, Fort Bombay-400001.	Advocate	State of Maharashtra	—
87.	Sh. Awadesh Kumar Verma	C/o Sh. Raghuram Verma, Advocate, Advocate Civil Court, Varanasi, U.P.	Advocate	Varanasi Distt of U.P.	—
88.	Sh. Gulam Tahir	D-50/29, Rajindura Lalan, Varanasi, U.P.	Advoctae	Varanasi Distt. of U.P.	—
89.	Sh. Kishori Lal Kapoor	516, Church Gate Chambers, Vth Floor, 5-New Marine Line, Bombay-400020	Advocate	State of Maharashtra	—
90.	Sh. T.K. Shanmuganandham	8/8, Huzur Road, Coimbatore-641018	Advocate	Coimbatore	—
91.	Sh. Ramendra Kumar Ray	37, South Kumar Para Lane, Calcutta-700042	Advocate	Calcutta & 24 Paraganash	—
92.	Sh. Parmesh Chandra Roy Choudhury	6/C, Parbati Chakraborty Lane, Calcutta-26.	Advocate	West Bengal, Bihar, Orissa & Assam.	—
93.	Sh. Ragaubir Sahai Hitkari	Civil Courts, Kanpur.	Advocate	Kanpur & Delhi	
94.	Sh. Om Prakash Jain	A-5-B/126-B, Janak Puri, New Delhi-110058	Advocate	Delhi	—
95.	Sh. Vimal Kumar Banerjee	3-Bank shall Street, Calcutta-700001	Advocate	Calcutta & 24 Parganash	—
96.	Sh. Padamasi Damji Khona	45, Tamarind Street Fort, Bombay-23	Advocate	Greater Bombay	—
97.	Sh. G.A. Banatwala	C/o Payne & Co., Esplanade House, Woudey Road, Fort, Bombay-400004	Advocate	Wuole of India	—
98.	Sh. Leo Benedite Velno	Costa Pereira Blog., IInd Floor, Margao Seleete, Goa.	Advocate	Thaluka of Selete	—
99.	Miss Jeswant Kaur	H-21, Kailash Colony, New Delhi.	Advocate	Union Territory of Delhi	—
100.	Sh. Eruch Jalagur Balsara	M/s Peyne & Co., Esplanade House, Waudoy Road, Fort, Bombay-400001	Advocate	Whole of India	
101.	Sh. Bertram D'Silva Shenoy	92 "Satman" Cuffe Parade, Bombay-400005	Advocate	State of Maharashtra	—
102.	Sh. Rameshwar Dayal Gupta	88, C, Shastri Nagar, Jodhpur.	Advocate	Jodhpur District	—
103.	Sh. Dhul Chand	Mukhsar, District, Faridkot, Punjab.	Advocate	Union Territory of Chandigarh	

1	2	3	4	5	6
104.	Sh. Ram Rattan Lekh	ES-553, Mohalla, Ibadpura, Jullundur City.	Advocate	Jullundur City	—
105.	Sh. M.I. Sethna	Fazalbhoy Bldg. 2nd Floor, 45/47, M.G. Road, Fort, Bombay-1.	Advocate	Walkeshwar and Fort areas of Bombay.	—
106.	Sh. Durga Shanker Dave	Gswalwara-Banswara, Rajasthan Banswara.	Advocate	Banswara District of Rajasthan.	—
107.	Sh. Murlidhar Rao Naik	Maktampura, Gulbarga, Karnataka.	Advocate	District of and Sity of Gulbarga.	—
108.	Sh. Bhagat Prasad Bhatt	11-Gyan Marg, Udaipur, Rajasthan.	Advocate	Udaipur	—

[F. No. 5 (3)/82. Judl.]
K.C.D GANGWANI, Additional Legal Adviser

वित्त मंत्रालय

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1981

आयकर

का० आ० 1636— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121-क की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे पूर्व जारी की गई अधिसूचना में आंशिक संशोधन करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्द्वारा निदेश देता है कि निम्नलिखित अनुसूची के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट अधिकार क्षेत्रों के आयकर आयुक्त (अपील), उस अनुसूची के स्तंभ 2 की तत्संबंधी प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट आयकर वार्डों, परिमंडलों, जिलों और रेंजों में आयकर या अतिकर या ब्याजकर से निर्धारित ऐसे व्यक्तियों के बारे में, जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 246 की उप-धारा (2) के खंड (क) से (ज), कम्पनी (लाभ) अतिकर अधिनियम, 1964 (1964 का 7) की धारा 11 की उप धारा (1) तथा ब्याज कर अधिनियम, 1974 (1974 का 45) की धारा 15 की उप-धारा (1) में उल्लिखित किसी भी आदेश से अपहृत हुए हैं, और ऐसे व्यक्तियों या व्यक्ति वर्ग की बाबत भी, जिनके लिए बोर्ड ने आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 146 की उप-धारा (2) के खंड (1) के उपबंधों के अनुसार निदेश दिया है या भविष्य में निदेश दें, अपने कार्यों का निर्वहण करेंगे ।

अनुसूची

अधिकार क्षेत्र और प्रधान कार्यालय	आयकर वार्ड/परिमंडल/निरीक्षी सहायक आयुक्त, कर निर्धारण रेंज
(1)	(2)
1. आयकर आयुक्त (अपील)-II, नई दिल्ली	1. निरीक्षी सहायक आयुक्त रेंज II-ए (कम्पनी रेंज III के रूप में पुनः पदनामित), के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाले कम्पनी परिमंडल 17 और 9, जिसमें निरीक्षी सहायक आयुक्त भी शामिल है
	2. निरीक्षी सहायक आयुक्त, रेंज II-ज (अब निरीक्षी सहायक आयुक्त (कर निर्धारण) रेंज-6, नई दिल्ली के रूप में पुनः पदनामित) के, क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाले कम्पनी परिमंडल-4 और 18 जिसमें वह निरीक्षी सहायक आयुक्त भी शामिल है,
	3. निरीक्षी सहायक आयुक्त, रेंजIII-सी, नई दिल्ली के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाले सभी वार्ड/परिमंडल, जिसमें निरीक्षी सहायक आयुक्त भी शामिल हैं।
	4. निरीक्षी सहायक आयुक्त, रेंज III ब, नई दिल्ली के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाले सभी वार्ड/परिमंडल जिसमें निरीक्षी सहायक आयुक्त भी शामिल हैं ।
आयकर आयुक्त (अपील)-VI नई दिल्ली	1. जिला III-बी में सभी वार्ड ।
	2 जिला-III-ई० में सभी वार्ड ।
	3. निरीक्षी सहायक आयुक्त (कर-निर्धारण) रेंज III-ई, नई दिल्ली। अब निरीक्षी सहायक आयुक्त, (कर निर्धारण) के रूप में पुनः पदनामित ।
	4. निरीक्षी सहायक आयुक्त (कर निर्धारण), रेंज III-एफ नई दिल्ली। अब निरीक्षी सहायक

4	5	6
	आयुक्त (कर निर्धारण) रेंज 10, नई दिल्ली के रूप में पुनः पदनामित।	
	5. निरीक्षी सहायक आयुक्त (कर निर्धारण) रेंज III-जी, नई दिल्ली	
आयकर आयुक्त, (अपील), VIII, नई दिल्ली	1. निरीक्षी सहायक आयुक्त (केन्द्रीय) रेंज 1, 4 और 6 के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाले, केन्द्रीय परिमंडल 7, 8, 9, 10 नई दिल्ली को छोड़कर सभी वार्ड/परिमंडल. जिसमें निरीक्षी सहायक आयुक्त और केन्द्रीय परिमंडल 1 से 4, मेरठ भी शामिल है।	
आयकर आयुक्त (अपील)-XII, नई दिल्ली	1 निरीक्षी सहायक आयुक्त, रेंज-VI-जी (अब, निरीक्षी सहायक आयुक्त कर निर्धारण), रेंज-VIII, नई दिल्ली के रूप में पुनः पदनामित) और निरीक्षी सहायक आयुक्त के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाले सभी वार्ड/परिमंडल।	
	2. केन्द्रीय परिमंडल-XI और XII, नई दिल्ली।	
	3. जिला-III-क, नई दिल्ली में सभी वार्ड।	

जहां कोई आयकर परिमंडल, वार्ड या जिला या उसका भाग इस अधिसूचना द्वारा एक अधिकार क्षेत्र से किसी अन्य अधिकार-क्षेत्र को अन्तरित हो जाता है, वहां उस आयकर परिमंडल, वार्ड, जिला या उसके किसी भाग में किए गए निर्धारणों से उत्पन्न होने वाली और उस अधिकार क्षेत्र के जिससे वह आयकर परिमंडल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तरित हुआ है, आयकर आयुक्त के समक्ष इस अधिसूचना की तारीख के तत्काल पूर्व विचाराधीन पड़ी अपीलें, उस अधिकार-क्षेत्र के, जिसको, उक्त परिमंडल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अंतरित हुआ है, आयकर आयुक्त को अंतरित की जाएंगी और उसके द्वारा उन पर कार्यवाही की जाएगी।

यह अधिसूचना 29 सितम्बर, 1981 से लागू होगी।

[सं० 4251 (फा० सं० 261/7/81 आ० क० न्याय)]

MINISTRY OF FINANCE
CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 29th September, 1981

(Income Tax)

S.O. 1636.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121-A of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the notification issued earlier, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Commissioner of Income-tax (Appeals) of the charges specified in column No. (1) of the schedule below, shall perform their functions in respect of such persons assessed to Income-tax or Surtax or interest tax in the Income-tax wards, Circles, Districts, and ranges specified in the corresponding entries in Column (2) there as are aggrieved by any of the order mentioned in clauses (a) to (h) of sub-section (2) of section 246 of the Income Tax Act, 1961, in sub-section (1) of section II of Companies (Profits) Sur-tax Act, 1964 (77 of 1964) and in sub section 1 of section 15 of the Interest-Tax Act, 1974 (45 of 1974) and also in respect of such persons or classes of persons as the Board have directed or may direct in future in accordance with the provisions of clause (1) of sub-section (2) of Section 246 of the Incometax Act, 1961.

SCHEDULE

Charges with headquarters	Income-tax Wards/Circles/IAC. Asst. Range.
1	2
1. Commissioner of Income-tax, (Appeals)-II, New Delhi.	1. Coy. Circles-XVII & IX within the jurisdiction of IAC Range II-A (re-designated as Co. Range III) including the IAC.
	2. Coy. Circles-IV & XVIII within the jurisdiction of IAC, Range II-H (now redesignated as IAC Assessment) Range VI, New Delhi including that IAC.
	3. All wards/circles within the jurisdiction of IAC, Range III-C New Delhi including the IAC.
	4. All wards/circles within the jurisdiction of IAC, Range III-D, New Delhi including the IAC.
Commissioner of Income-tax (Appeals)-VI, New Delhi.	1. All Wards in District III-B
	2. All Wards in District III-E
	3. IAC (Asstt.) Range III-E, N. Delhi now redesignated as IAC (Asstt.)
	4. IAC (Asstt.), Range III-F, N. Delhi now redesignated IAC (Asstt.) Range X New Delhi.
	5. IAC (Asstt.) Range III-G, New Delhi.
Commissioners of Income-tax, (Appeals) VIII, New Delhi.	1. All Wards/circles within the juridiction of IAC(C) Range-I, IV & VI except Central Circle, VII, VIII, IX, X, New Delhi including the IAC and Central Circles I to IV Meerut.
Commissioner of Income-tax, (Appeals) XII, New Delhi.	1. IAC, Range IV-G(now redesignated as IAC (Asstt.), Range-VIII, New Delhi) and all wards/circles within the jurisdictioh of the IAC.
	2. Central Circles-XI & XII, N. Delhi
	3. All wards in District-III-A, New Delhi.

Whereas an Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this Notification from one charge to another charge appeals arising out of assessments made in that Income Tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Commissioner of Income-tax of the charge from whom the

Income-tax, Circle, Ward, District or part thereof is transferred to and are to be dealt with by the Commissioner of Income-tax of the charge to whom the said Circle, Ward, or District or part thereof is transferred.

This Notification shall take effect from 29-9-1981.

[No. . 4251 (F. No. 261/7/81-ITJ]

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 24 अक्तूबर, 1981

का० आ० 1637.—बोर्ड की दिनांक 29 सितम्बर, 1981 की अधिसूचना सं० 4251 (फा० सं० 261/7/81-आ० क० न्याय) में निम्नलिखित संशोधन किए जाएंगे :

"आयकर आयुक्त (क) VI के लिए क्षेत्राधिकार के पैरा 3 को निरीक्षी सहायक आयुक्त (कर निर्धारण रेंज-3 ड, नई दिल्ली, जिसे अब निरीक्षी सहायक आयुक्त (कर निर्धारण)-IX, नई दिल्ली के रूप में पुनः पदनामित किया गया है, पढ़ा जाए।"

[संख्या 4282(फा० सं० 261/7/81-आ० क० न्या०)]

CORRIGENDUM

New Delhi, the 24th October, 1981

S.O. 1637.—In the Board's Notification No. 4251 (F. No. 261/7/81-ITJ) dated 29-9-1981 the following amendment shall be made :

"Para 3 of the jurisdiction for CIT(A VI may be read as IAC (Asstt.) Range III-E, New Delhi now re-designated as IAC (Asstt.) IX, New Delhi".

[No. 4282 (F. No. 261/7/81-ITJ]

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 24 अक्तूबर, 1981

का० आ० 1638.—बोर्ड की दिनांक 26 अगस्त, 1981 की अधिसूचना सं० 4076 (फा० सं० 261/71/81 आ० क० न्या०) में, आयकर आयुक्त (अपील)-X, नई दिल्ली के क्षेत्राधिकार के सामने अनुसूची के स्तंभ 2 के अंतर्गत क्रम सं० 1 स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा :

"कम्पनी सर्किल VI, VIII और XI नई दिल्ली, जो पहले निरीक्षी सहायक आयुक्त, रेंज-II-ग के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत था और अब निरीक्षी सहायक आयुक्त-रेंज-II-क, नई दिल्ली के अंतर्गत है।

[संख्या 4283 (फा० सं० 261/7/81-आ० क० न्या०)]

CORRIGENDUM

New Delhi, the 24th October, 1981

S.O. .—In the Board's Notification No. 4076 (F. No. 261/7/81-ITJ) dated 26-8-1981, for S. No. 1 under Column 2 of the Schedule against the jurisdiction of Commissioner of Income-tax (Appeals)-X, New Delhi the following shall be substituted :

"Company Circles VI, VII and XI New Delhi earlier onder the jdrisdiction of IAC, Range-II-C and now under the jurisdiction of IAC Range-II-C and now

[No. 4283 (F. No. 261/7/81-ITJ)]

नई दिल्ली, 23 नवम्बर, 1981

आयकर

का०आ० 1639.—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 121-क की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और दिनांक 9-10-1980 की पूर्ववर्ती अधिसूचना सं० 3696 (फा०सं० 26/1/80 आ० क० न्या०) का अधिलंघन करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, एतद्द्वारा निदेश देता है कि नीचे दी गई अनुसूची के स्तम्भ संख्या (1) में विनिर्दिष्ट अधिकार-क्षेत्रों के आयकर आयुक्त (अपील), अनुसूची के स्तम्भ (2) और (3) की तत्सम्बन्धी प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट आयकर वार्डों, परिमण्डलों जिलों और रेंजों में, ऐसे आयकर या अतिकर या ब्याज कर से निर्धारित ऐसे व्यक्तियों के बारे में, जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 246 की उप-धारा (2) के खण्ड (क) से (ज) में, कम्पनी (लाभ) अतिकर अधिनियम, 1964 (1964 का 7) की धारा 11 की उप-धारा (1) और ब्याज कर अधिनियम, 1974 (1974 का 45) की धारा 15 की उप-धारा (1) में उल्लिखित किसी भी आदेश से अपील हैं और ऐसे व्यक्तियों या व्यक्ति वर्ग को बाबत भी जिनके लिए बोर्ड ने आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 246 की उप-धारा (2) के खण्ड (1) के उपबन्धों के अनुसार निदेश दिया है या भविष्य में निदेश दें, अपने कार्य का निर्वहण करेंगे।

अनुसूची

अधिकार-क्षेत्र और प्रधान कार्यालय	आयकर वार्ड/परिमण्डल तथा जिला	निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त के रेंज
1	2	3
1. आयकर आयुक्त (अपील)-I, बम्बई	1. कम्पनी परिमण्डल-1 2. कर-निर्धारण परिमण्डल-1 3 व्यावसायिक परिमण्डल	नि०स०आ० (निर्धा०) रेंज-1
2. आयकर आयुक्त (अपील)-II, बम्बई	1. ए-V वार्ड 2 फिल्म परिमण्डल 3. विदेशी कम्पनी परिमण्डल-II 4. विदेश अनुभाग	नि०स०आ० विदेशी (क०नि० रेंज-II)
3. आयकर आयुक्त (अपील-III), बम्बई	1. ए-1 वार्ड 2. ए-II वार्ड 3. ए-III वार्ड 4. ए-I वार्ड	

1	2	3
4. आय कर आयुक्त (अपील)-1, बम्बई	1. कम्पनी परिमण्डल-II 2. विदेशी कम्पनी परिमण्डल-I 3. कर-निर्धारण परिमण्डल-II 4. कर-निर्धारण परिमण्डल-IIए	1. नि० स०आ०, विदेशी (निर्धा०) रेंज-I 2. नि०स०आ० (निर्धा०) रेंज-II 3. नि०स० आ० (निर्धा०) रेंज-IIए
5. आयकर आयुक्त (अपील)-V, बम्बई	1. कम्पनी परिमण्डल (1) से (11) 2. कर-निर्धारण परिमण्डल-I 3. कर-निर्धारण परिमण्डल IV ए	1. नि०स०आ० (निर्धा०) रेंज-IV तथा IV ए
6. आयकर आयुक्त (अपील) VI, बम्बई	1. आयकर अधिकारी, कम्पनी परिमण्डल-V (1) से (6) तक 2. प्रथम आ०क०आ०, निर्धारण परिमण्डल-V 3. द्वितीय आ०क०अ०, निर्धारण परिमण्डल-V 4. प्रथम तथा द्वितीय आ०क०अ०, निर्धा० परिमण्डल-V ए	
7. आयकर आयुक्त (अपील) VII, बम्बई	1. कम्पनी परिमण्डल-III (1) से (4) तक 2. आ०क०अ०, निर्धारण परिमण्डल-III 2. आ०क०अ०, निर्धारण परिमण्डल-IIIए	1. नि०स०आ० (निर्धा०) रेंज-III 2. नि०स०आ० (नि०) रेंज-III
8. आयकर आयुक्त (अपील) VIII, बम्बई	1, आ०क०अ०, कम्पनी परिमण्डल-VI (1) से VI (6) तक 2. कर-निर्धारण परिमण्डल-VI, 1 (1) से 1 (2) तक 2. कर निर्धारण परिमण्डल -III 4. कम्पनी परिमण्डल-III	1. नि०स०आ० (निर्धा०) रेंज -VI 2 नि० स०आ० (निर्धा०) रेंज-VI ए
9. आयकर आयुक्त (अपील)-IX, बम्बई	1. डी I वार्ड 2 डी II वार्ड 2. सीIV वार्ड 4. निर्धा० परिमण्डल-VII ए 5. निर्धारण परिमण्डल-VIIIए	1. नि०स०आ० (निर्धा०) रेंज -VIII 2. नि०स०आ० (निर्धा०) रेंज VII
10 आयकर आयुक्त (अपील)-X, बम्बई	1 सी I वार्ड 2. सी-II वार्ड 2 सी-III वार्ड 4. सी-IV वार्ड 5 एस० डी० I 6. एस०डी०-II 7 डी०डी० एम०	
11. आयकर आयुक्त (अपील)-XI, बम्बई	1. ई-वार्ड 2. जी-वार्ड 2. डी०ए०-वार्ड 4. डी०एस० डी० (साउथ) 5. कर-निर्धारण परिमण्डल-VIII 6. डी०एस०डी० (ईस्ट) 7 डी० एस०डी० (वेस्ट) 8. डी० एस० डी० (नार्थ) 9. सर्वेक्षण I तथा II 10. कर-निर्धारण परिमण्डल IX 11. हुण्डी परिमण्डल 12 विशेष क्षेत्राधिकार	1. नि०स०आ० (निर्धा०) सर्वेक्षण रेंज-I 2. नि०स०आ० (निर्धा०) सर्वेक्षण रेंज-II
12 आयकर आयुक्त (अपील)-- XII, बम्बई	1 बी०-I वार्ड 2 बी-II वार्ड 2. बी-III वार्ड	
13. आयकर आयुक्त (अपील)- XIII, बम्बई	1 मार्केट वार्ड 2 न्यास परिमण्डल	

1	2	3
14. आयकर आयुक्त (अपील)– XIV बम्बई	1. आ०क०अ०, कम्पनी परिमण्डल V(7) से V(11) तक	
15. आयकर आयुक्त (अपील)-XV बम्बई	1. आ० क० अ० कम्पनी परिमण्डल-III (5) से (8) तक	
16. आयकर आयुक्त (अपील)–XVI बम्बई	1. आ०क०अ० कम्पनी परिमण्डल III(9) से III(15) तक	
17. आयकर आयुक्त (अपील)–XVII बम्बई	1. आ० क० अ० कम्पनी परिमण्डल VI(7) से VI(12) तक	
18. आयकर आयुक्त (अपील)–सेन्ट्रल-I, बम्बई	1. सेन्ट्रल परिमण्डल I से XIV तक	1. नि०स०आ० सेन्ट्रल रेंज-I 2. नि०स०आ० सेन्ट्रल रेंज-II 3. नि०स०आ० सेन्ट्रल रेंज-III
19. आयकर आयुक्त (अपील) सेन्ट्रल-II बम्बई	1. सेन्ट्रल परिमण्डल XV से XXVIII तक	1. नि०स०आ० सेन्ट्रल रेंज-IV 2. नि०स०आ० सेन्ट्रल रेंज-V 3. नि०स०आ० सेन्ट्रल रेंज-VI
20. आयकर आयुक्त (अपील) सेन्ट्रल-III बम्बई	1. सेन्ट्रल परिमण्डल XXIX से XLII तक	1. नि०स०आ० सेन्ट्रल रेंज VII 2. नि०स०आ० सेन्ट्रल रेंज-VIII 3. नि०स०आ० सेन्ट्रल रेंज-IX

अब तक आयुक्त (अपील)– XII तथा XIII के रूप में पदनामित पुराने अधिकार क्षेत्रों में अनिर्णीत पड़ी अपीलें नव-पदनामित आयुक्त (अपील) सेन्ट्रल-I तथा सेन्ट्रल-II के क्षेत्राधिकारों में ही रहेंगी।

जहां कोई आयकर परिमण्डल, वार्ड अथवा जिला अथवा उसका कोई भाग इस अधिसूचना द्वारा तक अधिकार-क्षेत्र से किसी अन्य अधिकार-क्षेत्र में अन्तरित हो जाता है, अतः उस आयकर परिमण्डल, वार्ड या जिले अथवा उसके किसी भाग या जिले में किये गये कर-निर्धारणों से उत्पन्न होने वाले और उस अधिकार क्षेत्र के जिससे वह आयकर परिमण्डल; वार्ड या जिला या रेंज अथवा उसका कोई भाग अन्तरित हुआ हो; आयकर आयुक्त (अपील) के समक्ष इस अधिसूचना की तारीख के तत्काल पहले अनिर्णीत पड़ी अपीलें, इस अधिसूचना के लागू होने की तारीख से उस अधिकार क्षेत्र के आयकर आयुक्त (अपील) को अन्तरित की जाएंगी और उसके द्वारा निपटाई जाएंगी, जिसको उक्त परिमण्डल वार्ड या जिला या रेंज अथवा उसका कोई भाग अन्तरित हुआ है।

यह अधिसूचना 1-12-1981 से लागू होगी।

[सं० 4227(फा० सं० 261/2/81 आ०क०न्या०]

अजय सिंह, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd November, 1981

INCOME-TAX

S.O. 1639.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of the previous notifications No. 3696 (F. No. 261/1/80-ITJ) dated 9-10-1980 the Central Board of Direct Taxes, hereby directs that the Commissioner of Income-tax (Appeals) of the charges specified in column (1) of the Schedule below, shall perform their functions in respect of such persons assessed to income-tax or surtax or interest-tax in the Income-tax Wards, Circles, Districts and Ranges specified in the corresponding entities in columns (2) and column (3) thereof as are aggrieved by any of the orders mentioned in clause (a) to (h) of sub-section (2) of Section 246 of the Income-tax Act, 1961 in sub-section (1) of section II of Companies (profits) Surtax Act, 1964 (7 of 1974), and sub-section (1) of Section 15 of the Interest-tax Act, 1974 (45 of 1974) and also in respect of such persons or classes of persons as the Board has directed or may direct in future in accordance with the provisions of clause (i) of sub-section (2) of Section 246 of the Income-tax Act, 1961.

SCHEDULE

Charges with	Income-tax Ward/ Circle and Districts	Ranges of Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
1	2	3
1. Commissioner of Income-tax (Appeals)-I, Bombay	1. Companies Circle-I 2. Asstt. Circle-I 3. Professional Circle	1. I.A.C. (Asstt.)Range-I
2. Commissioner of Income-tax (Appeals)-II, Bombay	1. A-V ward 2. Film Circle 3. Foreign Companies Circle-II 4. Foreign Section	1. I.A.C., Foreign (Asstt.) Range-II

1	2	3
3. Commissioner of Income-tax (Appeals)-III, Bombay	1. A-I Ward 2. A-II Ward 3. A-IIIWard 4 A-IV Ward	
4. Commissioner of Income-tax (Appeals)-IV, Bombay	1. Companies Circle-II 2. Foreign Companies Circle-I 3 Assessment Circle-II 4 Asst. Circle-II A	1. IAC Foreign (Asstt.) Range-I 2. IAC (Asstt.), Range-II 3. IAC (Asst) Range-IIA
5 Commissioner of Income-tax (Appeals)-V, Bombay	1 Companies Circle-IV(1) to (11) 2. Asst. Circle-IV 3 Asst Circle-IVA	1. IAC(Asst) Range-IV & IVA
6. Commissioner of Income-tax (Appeals)-VI, Bombay	1 ITO Companies Circle-V (1) to (6) 2. 1st ITO Asst. Circle-V 3. 2nd ITO, Asst Circle-V 4 1st and 2nd ITO, Asst. Circle-VA	
7. Commissioner of Income-tax (Appeals)-VII, Bombay	1. Companies Circle-III(1) to (4) 2. ITO, Asst. Circle-III 3. ITO, Asst Circle-IIIA	1. IAC (Asst) Range-III 2. IAC (Asst) Range-III
8 Commissioner of Income-tax (Appeals)-VIII, Bombay	1 ITO, Companies CircleI-VI (1) to (6) 2 Asst. Circle-VI, VI(1) and VI(2) 3 Asst Circle-III 4 Companies Circle-III	1. IAC (Asst.) Range-VI 2. IAC (Asst) Range-VI
9 Commissioner of Income-tax (Appeals) IX, Bombay	1 D-I Ward 2. D-II Ward 3. C-IV Ward 4. Asst. Circle-VII 5. Asst. Circle-VIIA	1. IAC (Asst.) Range-VIII 2. IAC (Asst.) Range-VII
10. Commissioner of Income tax (Appeals)-X, Bombay	1. C-I Ward, 2. C-II Ward 3. C-III Ward 4. C-IV Ward 5. S.B.-I 6. S.B.-II 7. T.D.S.	
11. Commissioner of Income-tax (Appeals)-XI, Bombay	1. E-Ward 2. G-Ward 3. GA Ward 4. B S.D. (South) 5. Asst Circle-VIII 6. B D. (East) 7. B S.D. (West) 8. B.D. (North) 9. Survey I and II 10. Asst. Circle-IX 11. Hundi Circle 12. Spl. Jurisdiction	1. IAC(Asst) Survey Range-I 2. IAC (Asst) Survey Range-II
12. Commissioner of Income-tax (Appeals)-XII, Bombay	1. B-I 2. B-II Ward 3. B-III Ward	
13. Commissioner of Income-tax (Appeals)-XIII Bombay	1. Market Ward 2. Trust Circle.	
14. Commissioner of Income-tax (Appeals)-XIV, Bombay	1. ITO, Companies Circle V (7) to (11)	
15. Commissioner of Income-tax, (Appeals)-XV, Bombay	1. ITO, Companies Circle-III(5) to (8)	
16 Commissioner of Income-tax (Appeals)-XVI, Bombay	1. ITO, Companies Circle III (9) to (15)	

7. Commissioner of Income-tax (Appeals)-XVII, Bombay.	1. ITO, Companies Circle. VI(7) to (12)	
18. Commissioner of Income-tax (Appeals) Central-I, Bombay.	1. Central Circles I to XIV	1. IAC, Central Range-I 2. IAC, Central Range-II 3. IAC, Central Range-III
19. Commissioner of Income-tax (Appeals) Central-II Bombay.	1. Central Circles XV to XXVIII	1. IAC, Central Range-IV 2. IAC, Central Range-V 3. IAC, Central Range-VI
20. Commissioner of Income-tax (Appeals) Central-III Bombay.	1. Central Circles XXIX to XLII	1. IAC, Central Range-VII 2. IAC, Central Range-VIII 3. IAC, Central Range-IX

All appeals pending in the old charges hitherto designated as Commissioners (Appeals) XII and XIII will continue within the jurisdiction of the Commissioners (Appeals) Central-I and Central-II so newly designated.

Whereas an Income-tax Circle, Ward or district or part thereof stands transferred by this notification from one charge to another charge, appeals arising out of assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part there of and pending immediately before the date of this notification before the Commissioner of Income-tax (Appeals) of the charge from whom the Income-tax Circle, Ward or District or Range or part thereof is transferred shall from the date of this Notification takes effect,be transferred to and dealt with by the Commissioner of Income-tax (Appeals) of the Charge to whom the said Circle Ward or District or Range or part there of is transferred.

This Notification shall take effect from 1-12-1981.

[No. F. 4327 (F. No. 24/3/81)—ITJ]

AJAI SINGH, Under Secretary,
Central Board of Direct Taxes

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 1982

आयकर

का०आ० 1640.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी अर्थात् भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् ने नीचे उल्लिखित संस्था को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के प्रयोजनो के लिए अनुमोदित किया है।

संस्था

विश्व भारती, शाति निकेतन

यह अधिसूचना 1.4.1981 से 31.3.1983 तक दो वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी है।

[स० 4488(फा०सं० 203/68/81-आईटीए- II)]

(Department of Revenue)

New Delhi, the 25th February, 1982

INCOME TAX

S.O. 1640.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Agricultural Research, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961.

INSTITUTION

Visva Bharati, Santiniketan

This notification is effective for a period of two years from 1-4-1981 to 31-3-1983.

[No. 4488 (F. No. 203/68/81-II.A.D.)]

नई दिल्ली, 9 मार्च, 1982

आय-कर

का० आ० 1641.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए, यह अधिसूचित किया जाता है कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद नई दिल्ली ने निम्नलिखित वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रम आयकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ पठित आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (2क) के प्रयोजनो के लिए नीचे विनिर्दिष्ट अवधि के लिए अनुमोदित किया है।

1. वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रम का नाम	' भारत में होने वाले रोगो, विशेषकर आई० एच० डी० प्रमस्तिष्क संवह रोग और कैंसर के होने के बारे और अस्वस्थता और मृत्युदर पर जोखिम कारकों में रुपांतरण के प्रभाव का अनुदैर्ध्य अध्ययन "
2. आयोजन स्थल :	दी पूणे मैडिकल फाउंडेशन, रुबी हाल क्लीनिक, पुणे।
3. प्रायोजक का नाम :	1. मै० संघवी मैटल कं० शिवाजी नगर, पुणे-5 2. मै० बजाज आटो लि० आंर्डीकु पुणे-19 3. मै० बाबो टैपों लि० पुणे। 4. मै० भारत फोर्ज लि० मुंधवा, पुणे-1 5. मै० बैकी बोल्ड लि० पिंपरी, पुणे-18 6. मै० केमेट, ताज बिल्डिंग डा० डी० एन० रोड, मुम्बई-1 7. मै० वाडालिया आदर्श राजेन्द्र रोड, मनावदार, (गुजरात) और कुछ अन्य

4. परियोजना की अवधि : पांच वर्ष और छह: मास (5 1/2 वर्ष)।

(i) प्रारंभ की प्रस्तावित तारीख 21 नवंबर, 1981

(ii) समाप्ति की संभावित तारीख 20 मई, 1987

5. कुल प्राक्कलित व्यय 1,90,57,920.00

उपर्युक्त परियोजना निम्नलिखित शर्तों के अधीन अनुमोदित की जाएगी:

(1) यह कि प्रतिष्ठान प्राप्त राशियों का और इस अनुसंधान परियोजना पर उपगत राशियों का, पुणे मैडिकल फाउंडेशन, पुणे के अन्य व्यय से भिन्न, पृथक लेखा रखेगा।

(2) यह कि प्रतिष्ठान इस वैज्ञानिक अनुसंधान परियोजना की वार्षिक विवरणी परिषद् को प्रति वर्ष 31 मई, तक ऐसे प्ररूपों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकथित किए जाएं और उसे सूचित किए जाएं।

(3) यह कि प्रतिष्ठान लेखाओं का वार्षिक संपरीक्षित विवरण परिषद् को प्रति वर्ष 31 मई, तक भेजेगा और इसके अतिरिक्त इसकी एक प्रति संबद्ध आयकर आयुक्त को भेजेगा।

दी पुणे मैडिकल फाउंडेशन, पुणे वित्त मंत्रालय राजस्व विभाग की अधिसूचना सं० 511 (फा० सं० 203/57/73 आई टी० ए०-II) तारीख 4 दिसम्बर, 1973 द्वारा आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) (ii) के अधीन अनुमोदित है।

[सं० 4507 (फा० सं० 203/198/81-आई० टी० ए०II)]

एम० जी० सी० गोयल, अवर सचिव

New Delhi, the 9th March, 1982

INCOME TAX

S.O. 1641.—It is hereby notified for general information that the following scientific research programme has been approved for the period specified below for the purposes of sub-section (2A) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 by Indian Council of Medical Research, New Delhi.

1. Name of the Scientific Research Programme.	"Longitudinal Studies on the occurrence of diseases in India with Special reference to IHD Cerebro-vascular disease and Cancer and the influence of Modifications of risk factors on morbidity and mortality".
2. Sponsored at	The Poona Medical Foundation, Ruby Hall Clinic, Poona.
3. Sponsored by	1. M/s. Sanghvi Metal Co. Shivajinagar, Poona-5. 2. M/s. Bajaj Auto Ltd. Akurdi, Poona-19. 3. M/s. Bajau Tempo Ltd., Poona-19. 4. M/s. Bharat Forge Ltd. Mundhwa, Poona-1. 5. M/s. Backau Wold Ltd., Pimpri, Poona-18. 6. M/s. Chemet, Taj Building, 210, Dr. D.N. Road, Bombay-I. 7. M/s. Wadalia Brothers, Rajinder Road, Manavadar-(Gujarat) & Few others.
4. Duration of Project	Five and half years (5½ years).
(i) Proposed date of commencement.	21st November, 1981.
(ii) Anticipated date of completion.	20th May, 1987.
5. Total estimated expenditure.	Rs, 1,90,57,920.00 (Rupees One crore ninety lakhs fifty seven thousand and nine hundred & twenty only.)

The approval for the above project will be subject to the following conditions :

1. That the Foundation will maintain a separate account of the amounts received and expenditure incurred for this research project as distinct from the other expenditure of the Poona Medical Foundation, Poona.

2. That the Foundation will furnish annual returns of this scientific research project to the Council by 31st May each year at the latest in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose.

3. That the Foundation will furnish a copy of the annual audited statement of account to the Council by 31st May each year and in addition to send a copy of it to the concerned Income-tax Commissioner.

The Poona Medical Foundation, Poona has been approved under section 35(1)(ii) of the Income-tax Act, vide Ministry of Finance, Department of Revenue, Notification No. 511 (F. No. 203/57/73-ITA. II) dated the 4th December, 1973.

[No. 4507 (F. No. 203/198/81-ITA. II)]

M. G. C. GOYAL, Under Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

स्टाक एक्सचेंज प्रभाग

नई दिल्ली, 14 अप्रैल, 1982

का० आ० 1642.—भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 (1882 का 2) की धारा 20 के खण्ड (च) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार आवास विकास वित्त निगम लिमिटेड, बम्बई द्वारा, जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अंतर्गत एक निगमित कंपनी है, उपर्युक्त धारा के प्रयोजनों के लिए प्रतिभूति के रूप में जारी किए गए बांडों को एतद्द्वारा प्राधिकृत करती है।

[संख्या एल० 11(9) सी० सी० आई० (II)/80]

नीतीश कुमार सेनगुप्त, संयुक्त सचिव

(Department of Economic Affairs)

(Stock Exchange Division)

New Delhi, the 14th April, 1982

S.O. 1642.—In exercise of the powers conferred by clause (f) of section 20 of the Indian Trusts Act, 1882 (2 of 1882), the Central Government hereby authorises the bonds issued by the Housing Development Finance Corporation Limited, Bombay, a Company incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956); as a security for the purposes of the said section.

[No. S. 11(9)-CCI(II)/80]

N. K. SENGUPTA, Jt. Secy.

(राजस्व विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 16 अप्रैल, 1982

स्टाम्प

का० आ० 1643.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उस शुल्क को माफ करती है जो इंडस्ट्रियल रीकन्स्ट्रक्शन कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटिड, कलकत्ता द्वारा प्रोमिसरी नोटों के रूप में जारी किये जाने वाले मात्र चार करोड़ पंचानवें रुपये मूल्य के बंध पत्रों पर उक्त अधिनियम के अधीन प्रभार्य है।

[संख्या 16/82-स्टाम्प फा० सख्या 33/11/82-वि० क०]

(Department of Revenue)

ORDERS

New Delhi, the 16th April, 1982

STAMPS

S.O. 1643.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of promissory notes to the value of rupees four crores and ninetyfive lakhs only to be issued by the Industrial Reconstruction Corporation of India Limited, Calcutta are chargeable under the said Act.

[No. 16/82-Stamps F. No. 33/11/82-ST]

का० आ० 1644.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा गरवारे नाइलान लिमिटेड को, मात्र एक लाख इकतीस हजार दो सौ पचास रुपये के उस समेकित स्टाम्प शुल्क की अदायगी करने की अनुमति देती है, जो उक्त कम्पनी द्वारा ऋणपत्रों के रूप में जारी किये जाने वाले एक करोड़ पचहत्तर लाख रुपये के अंकित मूल्य के बंधपत्रों पर प्रभार्य है।

[संख्या 17/82-स्टाम्प फा० संख्या 33/14/82-वि० क०)]

भगवान दास, अवर सचिव

S.O. 1644.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the Garware Nylons Limited to pay consolidated stamp duty of one lakh thirtyone thousand two hundred fifty rupees only, chargeable on account of the stamp duty on bonds in the form of debentures of the face value of one crore seventyfive lakhs of rupees to be issued by the said company.

[No. 17/82-Stamps—F. No. 33/14/82-ST]

BHAGWAN DAS, Under Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 17 अप्रैल, 1982

का० आ० 1645.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1980 के खण्ड 8 के उपखंड (1) के साथ पठित खंड 3 के उपखंड (क) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् श्री के० गोपाल कृष्णमूर्ति को 17 अप्रैल, 1982 से आरम्भ होने वाली और 23 सितम्बर, 1984 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए आंध्र बैंक के प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त करती है ।

[संख्या एफ० 9/13/82-बी० ओ०-1 (1)]

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 17th April, 1982

S.O. 1645.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3, read with sub-clause (1) of clause 8, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme 1980, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri K. Gopalakrishna Murthy, as the Managing Director of the Andhra Bank for a period commencing on 17th April, 1982 and ending with 23rd September, 1984.

[No. F. 9/13/82-BO.I(1)]

का० आ० 1646.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1980 के खण्ड 7 के साथ पठित खण्ड 5 के उपखण्ड (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् श्री के० गोपाल कृष्ण मूर्ति को, जिन्हें 17 अप्रैल, 1982 से आंध्र बैंक के प्रबन्ध निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है, उसी तारीख से आंध्र बैंक के निदेशक बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है ।

[सं० एफ० 9/13/82-बी० ओ०-1(2)]

S.O. 1646.—In pursuance of sub-clause (1) of clause 5, read with clause 7, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1980, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri K. Gopalakrishna Murthy, who has been appointed as Managing Director of Andhra Bank with effect from 17th April, 1982 to be the Chairman of the Board of Directors of the Andhra Bank with effect from the same date.

[No. F. 9/13/82-BO.I(2)]

का०आ०1647.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम, 1970 के खंड 8 के उपखंड (1) के साथ पठित खण्ड 3 के उपखंड (क) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् श्री ओ० स्वामीनाथ रेड्डी को 1 मई, 1982 से आरम्भ होने वाली और 30 अप्रैल, 1985 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए यूनाइटेड बैंक आफ इंडिया के प्रबन्ध निदेशक के रूप मे नियुक्त करती है ।

[सं० एफ० 9/43/81-बी० ओ०-1(1)]

S.O. 1647.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3, read with sub-clause (1) of clause 8, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri O. Swaminatha Reddy as the Managing Director of the United Bank of India for a period commencing on 1st May, 1982 and ending with 30th April, 1985.

[No. F. 9/43/81-BO.I(1)]

का०आ०1648.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम, 1970 के खंड 7 के साथ पठित खण्ड 5 के उपखण्ड (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् श्री ओ० स्वामीनाथ रेड्डी को, जिन्हें 1 मई, 1982 से यूनाइटेड बैंक आफ इंडिया के प्रबन्ध निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है, उस तारीख से यूनाइटेड बैंक आफ इंडिया के निदेशक बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है ।

[संख्या एफ० 9/43/81-बी० ओ०-1 (2)]

S.O. 1648.—In pursuance of sub-clause 1 of clause 5, read with clause 7, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri O. Swaminatha Reddy who has been appointed as Managing Director of the United Bank of India with effect from 1st May, 1982 to be the Chairman of the Board of Directors of the United Bank of India with effect from the same date.

[No. F. 9/43/81-BO.I(2)]

का० आ० 1649.—यतः राष्ट्रीयकृत बैंक, आंध्र बैंक के निदेशक मण्डल का गठन राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1980 के खण्ड 3 के अधीन किया जा चुका है।

अतः अब उक्त स्कीम के खंड 4 के अनुसरण में, एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि आंध्र बैंक के अभिरक्षक (कस्टोडियन) जो कि निदेशक मंडल के गठन से ठीक पहले उक्त हैसियत में पदासीन थे, तत्काल प्रभावी रूप से उक्त पद पर नहीं रहे।

[संख्या एफ० 9/39/81-बी०ओ०-1 (2)]

सी० डब्ल्यु मीरचन्दानी उप सचिव

S.O. 1649.—Whereas the Board of Directors of Andhra Bank, a nationalised bank, has been constituted under clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1980;

Now, therefore, it is hereby notified in pursuance of clause 4 of the said Scheme that the Custodian of Andhra Bank, holding office as such immediately before the constitution of the Board, has ceased to hold such office with immediate effect.

[No. F. 9/39/81-BO. I (2)]

C. W. MIRCHANDANI

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1982

का० आ० 1650.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 9 के उपबन्ध इस अधिसूचना के भारत के राजपत्र में प्रकाशित होने तारीख से, 28 फरवरी, 1983 तक की अवधि के लिए सिरसी अर्बन को-आपरेटिव बैंक लि० सिरसी पर वहां तक लागू नहीं होंगे जहां तक इनका सम्बन्ध इस बैंक द्वारा हेबरी और बुदल (सिरसी तालुका) होनावर (होनावर तालुका) (और अघनाशिनी, कागल, हेब्बनगिरी, बडा गांव, गुडीनगडी और होलनगड्डे गांव (कुमटा तालुका) में स्थित जमीन जायदाद की धारिता से है।

[संख्या एफ० 8(25)/80-ए० सी०]

राम बेहरा, अवर सचिव

New Delhi, the 19th April, 1982

S.O. 1650.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, herby declares that the provisions of Section 9 of the said Act shall not apply to the Sirsi Urban Co-operative Bank Ltd., Sirsi so far as they relate to its holding of a landed property viz. located at Hebre and Bundal (Sirsi Taluka) Honavar (Honavar Taluka) and Aghanashini, Kagal; Hebbangeri, Baada village, Gudeanagadi and Holangadde (Kumta Taluka), for the period from the date of publication of this notification in the Gazette of India to 28 February, 1983.

[No. 8-25/80-AC]

RAAM BEHRA, Under Secv.

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1982

का०आ० 1651.—यतः, बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 45 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा उसके अनुसार केन्द्रीय सरकार ने बैंक आफ बिहार, लिमिटेड पटना के भारतीय स्टेट बैंक के साथ विलय के लिए 5 नवम्बर, 1969 को एक योजना मंजूर की थी।

यतः, उक्त योजना के खंड 6 के उपखंड (ix) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा बिहार बैंक लिमिटेड की परिसम्पत्तियों का अन्तिम रूप से मूल्यांकन अपेक्षित था, जोकि नियत तारीख से बारह वर्षों की समाप्ति के पश्चात, नियत तारीख को अनन्तिम रूप से मूल्यांकित कर लिया गया है।

यतः, भारतीय स्टेट बैंक ने यह अभ्यावेदन किया है कि बड़ी संख्या में परिसम्पत्तियां अन्तर्ग्रस्त होने और बैंक के प्रयासों के बावजूद अधिकांश मदों की वसूलियां अभी बाकी होने के कारण बैंक, विलय योजना के खण्ड 6 के उपखंड (ix) में विनिर्दिष्ट समय के भीतर परिसम्पत्तियों का अंतिम रूप से मूल्यांकन करने में असमर्थ रहा है।

और यतः, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने पर इस बात से संतुष्ट है कि विलय योजना को लागू करने में कठिनाई पैदा हो गई है और उतना समय बढ़ा कर जितने में परिसम्पत्तियों का अन्तिम रूप से मूल्यांकन अपेक्षित है, उक्त कठिनाई को दूर करना जरूरी है।

अतः, अब बैंक आफ बिहार लिमिटेड, पटना का भारतीय स्टेट बैंक के साथ विलय की 5 नवम्बर, 1969 की विलय योजना के खंड 20 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निदेश देती है कि भारतीय स्टेट बैंक, भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से तथा उसके अनुमोदन से बैंक आफ बिहार लिमिटेड की उन परिसम्पत्तियों का, जिनकी वसूली और मूल्यांकन नहीं हुआ है, नियत तारीख से चौदह वर्षों की अवधि के भीतर मूल्यांकन करेगा।

[संख्या 17/7/81-बी०ओ०-III]

एन० डी० बत्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 19th April, 1982

S.O. 1651.—Whereas on 5th November, 1969 a scheme of amalgamation of the Bank of Behar Limited Patna with the State Bank of India was sanctioned by the Central Government in exercise of the powers conferred by and in accordance with Section 45 of the Banking Regulation Act, 1949.

Whereas under sub-clause (ix) of clause 6 of the said scheme the State Bank of India was required to make a final valuation of the assets of the Bank of Behar Limited which have been provisionally valued on the prescribed date, on the expiry of twelve years from the prescribed date

Whereas the State Bank of India has represented that in view of the large number of assets involved and the recovery of most of the items yet to be realised in spite of its efforts, it has not been able to make the final valuation within the time specified in sub-clause (ix) of clause 6 of the scheme of amalgamation.

And whereas the Central Government in consultation with the Reserve Bank of India is satisfied that a difficulty has arisen in giving effect to the scheme of amalgamation which it is necessary to remove by extending the time within which the final valuation of assets is required to be made.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause 20 of the scheme of amalgamation dated 5th November, 1969 of the Bank of Behar Limited, Patna with the State Bank of India, the Central Government hereby directs that the State Bank of India shall in consultation with and with the approval of the Reserve Bank of India value of the assets of the Bank of Behar Ltd. Patna, which have not been realised and valued, within a period of fourteen years from the prescribed date

[No. 17/7/81-B.O III]

N. D. BATRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 अप्रैल, 1982

का० आ० 1652.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्द्वारा घोषित करती है कि उपर्युक्त अधिनियम की धारा 31 और बैंककारी विनियमन (सहकारी समितियां) नियम, 1966 के नियम 10 के उपबंध औरंगाबाद पीपुल्स को-आपरेटिव बैंक लि० पर उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक कि उनका संबंध लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट के साथ 30 जून, 1981 को समाप्त होने वाले वर्ष के उसके तुलन-पत्र और लाभ-हानि लेखे के समाचार पत्र में प्रकाशन से है।

[सं० 8-15/81-ए०सी०]

राम बेहरा, अवर सचिव

New Delhi, the 20th April, 1982

S.O. 1652.—In exercise of the powers conferred by Section 53, read with Section 56 of the Banking Rgulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declaters that the provisions of Section 31 of the said Act read with Rule 10 of the Banking Regulation (Co-operative Societies) Rules, 1966 shall not apply to the Aurangabad Peoples Co-operative Bank Ltd. so far as they relate to the publication of its balance sheet and profit and loss account for the year ended the 30th June, 1981 together with the auditor's report in a newspaper.

[No. 8-15/81-AC]

RAAM BEHRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1982

का० आ० 1653.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिये प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में संलग्न अनुबन्ध में सूचीबद्ध बैंकों की शाखाओं को, जिनके कर्मचारीवृन्द ने हिन्दी का कार्य साधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है।

[संख्या ई०-11017/2/82-हिन्दी]

विनोद प्रकाश साहनी, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 23rd April, 1982

S.O. 1653.—In pursuance of sub-rule 4 of the 10 of the Official Language (use for official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the branches of the banks listed in the attached Annexure, the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi.

[No. E-11017/2/82-Hindi]

V. P. SAWHNEY, Jt. Secy

अनुबन्ध

सेंट्रल बैंक आफ इंडिया

1. उत्तर प्रदेश

1. हरदुआगंज
पिन 202125
जि० अलीगढ़

2. जट्टारी
पिन 202137
जि० अलीगढ़

3. भाग्य नगर
जि० इटावा

4. आमापुर
पिन 207241
जि० इटावा

5. बाद
मथुरा आयल रिफायनरी के पास
बाद, पिन 281001
जि० मथुरा

6. इगलास
तहसील रोड
इगलास 202124
जिला अलीगढ़

7. छर्रा
पिन 202130
जिला अलीगढ़

APPENDIX

CENTRAI BANK OF INDIA

Uttar Pradesh

1. Hardua Gang
Pin Code 202125
District Aligarh

2. Jattari
Pin Code 202137
District Aligarh

3. Bhagya Nagar
District Etawah

4. Amapur
Pin 207241
District-Etawah

5. Bad Near Mathura Oil Refinery
Bad, Pin 281001
District Mathura

6. Iglas
Tehsil Road
Iglas, Pin 202124
District Aligarh

7. Chhara
Pin 202130
District Aligarh

8. फतेहपुर सीकरी
कलार गली, पिन 283110
जिला आगरा

9 कंचौसी बाजार
जिला इटावा

10. मुरादगंज
पिन 206129
जिला इटावा

11. खानपुर (उ०प्र०)
सेवर पार्क के सामने
खानपुर मार्ग
पोस्ट : औरैया,
जिला इटावा

12 बकेवर
पिन 206124
जिला इटावा

13. इकदिल
जिला इटावा

14. पिलखुआ,
जवाहर बाजार,
पिलखुआ 245304
जिला गाजियाबाद

15. हरिद्वार
पो० बा० 27
रेलवे मार्ग
पिन 249401
जिला सहारनपुर

16 सेहानी
मेरठ रोड
पोस्ट सेहानी
पिन 201001
जिला गाजियाबाद

17 शाहजहांपुर
ग्राम व डा० शाहजहांपुर
पिन 250104
जिला मेरठ

18 भोपा
पिन 251308
जिला मुजफ्फरनगर

19. शाहपुर (उ०प्र०)
पिन 251318
जिला मुजफ्फरनगर

20. छत्तारी
जिला बुलन्दशहर

21. गढ़ मुक्तेश्वर
मण्डी जवाहर गंज
पिन 245205
जिला गाजियाबाद

22. बुलन्दशहर
129, मुंशीपाड़ा
अंसारी रोड
बुलन्दशहर : 203001
जिला बुलन्दशहर

8. Fetehpur Sikri
Kalargali Pin 283110
District Agra

9. Kanchausi Bazar
District Etawah

10. Muradganj
Pin 206129
District Etawah

11. Khanpur (U.P.)
Opp-Sewar Park
At Khanpur
Post Auraiya
District Etawah

12. Bakewar
Pin 206124
District Etawah

13. Ekdil
District Etawah

14. Pilkhuwa
Jawahar Bazar,
Pilkhuwa 245304
District Ghaziabad

15. Haridwar
P.B. No. 27
Railway Road
Pin 249401
District Saharanpur

16. Sehani
Meerut Road,
P.O. Sehani
Pin 201001
Distt. Ghaziabad

17. Shajahanpur
Vill. & P.O. Shajahanpur
Pin 250104
District Meerut

18. Bhopa
Pin 251308
District Muzaffarnagar

19. Shahpur (U.P.)
Pin 251318
District Muzaffarnagar

20. Chhattari
District Bulandshahar

21. Garmukteshwar
Mandi Jawahar Ganj
Pin 245205
District Ghaziabad

22. Bulandshahar
129, Munshipada
Ansari Road
Bulandshahar 203001
District Bulandshahar

23 पंडित वाड़ी
बस स्टैंड के सामने
चकराता रोड, पंडितवाड़ी
पोस्ट : प्रेम नगर 248007
जिला देहरादून

24 सल्यूकी
ग्राम व डा० सल्यूकी
जिला देहरादून

25 मुट्ठीगंज, इलाहाबाद
333, मुट्ठीगंज
इलाहाबाद 211003

26. रानीगंज
ग्राम रानीगंज
रेलवे स्टेशन दाऊदपुर
जिला प्रतापगढ़

27 चिल्काहार
ग्राम व डाक चिल्काहार
जिला बलिया

28. सारनाथ, वाराणसी
जिला वाराणसी
उ० प्र०

29. गंगापुर
पोस्ट : गंगापुर
जिला वाराणसी

30. बिशेश्वर गंज
पोस्ट व ब्लौक बिशेश्वर गंज-271821
तहसील : बहराइच
जिला : बहराइच

31. इब्राहीम पट्टी
ग्राम व पोस्ट : इब्राहीम पट्टी
जिला बलिया

32. सोहांव
ग्राम व डाक : सोहांव
जिला बलिया

33. रेवती
जिला बलिया

34 मंगारी बाजार
मातादीन अग्रवाल का मकान
बाबतपुर
मंगारी 221202
जिला वाराणसी

35. नगरा
जिला बलिया

36. उन्नाव
मोतीनगर
उन्नाव 209801
जिला उन्नाव

37. ग्वालियर रोड, झांसी
बुंदेलखण्ड डिग्री कालेज परिसर में
ग्वालियर रोड
झांसी 474006
जिला झांसी

23. Panditwari
Opp. to Bus Stand
Chakrata Road, Panditwari
Post Prem Nagar 248007
District Dehradun

24. Selakui
Vill. & Post Selakui
District Dehradun

25. Muthiganj, Allahabad
333, Muthiganj
Allahabad-211003

26. Raniganj
Vill. Raniganj
Rly. Station Daudpur
District Partapgarh

27. Chilkahar
Vill. & Post Chilkahar
District Ballia

28. Sarnath, Varanasi
District Varanasi, U.P.

29. Gangapur
P.O. Gangapur
District Varanasi

30. Bisheshwar Ganj
Post & Block Bisheshwar Ganj-271821
Tehsil-Bahraich
District Bahraich

31. Ibrahim Patti
Vill. & Post-Ibrahimpatti
District Ballia

32. Sohaon
Village & Post Sohaon
District-Ballia

33. Reoti
District Ballia

34. Mangari Bazar
Bldg. of Shri Mata Din Agrawal
Babatpur
Mangri 221202
District Varanasi

35. Nagra
District Ballia

36. Unnao
Motinagar
Unnao 209801
District Unnao

37. Gwalior Road, Jhansi
Inside the Premises of
Bundelkhand Degree College
Gwalior Road
Jhansi 474006
Jhansi (District)

38. नरहट
नरहट 284406
जिला ललितपुर

39. गुरसराय
ग्राम गुरसराय 284202
जिला झांसी

40. रसुलाबाद
ग्राम रसुलाबाद 241553
जिला कानपुर

41. सरसौल
ग्राम सरसौल 209402
जिला कानपुर

42. बड़ागांव
श्री हरप्रसाद पचौरी भवन,
ट्रस्ट भवन
बड़ागांव 284121
जिला झांसी

43. बरुआसागर
ग्राम बरुआसागर 284201
जिला झांसी

44. चिरगांव
ग्राम चिरगांव
जिला झांसी

45. बिठूर
ग्राम बिठूर
रेलवे स्टेशन ब्रम्हवर्त
(पूर्वोत्तर रेलवे) 209201
जिला कानपुर

46. चौबेपुर
जी० टी० रोड़
ग्राम चौबेपुर 209203
जिला कानपुर

47. पाण्डुनगर
431/48-एच, पाण्डुनगर
कानपुर 208025
जिला कानपुर

48. पनकी
पनकी पावरहाउस कालोनी
डाक : पन की पावर हाउस
कानपुर 208020
जिला कानपुर

49. सचेंडी
डाक : सचेंडी, 209304
जिला कानपुर

50. मौरावा
ग्राम मारौवा 209821
जिला उन्नाव

51. सुभाष मार्ग लखनऊ
86, सुभाष मार्ग
लखनऊ 226003

52. चौक, लखनऊ
कमला नेहरू मार्ग
चौक, लखनऊ-3

38. Narhat
Narhat-284406
District Lalitpur

39. Gursarai
Vill. Gursarai 284202
District Jhansi

40. Rasulabad
Vill. Rasulabad 241503
District Kanpur

41. Sarsaul
Vill. Sarsaul 209402
District Kanpur

42. Baragaon
Shri Har Prasad Pachoriya
Bhavan Trust Building
Baragaon 284201
District Jhansi

43. Baruasagar
Vill. Baruasagar 284201
District Jhansi

44. Chirgaon
Village Chirgaon
District Jhansi

45. Bit hoor
Vill. Bithoor
Railway Station Brahmavart
(N.E. Rly.)—209201
District Kanpur

46. Chaubepur
G.T. Road
Vill. Choubepur 209203
District Kanpur

47. Pandunagar
431/48-H, Pandunagar
Kanpur 208025
District Kanpur

48. Panki
Panki Power House Colony
P.O. Panki Power House
Kanpur 208020
District Kanpur

49. Sachendi
P.O. Sanchendi, 209304
District Kanpur

50. Mauranwan
Vill.—Mauranwan 209821
District Unnao

51. Subhash Marg, Lucknow
86, Subhash Marg
Lucknow 226003

52. Chowk, Lucknow
Kamla Nehru Marg
Chowk, Lucknow-3

53. विवेकानन्द पौलीक्लीनिक, लखनऊ
विवेकानन्द पुरम, लखनऊ

54. दरियाबाद
ग्राम : दरियाबाद-225403
जिला बाराबंकी

55. बुढ़वल
बुढ़वल चीनी मिल क्षेत्र
बुढ़वल रेलवे स्टेशन
पोस्ट बुढ़वल-225202
जिला बाराबंकी

56. बाराबंकी
537, रसूलपुर
बाराबंकी-225001
जिला बाराबंकी

57. बक्शी का तालाब
जिला लखनऊ

58. तिकुनिया
जिला खीरी

59. हरदोई
रेलवे गंज
हरदोई-241001
जिला हरदोई

60 पीलीभीत
राजा राधारमन रोड
पीलीभीत-262001
जिला पीलीभीत

61. कोसी बाजार
कोसी बाजार
पोस्ट हवलबाग
जिला अलमोड़ा

62. ठाकुर द्वारा
पुलिस थाने के सामने
जिला मुरादाबाद

63 गरमपानी
बरेली अलमोड़ा मार्ग
जिला नैनीताल

64. मीरगंज
जिला बरेली

65. पुरा बहादुर
ग्राम व डाक-पुरा बहादुर
तहसील-हरदोई
जिला हरदोई

66. राम नगर
नन्दा लाइन
रामनगर
जिला नैनीताल

67. बिलासपुर
नैनीताल रोड
पुराना बिलासपुर
जिला रामपुर

68. बस्ती
चौधरी निवास
पाण्डे नगर
पुरानी बस्ती
बस्ती-272001
जिला बस्ती

53. Vivekanand Polyclinic, Lucknow
Vivekanandpuram,
Lucknow

54. Dariyabad
Vill. Dariabad 225403
District Barabanki

55. Burhwal
Burhwal Sugar Mill Area
Burhwal Railway Station
P.O. Burhwal 225202
District Barabanki

56. Barabanki
537, Rasoolpur
Barabanki-225001
District Barabanki

57. Bakshi Ka Talab
District Lucknow

58. Tikunia
District Kheri

59. Hardoi
Railwayganj
Hardoi-241001
District Hardoi

60. Pilibhit
Raja Radharaman Road,
Pilibhit-262201
District Pilibhit

61. Kosi Bazar
Kosi Bazar
P.O. Hawalbagh
District Almora

62. Thakurdwara
Opp. Police Thana
District Muradabad

63. Garampani
Bareilly Almora Marg
District Nainital

64. Meer Ganj
District Bareilly

65. Pura Bahadur
Vill. & P.O. Pura Bahadur
Tehsil Hardoi
District Hardoi

66. Ram Nagar
Nanda Line
Ram Nagar
District Nainital

67. Bilaspur
Nainital Road
Juna Bilaspur
District Rampur

68. Basti
Chaudhari Niwas
Pandey Nagar
Purani Basti,
Basti-272001
District Basti

69. पयागपुर
पयागपुर-271071
जिला बहराइच

70. मिठौरा
ग्राम व डाक : मिठौरा बाजार
तहसील-महाराज गंज
जिला गोरखपुर

71. पडरौना
जिला देवरिया

72. गन्हासांड
(सहजनवा)
डाक : सहजनवा
ग्राम : गन्हासांड-272209
जिला गोरखपुर

73. कसया
जिला देवरिया

74. कप्तानगंज
जिला देवरिया

75. कटेहरी
ग्राम : कटेहरी-224151
जिला फैजाबाद

76. गोसाईगंज
पोस्ट ग्राम-गोसाईगंज
जिला फैजाबाद

77. गोंडा
डाक : बारगांव-171001
जिला गोंडा

हरियाणा

78. खाण्डा
पोस्ट : खाण्डा
जिला सोनीपत

79. रसोई
एटलस आटो साइकिल इण्डस्ट्रीज
जी० टी० रोड
ग्राम— रसोई
जिला सोनीपत

80. मुढाल
ग्राम व डाक : मुढाल-125041
जिला भिवानी

81. चण्डोली
पानीपत बरसात रोड
तहसील – पानीपत
जिला करनाल

82. गढोली
पोस्ट—सढौरा
तहसील : नरायणगढ
जिला अम्बाला

83. रत्तेवाली
तहसील : नरायणगढ
जिला अम्बाला

हिमाचल प्रदेश

84. ऊना
छोटा मनी बाजार
ऊना-174303
जिला ऊना

69. Payagpur
Payagpur-271071
District Bahraich

70. Mithaura
Vill. & P.O. Mithaura Bazar
Teh. Maharaj Ganj
District Gorakhpur

71. Padrauna
District Deoria

72. Ganhasand
(Sahjanwa)
P.O. Sahjanwa
Vill. Ganhasand-272209
District Gorakhpur

73. Kasia
District Deoria

74. Kaptanganj
District Deoria

75. Katehari
Vill. Katehari-224151
District Faizabad

76. Gosai ganj
P.O. Gosaiganj
District Faizabad

77. Gonda
P.O. Bargaon-171001
District Gonda

HARYANA

78. Khanda
P.O. Khanda
District Sonepat

79. Rasoi
Atlas Auto Cycle Industries
G.T. Road,
Vill. Rasoi
District Sonepat

80. Mundhal
Vill. & P.O. Mundhal-125041
District Bhiwani

81. Chandoli
Panipat Barsat Road
Tehsil—Panipat
District Karnal

82. Gadhauli
P.O. Sadhaura
Tehsil—Naraingarh
District Ambala

83. Rattewali
Tehsil Naraingarh
District Ambala

HIMACHAL PRADESH

84. Una
Lower Mani Bazar
Una-174303
District Una

85. नदौन
जसेरी बाजारा
नदौन 177033
जिला हमीरपुर

86. खासयौल
सदर बाजार
पोस्ट : यौल कैम्प
खासयौल 176052
जिला कांगरा

नई दिल्ली

87. महरौली
महरौली बस स्टैंड के पास
VI, 963, महरौली
नई दिल्ली-110030

88. कड़कड़डूमा
गांव कड़कड़डूमा
पोस्ट : शकरपुर
देहली-110092

89. मित्राव
धनसा रोड़
ग्राम व पोस्ट : मित्राव
नई दिल्ली-110043

90. नांगल देवत, नई दिल्ली
ग्राम नांगल देवत
गुड़गांव रोड-110037

91 बदरपुर, नई दिल्ली
150, बदरपुर मथुरा रोड
नई दिल्ली-110044

राजस्थान

92. इन्द्रप्रस्थ इन्डस्ट्रीयल एरिया, कोटा
इन्द्रप्रस्थ इन्डस्ट्रीयल एरिया
कोटा-324005
जिला कोटा

93. विज्ञाननगर, कोटा
2के-29, विज्ञान नगर
कोटा 324005
जिला कोटा

94. तारज ग्राम व पोस्ट : तारज
जिला झालावाड़

मध्य प्रदेश

95 अमझोर
पोस्ट : अमझोर
जिला शाहडोल

96. जैतपुर
पोस्ट : जैतपुर
जिला शाहडोल
मध्य प्रदेश

97. लखनपुर
तहसील : अम्बिकापुर
जिला सरगुजा

98. रामानुज नगर
पोस्ट : रामानुज नगर (श्री नगर)
तहसील : सूरजपुर
जिला सरगुजा

85. Nadaun
Jaseri Bazar
Nadaun-177033
District Hamirpur

86. Khasyal
Sadar Bazar
P.O. Yol Camp
Khasyol 176052
District-Khangara

NEW DELHI

87. Mehrauli
Adjacent to Mehrauli Bus stand
VI, 963, Mehrauli
New Delhi-110030

88. Karkardooma
Vill. Karkardooma
P.O. Shekarpur
Delhi-110092

89. Mittraw
Dhansa Road
Vill. & P.O. Mittraw
New Delhi-110043

90. Nangal Dewat, New Delhi
Vill. Nangal Dewat
Gurgaon Road-110037

91. Badarpur, New Delhi
150, Badarpur Mathura Road,
New Delhi-110044

RAJASTHAN

92. Indraprastha Industrial Area, Kotah
Indraprastha Industrial Area Kotah-324005
District Kotah

93. Vigyan Nagar, Kotah
2 K-29. Vigyan Nagar
Kotah-324005
District Kotah

94. Tarej
Vill. & Post Tarej
District Jhalawar

MADHYA PRADESH

95. Amjhor
P.O. Amjhor
District Shahdol

96. Jaitpur
P.O. Jaitpur
District Shahdol
Madhya Pradesh

97. Lakhanpur
Tehsil—Ambikapur
District Surguja

98. Ramanuj Nagar
P.O. Ramanauj Nagar (Srinagar)
Tehsil Surajpur
District Surguja

99. खड़गवां
पोस्ट : खड़गवां
तहसील : मानेन्द्रगढ़
जिला सरगुजा

100. नर्बदापुर
पोस्ट : नर्बदापुर 497111
तहसील : सीतापुर
जिला सरगुजा

101. सोनहट
पोस्ट : सोनहट
तहसील : बैकुंठपुर
जिला सरगुजा

102. बागबहार
बाग बहार, ब्लाक पथलगांव
तहसील : धर्मजयगढ़
जिला रायगढ़

103. बजाग
पोस्ट : बजाग
तहसील : डिंडोरी
जिला मण्डला

104. बम्हनी बंजर
पोस्ट : बम्हनी बंजर-481771
जिला मंडला

105. बेलार
पोस्ट : बेलार
तहसील : जगदलपुर
ब्लाक लोहंडीगुड़ा
जिला बस्तर

106. चाबी
चाबी
ब्लाक महागांव
तहसील व जिला : मंडला

107. घरघोडा
पोस्ट : घरघोडा 496111
जिला रायगढ़

108. घुघरी
पोस्ट घुघरी
जिला मण्डला

109. हिरवेनगर
पोस्ट : हिरवे नगर
जिला मण्डला

110. कोतबा
पोस्ट : कोतबा
तहसील : धर्मजयगढ़
जिला रायगढ़

111. लालबर्रा
पोस्ट : लालबर्रा 481441
जिला बालाघाट

112. लांजी
राजेगांव रोड
पोस्ट लांजी
जिला बालाघाट

99. Khadgawan
P.O. Khadagawan
Tehsil—Manendragarh
District Sarguja

100. Narbadapur
P.O. Narbadapur-497111
Tehsil—Sitapur
District Surguja

101. Sonhat
P.O. Sonhat
Tehsil Baikunthpur
District Surguja

102. Bag Bahar
Bag Bahar, Block Pathalgaon
Tehsil—Dharmajaigarh
District Raigarh

103. Bajag
P.O. Bajag
Tehsil Dindori
District Mandla

104. Bamhani Banjar
P.O. Bamhani Banjar 481771
District Mandla

105. Belar
P.O. Belar
Tehsil—Jagdalpur
Block Lohandiguda
District Bastar

106. Chabi
Chabi
Block Mohagaon
Tehsil & District Mandla

107. Gharghoda
P.O. Gharghoda 496111
District Raigarh

108. Ghugri
P.O. Ghugri
District Mandla

109. Hirdenagar
P.O. Hirdenagar
District Mandla

110. Kotba
P.O. Kotba
Tehsil—Dharmajaigarh
District Raigarh

111. Lalburra
P.O. Lalburra 481441
District Balaghat

112. Lanji
Rajegaon Road
P.O. Lanji
District Balaghat

113. महकेपार
महकेपार
ब्लाक कटंगी
तहसील वारासेवनी
जिला बालाघाट

114. महेदवानी
पोस्ट महेदवानी
जिला मण्डला

115. मवाई
पोस्ट मवाई
जिला मण्डला

116. मोहगांव (धपेरा)
मोहगांव
ब्लॉक लालबर्रा
तहसील वारासेवनी
जिला बालाघाट

117. मोहगांव (मण्डला)
पोस्ट मोहगांव
जिला मण्डला

118 नैनपुर
पोस्ट नैनपुर
जिला मण्डला

119. पत्थलगांव
पत्थलगांव 496118
जिला रायगढ़

120. पिंडरई
पोस्ट पिंडरई
जिला मण्डला

121. राजेगांव
राजेगांव
ब्लाक किरनापुर
तहसील व जिला बालाघाट

122. सराईपाली
पोस्ट सराईपाली 493558
जिला रायपुर

123 तिरोडी
पोस्ट तिरोडी
जिला बालाघाट

124 वारासेवनी
पोस्ट वारासेवनी
जिला बालाघाट

125. बिछिया
श्री गुरुबक्श सिंह का मकान
पोस्ट भुआ बिछिया 481995
जिला मण्डला

126. गडासराय
ब्लाक बजाग
तहसील डिंडोरी
जिला मण्डला

113. Mahakepar
Mahakepar
Block Katangi
Tehsil Varaseoni
District Balaghat.

114. Mahedwani
P.O. Mahedwani
District Mandla.

115. Mawai
P.O. Mawai
District Mandla.

116. Mohgaon (Dhapera)
Mohgaon
Block Lalburra
Tehsil—Varaseoni
District Balaghat.

117. Mohgaon
P.O. Mohgaon
District Mandla.

118. Nainpur
P.O. Nainpur
District Mandla.

119. Pathalgaon
Pathalgaon 496118
District Raigarh.

120. Pindrai
P.O. Pindrai
District Mandla.

121. Rajegaon
Rajegaon
Block Kirnapur
Tehsil & District Balaghat.

122. Saraipali
P.O. Saraipali 493558
District Raipur.

123. Tirodi
Post Tirodi
District Balaghat.

124. Varaseoni
Post Varaseoni
District Balaghat.

125. Bichhiya
Shri Gugubaksh Singh's House
P.O. Bhua Bichhiya 481995
District Mandla.

126. Gadasarai
Block Bajag
Tehsil Dindori
District Mandla.

बैंक आफ महाराष्ट्र/

1. खेड़ीसावली गढ़ शाखा
डाकघर खेड़ी सावलीगढ़
जिला बैतुल
मध्य प्रदेश राज्य

2. खलघाट शाखा
बम्बई-आगरा मार्ग
डाकघर खलघाट
जिला धार, मध्य प्रदेश राज्य

3. परासिया शाखा
डाकघर परसिया
जिला छिंदवाड़
मध्य प्रदेश राज्य

4. राजोद शाखा
तहसील सरदारपुर
जिला धार, मध्य प्रदेश राज्य

5 गंडाई शाखा
डाकघर गंडाई
तहसील कैरागढ़
जिला राजनन्दगांव
मध्य प्रदेश राज्य

स्टेट बैंक आफ सौराष्ट्र

कानपुर

1. स्टेट बैंक आफ सौराष्ट्र
93/145-146-नई सड़क
मूल गंज चौराहा,
कानपुर (उत्तर प्रदेश)

इंदौर

स्टेट बैंक आफ सौराष्ट्र
लोहार पंच
चंपा बाग ऐसोसियेशन का मकान
सियागंज 22, जवाहर मार्ग,
इंदौर (मध्य प्रदेश)

जयपुर

स्टेट बैंक आफ सौराष्ट्र
खंडाका मेन्सन
राजमंदिर के पास
जयपुर (राजस्थान)

नई दिल्ली

स्टेट बैंक आफ सौराष्ट्र
दीपक बिल्डिंग सं० 13,
नेहरू प्लेस
नई दिल्ली

इंडियन ओवरसीज बैंक

1. इंडियन ओवरसीज बैंक
गोवर्धन रोड
अरिंग-281501
मथुरा जिला
उत्तर प्रदेश

BANK OF MAHARASHTRA

1. Dhedi Sawaligarh, Branch
Post Office-Khedi Sawligarh
District, Betul, Madhya Pradesh.

2. Khalghat Branch
Bombay-Agra Road
Post Office, Khalghat
District Dhar,
Madhya Pradesh.

3. Parasia Branch
Post Office Parasia
District Chhindawara,
M.P.

4. Rajod Branch
Tehsil Sardarpur
District, Dhar, Madhya Pradesh.

5. Gandai Branch
Post Office Gandai
Tehsil—Kairagarh
Distt. Rajnandgaon
Madhya Pradesh.

STATE BANK OF SAURASHTRA

KANPUR

1. State Bank of Saurashtra
93/145-146
Nai Sarak Mool Ganj Chouraha
KANPUR (U.P.)

INDORE

State Bank of Saurashtra
Lohar Punch,
Champa, Baag, Associations' House
Building 22, Jawahar Marg,
Siyaganji, INDORE (M.P.).

JAIPUR

State Bank of Saurashtra
Khandaka Mansion,
Nr. Rajmandir,
Jaipur (Rajasthan State).

NEW DELHI

State Bank of Saurashtra
'Deepak' 662140 Bldg. No. 13,
Nehru Place,
New Delhi-110019.

INDIAN OVERSEAS BANK

1. Indian Overseas Bank
Goverdan Road,
Aring-281 501
Mathura Dist.
Uttar Pardesh.

2. इंडियन ओवरसीज बैंक
मथुरा-आगरा रोड
बरारी-281002
मथुरा जिला
उत्तर प्रदेश

3. इंडियन ओवरसीज बैंक
47, सिविल लाइन्स
बरेली-243001
बरेली जिला
उत्तर प्रदेश

4. इंडियन ओवरसीज बैंक
प्लाट नं० 5/3, अन्सारी रोड
बुलन्दशहर-203001
बुलन्दशहर जिला
उत्तर प्रदेश

5. इंडियन ओवरसीज बैंक
चिरौरी डाकघर-201102
गाजियाबाद जिला
उत्तर प्रदेश

6. इंडियन ओवरसीज बैंक
ई-407 कालेज रोड
गंगोह-247341
सहारनपुर जिला
उत्तर प्रदेश

7. इंडियन ओवरसीज बैंक
कथरा मार्केट
गुरुद्वारा रोड
ज्वालापुर-249407
सहारनपुर जिला
(उत्तर प्रदेश)

8. इंडियन ओवरसीज बैंक
सुरेश्वरा नंद सदन
डाक व तार कार्यालय मकान
दक्ष मार्ग, कनखल-249408
सहारनपुर जिला
(उत्तर प्रदेश)

9. इंडियन ओवरसीज बैंक
7/178, स्वरूप नगर
कानपुर-208002
उत्तर प्रदेश

10. इंडियन ओवरसीज बैंक
121, वसंत विहार, कांवली,
न्यू फारेस्ट डाकघर
देहरादून-248006
उत्तर प्रदेश

11. इंडियन ओवरसीज बैंक
तारबरागंज, मैन बाजार,
लखीमपुर शहर-262701
खीरी जिला
उत्तर प्रदेश

12. इंडियन ओवरसीज बैंक,
महाबन बस अड्डे के पास
महाबन-281305
मथुरा जिला, उत्तर प्रदेश

2. Indian Overseas Bank
Mathura-Agra Road,
Barari-281002
Mathura District,
Uttar Pradesh.

3. Indian Overseas Bank
47, Civil Lines,
Bareilly-243001
Bareilly District,
Uttar Pradesh.

4. Indian Overseas Bank
Plot No. 5/3, Ansari Road,
Bulandshar-203001
Bulandshar District.
Uttar Pradesh.

5. Indian Overeas Bank
Chirori, P.O. 201102
Ghaziabad District
Uttar Pradesh.

6. Indian Overseas Bank,
E-407 College Road,
Gangoh 247341
Saharanpur District
Uttar Pradesh.

7. Indian Overseas Bank,
Kathara Market,
Gurudwara Road,
Jwalapur-249407
Saharanpur District,
Uttar Pradesh.

8. Indian Overseas Bank
Sureshwara Nand Sadan,
Post & Telegraph, Office Bldg.
Daksh Marg, Kankhal 249408
Saharanpur District,
Uttar Pradesh.

9. Indian Overseas Bank,
7/178, Swaroop Nagar
Kanpur-208002
Uttar Pradesh.

10. Indian Overseas Bank
121, Vasant Vihar, Kanwli
New Forest P.O.
Dehra Dun-248006
Uttar Pradesh.

11. Indian Overseas Bank,
Tharbaranganj, Main Bazar
Lakhimpur City-262701
Kheri Dist. Uttar Pradesh.

12. Indian Overseas Bank,
Near Mahaban Bus Stand
'Mahaban-281305
Mathura District, U.P.

13. इंडियन ओवरसीज बैंक
स्टेशन रोड, मुरादाबाद-244001
मुरादाबाद जिला,
उत्तर प्रदेश

14. इंडियन ओवरसीज बैंक
ई०पी० 126-ए,
पंचायत कार्यालय के सामने
गांव मुबारकपुर-301025
अलवर जिला, राजस्थान

15. इंडियन ओवरसीज बैंक
निहारी गांव, नौएडा डाकघर
गाजियाबाद जिला
उत्तर प्रदेश

16. इंडियन ओवरसीज बैंक
घिया नगर, इलाहाबाद जौनपुर
रोड, फूलपुर-212404
इलाहाबाद जिला
उत्तर प्रदेश

17. इंडियन ओवरसीज बैंक
355, दिल्ली सहारनपुर रोड
धीमानपुरा, शामली-247776
मुजफ्फरनगर जिला
उत्तर प्रदेश

स्टेट बैंक आफ बीकानेर एण्ड जयपुर

1. **अलवर जिला**

1. अकबरपुरा
2. दरीबा प्रोजेक्ट
3. गोविन्दगढ़
4. लछमनगढ़
5. मालाखेड़ा
6. मंडावर
7. मान्धन
8. परतापगढ़
9. रामपुर
10. थानागाजी

2. **अजमेर जिला**

1. किशनगढ़ सिटी
2. सरवाड़
3. श्रीनगर

3. **बांसवाड़ा जिला**

1. बागीडोरा
2. बडोदिया

4. **बाड़मेर जिला**

1. बायतू
2. चोहटन
3. धोरीमना
4. गुडामलानी
5. जासोल
6. कल्याणपुर
7. मोकलसर
8. पचपदरा
9. पटोदी
10. रामसर

13. Indian Overseas Bank,
Station Road,
Moradabad 244001
Moradabad District,
Uttar Pradesh.

14. Indian Overseas Bank
E.P. 126-A,
Opp. Panchayat Office
Village Mubarakpur-301025
Alwar District, Rajasthan.

15. Indian Overseas Bank,
Nihari Village, Noida P.O.
Ghaziabad District,
Uttar Pradesh.

16. Indian Overseas Bank,
Ghia Nagar, Allahabad
Jaunpur Road, Phulpur-212404
Allahabad District,
Uttar Pradesh.

17. Indian Overseas Bank,
355, Delhi Saharanpur Road,
Dhimanpura, Shamli-247776
Muzaffar Nagar District.
Uttar Pradesh.

State Bank of Bikaner & Jaipur

ALWAR DISTRICT

1. Akbarpura
2. Dariba Project
3. Govindgarh
4. Lachhamangarh
5. Malakhera
6. Mandawar
7. Mandhan
8. Partapgarh
9. Rampur
10. Thanagazi

AJMER DISTRICT

1. Kishangarhcity
2. Sarwar
3. Shreenagar

BANSWARA DISTRICT

1. Bagidora
2. Barodia

BARMER DISTRICT

1. Baitu
2. Chohtan
3. Dhorimana
4. Gudamalani
5. Jasol
6. Kalyanpur
7. Mokalsar
8. Pachpadra
9. Patodi
10. Ramsar

11. शिव
12. सिन्धरी
13. पदरू
14. सिवाना
15. कु०वि० शाखा, सिवाना
16. अजीत

5. भरतपुर जिला

1. बाडी
2. बसेरी
3. कन्जोली लाइन्स
4. राजाखेड़ा
5. रूपबास

6. भीलवाड़ा जिला

1. आसिंद
2. बनेड़ा
3. जहाजपुर
4. कोटरी

7. बीकानेर जिला

1. छतरगढ़
2. गजनेर
3. हिमटसर
4. जामसर
5. जसरासर
6. कालू
7. महाजन
8. नापासर
9. पलाना
10. पूगल
11. सेकसर
12. उदासर
13. उदरामसर
14. बज्जू

8. बूंदी जिला

1. हिन्डोली
2. पाटनकेशोराय

9. चित्तौड़गढ़ जिला

1. अकोला
2. अरनोद
3. बेगूं
4. भादेसर
5. गंगरार
6. राश्मि
7. सालमगढ़
8. सांवरियाजी मंडापिया

10. चुरू जिला

1. मोमासर
2. साहबा
3. सालासर
4. सांडवा

11. गंगानगर जिला

1. डूंगरसिंहपुरा
2. फेफाना
3. गोलूवाला

11. Sheo
12. Sindhari
13. Padroo
14. Siwana
15. Siwana (A.D.E.)
16. Ajeet

BHARATPUR DISTRICT

1. Bari
2. Baseri
3. Kanjoli Lines
4. Rajakhera
5. Roopbas

BHILWARA DISTRICT

1. Asind
2. Banera
3. Jahajpur
4. Kotri

BIKANER DISTRICT

1. Chattargarh
2. Gajner
3. Himatsar
4. Jamsar
5. Jasrasar
6. Kaloo
7. Mahajan
8. Napasar
9. Palana
10. Pugal
11. Shaikhsar
12. Udasar
13. Udramsar
14. Bajju

BUNDI DISTRICT

1. Hindoli
2. Patan Keshorai

CHITTORGARH DISTRICT

1. Akola
2. Arnod
3. Begun
4. Bhadesar
5. Gangrar
6. Rashmi
7. Salamgarh
8. Sanwariaji Mandapiya

CHURU DISTRICT

1. Momasar
2. Sahaba
3. Salasar
4. Sandwa

GANGANAGAR DISTRICT

1. Dungarsinghpura
2. Phephana
3. Goluwala

4. लालगढ़ जाटान
5. रामसिंहपुर
6. सिलवाला

12. जैसलमेर जिला

1. चान्धन
2. लाठी
3. नाचना
4. नोख
5. फलसून्ड
6. पोकरण

13. जयपुर जिला

1. आमेर
2. बसवा
3. भाण्डारेज
4. चाकसु
5. दूदू
6. गीजगढ़
7. कालाडेरा
8. खेजरोली
9. मोजमाबाद
10. सोमोद
11. सिकराय
12. विराटनगर
13. सिकन्दरा

14. जालोर जिला

1. आहोर
2. बागरा
3. भीनमाल
4. भीनमाल/कृषि विकास शाखा
5. जसवन्तपुरा
6. रानीवाडा
7. सांचोर
8. सायला
9. उम्मेदाबाद
10. सियाना

15. झालावाड़ जिला

1. अकलेरा
2. मिसरोली
3. पिराबा
4. रतलाई

16. झुंझुनू जिला

1. चिराना
2. गुढागोरजीका
3. उदयपुरवाटी
4. उदयपुरवाटी कृषि विकास शाखा

17. जोधपुर जिला

1. पिपारसिटी
2. शेरगढ़
3 तिनवारी

18. कोटा जिला

1. अटरू
2. हरनावादाशाहजी
3. केलवाड़ा

4. Lalgarh Jatan
5. Ramsinghpur
6. Silwala

JAISALMER DISTRICT

1. Chandhan
2. Lathi
3. Nachna
4. Nokh
5. Phalsoond
6. Pokaran

JAIPUR DISTRICT

1. Amber
2. Baswa
3. Bhandarej
4. Chaksu
5. Dudu
6. Geejgarh
7. Kaladera
8. Khejroli
9. Mozmabad
10. Samode
11. Sikrai
12. Viratnagar
13. Sikandra

JALORE DISTRICT

1. Ahore
2. Bagra
3. Bhinmal
4. Bhinmal Agr. Dev. Branch
5. Jaswantpura
6. Raniwara
7. Sanchore
8. Sayala
9. Ummedabad
10. Siyana

JHALAWAR DISTRICT

1. Aklera
2. Mishroli
3. Pirawa
4. Ratlai

JHUNJHUN DISTRICT

1. Chirana
2. Gudhagorjika
3. Udaipurwati
4. Udaipurwati (ADB)

JODHPUR DISTRICT

1. Piparcity
2. Shergarh
3. Tinwari

KOTA DISTRICT

1. Atru
2. Harnawadashahji
3. Kelwara

4. खैरीबाद
5. मांगरोल
6. मोडक
7. नाहरगढ़
8. पिपलदा
9. पलायथा
10. समरानिया
11. सांगोद
12. शाहबाद

19. नागौर जिला

1. बाडू
2. जायल
3. कोलिया
4. मारोठ
5. मारवाडमूण्डवा
6. रियांबाड़ी

20. पाली जिला

1. आनंदपुरकालू
2. बाबरा
3. बागरी
4. देसुरी
5. जैतारण
6. जोजावर
7. मारवाड़ जंक्शन
8. नाना
9. निमज
10. पिपलियांकला
11. रोहट
12. सोमेसर
13. ताखतगढ़

21. सवाई माधोपुर जिला

1. चौथकाबरवाड़ा
2. गुढ़ाचन्द्रजी
3. मेंहदीपुर
4. नरोली

22. सीकर जिला

1 दांतारामगढ़
2. खाटूश्यामजी

23. सिरोही जिला

1. अनाद्रा
2. जावाल
3. कालन्द्री
4. मनादर
5. माउन्ट आबू
6. रेवधर
7. रोहिडा
8. सरुपगंज

24. टोंक जिला

1. अलिगढ़ (उनियारा)
2. नसरदा

4. Khairabad
5. Mangrol
6. Morak
7. Nahargarh
8. Pipalda
9. Palaytha
10. Samrania
11. Sangod
12. Shahbad

NAGAUR DISTRICT

1. Badu
2. Jael
3. Kolia
4. Maroth
5. Marwarmundwa
6. Riyanbadi

PALI DISTRICT

1. Anandpurkalu
2. Babra
3. Bagri
4. Desuri
5. Jaitaran
6. Jojawar
7. Marwar Jn.
8. Nana
9. Nimaj
10. Pipaliankalan
11. Rohat
12. Somesar
13. Thakhatgarh

SAWAIMADHOPUR DISTRICT

1. Chouthka Barwara
2. Gudhachandarji
3. Mehandipur
4. Naroli

SIKAR DISTRICT

1. Danta Ramgarh
2. Khatoo Shyamji

SIROHI DISTRICT

1. Anadra
2. Jawal
3. Kalandri
4. Manadar
5. Mount Abu
6. Reodhar
7. Rohida
8. Saroopganj

TONK DISTRICT

1. Aligarh (Uniara)
2. Nasarda

25. उदयपुर जिला	UDAIPUR DISTRICT
1. बड़गांव	1. Badgaon
2. भबराना	2. Bhabrana
3. डबोक	3. Dabok
4. धरियावद	4. Dhariawad
5. गिलुन्द	5. Gilund
6. गोगुन्दा	6. Gogunda
7. खामनौर	7. Khamnaur
8. कुन	8. Kun
9. कुनवारिया	9. Kunwaria
10. माझेरा	10. Majhera
11. राजसमन्द (कृषि विकास शाखा)	11. Rajsamand (Agr. Dev. Br.)
12. रेलमगरा	12. Relmagra
13. रूंडेरा	13. Rundera
14. सराडा	14. Sarada
15. सायरा	15. Sayara
16. थामला	16. Thamla
17. वल्लभनगर	17. Vallabhanagar
18. विवेर	18. Diver
19. पारसोला	19. Parsola
20. पलाना खुर्द	20. Palana Khurd
2. देना बैंक	DENA BANK
1. शाहपुर बमैटा, जिला-गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश)	1. Shahpur-Bamata branch, District-Ghaziabad, Uttar Pradesh
2. पफून्दा शाखा, जिला-मेरठ (उत्तर प्रदेश)	2. Pophunda branch, District-Meerut, Uttar Pradesh
3. निगोहां शाखा, जिला-लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	3. Nigohan branch, District-Lucknow, Uttar Pradesh
4. गोरखपुर शाखा, जिला-गोरखपुर (उत्तर प्रदेश)	4. Gorakhpur branch District-Gorakhpur, Uttar Pradesh
5. बंगला बाजार शाखा, जिला-लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	5. Bangla Bazar branch, District-Lucknow, Uttar Pradesh
6. बेरला शाखा, जिला-दुर्ग (मध्य प्रदेश)	6. Berla branch, District-Durg, Madhya Pradesh
7. नगरी सिहावा शाखा, जिला-रायपुर (मध्य प्रदेश)	7. Nagri Sihawa branch, District-Raipur, Madhya Pradesh
8. तिलदा शाखा, जिला-रायपुर (मध्य प्रदेश)	8. Tilda branch, District-Raipur, Madhya Pradesh
9. पिपरिया, जिला-राजनांदगांव (मध्य प्रदेश)	9. Piparia, District-Rajnandgaon, Madhya Pradesh
10. थान खम्हरिया, जिला-दुर्ग (मध्य प्रदेश)	10. Thank Lamaria, District-Durg, Madhya Pradesh
11. क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल (मध्य प्रदेश)	11. Regional Office, Bhopal, Madhya Pradesh

12 विकास प्रबन्धक का कार्यालय,
रायपुर (मध्य प्रदेश)

1. सिंडिकेट बैंक

1. सिंडीकेट बैंक,
प्रादेशिक कार्यालय
स्काइलार्क, तीसरा तल,
43, नेवल किशोर रोड़,
लखनऊ-226001

2. सिंडीकेट बैंक,
आंचलिक कार्यालय,
सरोजिनी हाउस,
दूसरा तल,
भगवानदास रोड,
पो०बा०सं० 7074,
नई दिल्ली-110002

4. इलाहाबाद बैंक

1. क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ
हजरतगंज, लखनऊ-226001

2 क्षेत्रीय कार्यालय, कानपुर
महात्मा गांधी रोड,
पो०बा०सं० 153,
कानपुर-208001

3. क्षेत्रीय कार्यालय, सीतापुर
हरदोई रोड़, पो०बा०सं० 7,
सीतापुर-261001

4. क्षेत्रीय कार्यालय, मेरठ,
55, दि माल,
पो०बा०सं० 123,
मेरठ कैंट, मेरठ-250001

5. क्षेत्रीय कार्यालय, इलाहाबाद,
सिविल लाइन्स,
इलाहाबाद-210001

6 क्षेत्रीय कार्यालय,
वाराणसी,
सी/21/4-ए मालदिया,
वाराणसी-221001

7. क्षेत्रीय कार्यालय,
भोपाल,
हमीदिया रोड़,
भोपाल-462001

8. क्षेत्रीय कार्यालय,
चंडीगढ़,
इलाहाबाद बैंक बिल्डिंग,
सेकंड फ्लोर, बैंक स्क्वायर,
सेक्टर 17 बी,
पो०बा०सं० 105,
चंडीगढ़-160017

9. क्षेत्रीय कार्यालय,
नई दिल्ली,
17, पार्लियामेंट स्ट्रीट,
पो०बा०सं० 707,
नई दिल्ली-110001

5. इंडियन बैंक
आंचल कार्यालय
इंडियन बैंक
1-ई झंडेवालान रोड,
नई दिल्ली-110055

12. Office of the Development
Manager, Raipur
Madhya Pradesh

SYNDICATE BANK

1. Syndicate Bank,
Regional Office,
Skylark, IIIrd floor,
43, Neval Kishore Road

2. Syndicate Bank,
Zonal Office,
Sarojini House,
Second Floor,
Bhagwandas Road
Post Box No. 7074.
New Delhi-110002

ALLAHABAD BANK

1. Regional Office, Lucknow,
Hazratganj,
Lucknow-226001

2. Regional Office, Kanpur
Mahatma Gandhi Road
Post Box No. 153,
Kanpur-208001

3. Regional Office, Sitapur,
Hardoi Road, Post Box No. 7,
Sitapur-261001

4. Regional Office, Meerut,
55, The Mal, Post Box No. 123,
Meerut Cantt.
Meerut-250001

5. Regional Office, Allahabad,
Civil Lines,
Allahabad-210001

6. Regional Office,
Varanasi,
C/21/4-A Maldahiya,
Varanasi-221001

7. Regional Office,
Bhopal
Hamidia Road
Bhopal-462001

8. Regional Office,
Chandigarh,
Allahabad Bank Building,
Second Floor, Bank Square,
Sector 17-B,
Post Box No. 105,
Chandigarh-160017

9. Regional Office,
New Delhi,
17, Parliament Street,
Post Box No. 707,
New Delhi-110001

5. INDIAN BANK
The Zonal Office,
Indian Bank, 1-E Jhandawalan
New Delhi-110055

वाणिज्य मंत्रालय

संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात एवं निर्यात का कार्यालय, अहमदाबाद

विषय :—सर्वश्री यूनीपोल प्लास्टिक इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद के नाम में जारी किए गए आयात लाइसेंस सं० पी०डी 1864471, दिनांक 17-9-79 को रद्द करना।

का० आ० 1654.—सर्वश्री यूनीपोल प्लास्टिक इण्डस्ट्रीज, प्रा० लि० ओधव, अहमदाबाद को आयात नीति 1980 के परिशिष्ट 5 के अनुसार अनुमेय मदों का 493800-रुपये के लिए आयात करने के लिए आयात लाइसेंस सं० पी०डी० 1864474, दिनांक 17-9-79 प्रदान किया गया था।

उन्होंने उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि (दोनों प्रतियों, सीमा शुल्क प्रयोजन और मुद्रा विनिमय नियंत्रण) प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल लाइसेंस सीमा शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत करवाए बिना और उपयोग किए बिना खो गया/अस्थानस्थ हो गया है।

अपने दावे के समर्थन में उन्होंने गुजरात के नोटरी इंडस्ट्रियल इस्टेट, साबर कान्था, मेहसाना और कैरा जिला के सामने 31-12-80 को विधिवत् शपथ लेकर एक शपथ पत्र दाखिल किया है।

मैं संतुष्ट हूं कि लाइसेंस सं० पी०डी० 1864474, दिनांक 17-9-79 की दोनों प्रतियां खो गई/अस्थानस्थ हो गई हैं और निदेश देता हूं कि आवेदक को उक्त लाइसेंस की दोनों प्रतियों की अनुलिपि प्रति जारी की जानी चाहिए।

एतद्द्वारा लाइसेंस की मूल प्रतियां रद्द की जाती हैं।

विषय :—मूल लाइसेंस सं० पी/डी/1864474 दिनांक 17-9-79 के बदले में आयात लाइसेंस सं० डी-2166863-64 दिनांक 27-11-1981 की अनुलिपि प्रतियां जारी करना।

आपको यह सूचित किया जाता है कि लाइसेंस सं० पी०/डी/1864474 दिनांक 17-9-79 की अनुलिपि मुद्रा विनिमय और सीमा शुल्क नियंत्रण प्रतियां सर्वश्री यूनिपोल प्लास्टिक इण्डस्ट्रीज प्रा० लि०, अहमदाबाद को जारी की गई हैं, यह अनुरोध है कि यदि दोनों प्रतियां (विवरण नीचे दिया गया है) प्रस्तुत की जाएं तो इन्हें वैध नहीं समझा जाना चाहिए और यह कि यदि उपर्युक्त लाइसेंस की मूल प्रतियां पहले ही इस पत्तन पर प्रस्तुत कर दी गई हों या उनका उपयोग किया गया हो तो उसकी सूचना तत्काल ही इस कार्यालय को दी जानी चाहिए।

ला सं० और दिनांक	जारी कर्ता	मद	ला० अवधि	वैध अवधि	क्षेत्र
पी/डी/1864474 दिनांक 17-9-79 4,93,800 रु०	संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात	अप्रैल-मार्च, 81 की नीति पुस्तक के परिशिष्ट 5 की अनुमेय मद मद	अप्रैल-मार्च 80	12 महीने	सामान्य मुद्रा क्षेत्र

प्रयुक्त मूल्य	शेष मूल्य
कुछ नहीं	4,93,800 रु०

[फा० सं० 217/इम/14894/एटीसी/एएम 80/डीजेटीडी]

वी० पी० मेनन, नियंत्रक,
आयात एवं निर्यात

कृते संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE

Office of the Jt. Chief Controller of Imports & Exports Ahmedabad

Ahmedabad, the 22nd January, 1982

Sub:—Cancellation of import licence No. P/D/1864474 dt. 17-9-79 issued to M/s. Unipol Plastic Inds. Pvt. Ltd., Ahmedabad.

S.O. 1654.—M/s. Unipol Plastic Industries Pvt. Ltd., Odhav, Ahmedabad has been granted licence No. P/D/1864474 dt. 17-9-79 for Rs. 4,93,800 (Four lacs Ninety three thousand Eight hundred only) for import of permissible items of Appendix 5 of AM 80 Policy Book.

They have applied for issue of duplicate copies (Both exchange and Custom purpose of above said licence on the ground that both the original copies of the said licence have been lost/misplaced without having been registered with customs authority and utilised at all.

In support of their claim they have filed an affidavit duly sworn before Notary Industrial Estate, Sabarkantha, Mehsana and Kaira Districts of Gujarat State on 31-12-80.

I am satisfied that both copies of licence No. P/D/1864474 dt. 17-9-79 have been lost/misplaced & direct that the duplicate copies of said licence should be issued to applicant.

The original copies of licence hereby cancelled.

Sub:—Issue of duplicate copies of Import licence No. D 2466863-64 dt. 27-1-81 in lieu of original licence No. P/D/1864474 dt. 17/9/79.

This is to inform you that the duplicate Exchange and Custom Control copies of licence No. P/D/1864474 dt. 17-9-79 have been issued to M/s. Unipol Plastic Industries Pvt. Ltd., Ahmedabad, it is requested that both copies (Particulars given below) should not be treated as valid if produced and that information should be sent to this office immediately of the original copies if the above said licence have already been presented or utilised at this port.

Lic. No. & dt. P/D/ 1864474 dt. 17-9-79 Rs. 4,93,800	Issued by	Item	Licensing period	Valid for	Area
	JCCI&E, Ahmedabad.	Permissible item of App. 5 of AM 81, Policy Book	AM 80	12 months	CCA
	Value utilised Nil	Value balance Rs. 4,93,800			

[F. No. 217/EU/14894/ATC/AM 80/DGTD]
V.B. MENON, Controller,
Imports & Exports for
For Jt. Chief Controller of Imports & Exports.

संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात तथा निर्यात का कार्यालय, मद्रास

मद्रास, 8 अप्रैल, 1982

आदेश

का०आ० 1655. सर्वश्री श्री उमा शान्ती इंडस्ट्रीज, संख्या 4-5, सुन्दरम चेट्टीयार स्ट्रीट, अल्लमपट्टी, विरूद्नगर तालुक, रामनाड जिला को टिन कण्टेयिनर्स निर्माण कार्य के हेतु, रुपए 63,030 तक टिनप्लेट वेस्ट वेस्ट का आयात करने के लिए आयात लाइसेंस संख्या पी-एस-1935278 सी-एक्सएक्स-79-एम-81 दिनांक 27 जून, 1981 जारी किया गया था। उपर्युक्त लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति खो जाने के कारण, उसकी अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए लाइसेंसधारी ने आवेदन किया है। लाइसेंस की पंजीकरण, मद्रास सीमाशुल्क प्राधिकारी से नहीं की गई है। लाइसेंसधारी के घोषणा के अनुसार मूल लाइसेंस की उपयोग अभी तक नहीं की गई है और लाइसेंस के पूरा मूल्य रुपए 63,030 को उपयोग किए बिना छोड़ दी गई है। अब लाइसेंस की पूरा मूल्य रुपए 63,030 के लिए अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए आवेदन किया गया है।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदन ने एक शपथ-पत्र भी दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी इस बात से सन्तुष्ट है कि लाइसेंस संख्या पी-एस-1935278 दिनांक 27-6-1981 की मुद्रा विनिमय नियंत्रण की मूल प्रति खो दी गई है और आदेश देता है कि उपरोक्त लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण की अनुलिपि प्रति मूल्य रुपए 63,030 (रुपए तिरसठ हजार और तीस) के लिए आवेदक को जारी किया जाए। मुद्रा विनिमय नियंत्रण की मूल प्रति एतद्द्वारा रद्द किया जाता है।

मुद्रा विनिमय प्रति की अनुलिपि प्रति संख्या डी-2464811 दिनांक 5 अप्रैल, 1982 अलग जारी किया जाता है।

[सं० आई एण्ड एस-46-ए०एम०-82-ए यू-3]
एस० नरसिंहन, उप मुख्य नियंत्रक
आयात तथा निर्यात

Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Madras

ORDER

Madras, the 8th April, 1982

S.O. 1655.—M/s. Sree Uma Santhi Industries, No. 4/5, Sundaram Chettiar Street, Allampati, Virudhunagar Taluk, Ramnad District were granted a licence No. P|S|1935278|C|XX|79M|81, dated 27-6-1981 for Rs. 63,030 for the import of "Tin Plate Waste Waste" for the manufacture of "Tin containers" only. They have requested for the issue of Duplicate copy of Exchange Control copy of the above licence which has been lost. The licence has not been registered with the Customs at Madras. According to the declaration given by the Licensee the Original Licence was not at all utilised so far as the full value of the licence Rs. 63,030 remains untilised. The duplicate now required is to cover the entire value of Rs. 63,030 only.

2. In support of their contention the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Exchange Control Copy of the licence No. P|S|1935278 dated 27-6-1981 has been lost and directed that a Duplicate Exchange Control copy of the said licence should be issued to them for the value of Rs. 63,030 (Rupees Sixty Three Thousand and Thirty only). The original Exchange Control copy of the licence is hereby cancelled.

3. A duplicate Exchange Control copy of the Licence No. D-2464811 dated 5-4-1982 is being issued separately.

[No. I&S/46/AM 82/AU-III]
S. NARASIMHAN, Deputy Chief Controller
Import & Exports

संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात तथा निर्यात का कार्यालय

आदेश

मद्रास, 20 अप्रैल, 1982

का० आ० 1656.—सर्वश्री आटोलिक इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, सी-9 इंडस्ट्रीयल एस्टेट, अम्बत्तूर, मद्रास-600058 को रुपये 5,68,966 तक, ए एम 82 नीति पुस्तक के परिशिष्ट 5 में दर्शायी गई अनुमेय मदों का आयात करने के लिए आयात लाइसेंस संख्या पी० एस०-1935326-सी-एक्स एक्स-80-एम-81 दिनांक 25-7-1981 जारी किया गया था। उपर्युक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजनार्थ प्रति खो गई जाने के कारण, उसकी अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए लाइसेंसधारी ने आवेदन किया है। लाइसेंसधारी से यह भी कहा गया है कि उपर्युक्त लाइसेंस की मूल्य में रुपये 3,30,780 को छोड़कर रुपये 2,38,168 का उपयोग कर लिया गया है। अब शेष मूल्य रुपये 3,30,780 का अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए आवेदन किया गया है।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ-पत्र भी दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी इस बात से सन्तुष्ट है कि लाइसेंस संख्या पी० एस० 1935326-सी०-एक्स० एक्स०-80-एम०-81 दिनांक 25-7-81 की सीमाशुल्क प्रयोजनार्थ मूल प्रति खो दी गयी है और आदेश देता है कि आवेदक को शेष मूल्य रुपये 3,30,780 के लिए उपर्युक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजनार्थ प्रति की अनुलिपि प्रति जारी किया जाय। लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजनार्थ प्रति की मूल प्रति एतद्द्वारा रद्द किया जाता है।

[संख्या एस० ऐ० 7(6)-188-ए० एम० 82 एयू०3]
टी० एन० वेंकटेश्वरन, उप मुख्य नियंत्रक
आयात तथा निर्यात

Office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports

ORDER

Madras, the 20th April, 1982

S.O. 1656.—M/s. Autileo Industries Private Limited, C-9, Industrial Estate, Ambattur, Madras-600053 were granted licence No. P|S|1935326|C|XX 80M|81 dated 25-7-81 for Rs. 5,68,966 for import of permissible items listed in Appendix 5 of the Policy Book for A.M. 82 period. They have requested for the issue of a Duplicate copy of Customs purposes copy of the above licence which has been lost. It has been further reported by the licensee that the licence has been utilised to the extent of Rs. 2,38,186 leaving an unutilised balance of Rs. 3,30,780. The duplicate licence now required is to cover the balance value of Rs. 3,30,780.

In support of their contention the applicant have filed an Affidavit. The undersigned is satisfied that the original Customs copy of the licence No. P/S/1935326/C/XX/80/M 81 dated 25-7-81 has been lost and directs that the Duplicate Customs Copy of the said licence should be issued for the balance value of Rs. 3,30,780 The Original Customs copy of the licence is hereby cancelled.

[No. S.I. 7(6)/188/AM 82/AU III]

T. N. VENKATESWARAN, Dy. Chief Controller of Imports and Exports.

आदेश

नई दिल्ली, 8 मई, 1982

का०आ० 1657—केन्द्रीय सरकार, की निर्यात (क्वालिटी नियंत्रक और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए भारत सरकार के भूतपूर्व विदेश मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 2137 तारीख 5 जून, 1970 का संशोधन करना आवश्यक तथा समीचीन है।

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे दिए गए प्रस्ताव बनाए हैं तथा उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद् को भेज दिया है।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार उक्त उपनियम के अनुसरण में उक्त प्रस्तावों को उन व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है।

2. सूचना दी जाती है कि उक्त प्रस्तावों के बारे में यदि कोई व्यक्ति कोई आक्षेप करना चाहता है या सुझाव देना चाहता है तो वह उसे इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिन के भीतर निर्यात निरीक्षण अधिकरण कोचीन, मनोहर बिल्डिंग, एम० जी० रोड, कोचीन-682011 को भेज सकता है।

प्रस्ताव

भारत सरकार के भूतपूर्व विदेश व्यापार मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 2137, तारीख 5 जून, 1970 के उपाबंध II के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् —

उपाबन्ध—II

शुष्क मछली के लिये विनिर्देश

साधारण —शुष्क मछली पौष्टिक होगी। किसी गर्त-समाधित मछली या पानी में (पंचप या अल्प शुष्क आर्द्र, शुष्क, हल्की शुष्क या रक्तिम) (कीटाणु वाली) या खुमी से प्रभावित (फफूंदी लगी हुई) या कीटाणुओं द्वारा खाई हुई अथवा कीटग्रस्त मछली या सधारग्रस्त मछली की स्वीकृति नहीं दी जायेगी।

क्रम सं०	किस्म	वैज्ञानिक नाम (जाति)	संक्षेप में संसाधन की पद्धति	क्वालिटी का स्तर					
				आकार	रूप	गंध	शुष्क अवस्था	बाह्य पदार्थ	विघटन
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	सीर	साईनियम	केवल कीलम की तरह नमक से संसाधित होगी। मालाबार किनारे की मछली के मामले में वह शीर्ष सहित या रहित अथवा टुकड़ों में खुले रूप में हो सकती है। प्रत्येक टुकड़े का माप 37.5 से०मी० से कम नहीं होगा।	सिर रहित 37 5% से तथा अधिक	रंग भूरा होगा या अच्छी शुष्क सीर मछली की विशिष्टता होगी।	बासी या अपघटित मछली की गंध नहीं होगी	नमी 35% से अधिक नहीं होगी	शून्य	मछली का मांस सुदृढ़ होगा तथा फांकों में अलग नहीं होगा।
2	एस्गाइस	यथोक्त	यथोक्त	37.5 से० मी० से कम	यथोक्त	यथोक्त	नमी 35%	शून्य	—
3.	बेलाया	थाईनन्यूस	केवल सिर रहित कीलम के रूप में नमक से समाधित	सिर रहित 20 से०मी०	रंग में गाढ़ी	बिल्कुल ताजी संसाधित मछली की गंध होगी। कोई भी अपघटित गंध नहीं होगी।	नमी अधिक नहीं होगी	शून्य	—
4	परावे	कारान्क्स	यथ	25 से०मी० और अधिक	भरा रंग होगा	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	—
5	काट्टा	कोरीनिमण	यथोक्त	सिर सहित या सहित 30 से०मी० से अधिक	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	—

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
6	कोडुवा	मियाना स्यूडो	यथोक्त	सिर सहित या रहित 60 से० मी० से अधिक	यथोक्त	यथोक्त	आर्द्रता 35% से अधिक नहीं होगी।	यथोक्त	—
7.	लवाया	सेरमिस		सिर सहित या रहित 25 से० मी० से अधिक	यथोक्त	यथोक्त	आर्द्रता 35% से अधिक नहीं होनी चाहिये।	यथोक्त	—
8	स्प्रैट्स	स्टोलेफोरेस इंडिकस	सिर सहित धूप मे सुखाई हुई, नमक से संसाधित न हो।	सिर सहित 4 से०मी० से अधिक	सफेद या मंद रंग वाली या काले से रंग वाली होगी।	पौष्टिक सुखाई हुई मछली की गंध होगी और तीखी नहीं होगी	आर्द्रता 18% से अधिक नहीं होनी चाहिये।	स्प्रैट्स या अन्य किसी मछली के टूटे टुकड़े या अन्य छोटी किस्मों की मछलियों का मिश्रण 6% से अधिक नहीं होगा।	स्प्रैट्स मे रेत का जो अंतर्निहित होगा भार अधिकतम 7% होगा।
9	वालाइने थोली	स्टालफोरस्ट्री	सिर सहित या रहित धूप मे सुखाई हुई, नमक से संसाधित न हो।	सिर सहित 4 से०मी० से अधिक	पूर्णत शल्कों से आवृत्त होगी। बहुत पतले टीशू होंगे।	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	—
10.	झींगे (आवला)	पीनिअस (छोटा)	धूप मे सुखाई नमक से संसाधित न हो।	3 से०मी० से कम	सफेद या मंद रंग वाली या काले रंग वाली होगी	यथोक्त	नमी 25% से अधिक नहीं होगी	—	—
11.	शल्क रहित झींगे	पीनिअस मैटापीनिअस पैरापीनि	उबाली झींगे सुखाई हुई और फिर बिना शल्क के होगी	साबुत झींगे (अन्य जाति के झींगो का भार 10% से अधिक नहीं होगा)।	काले बवरंग से मुक्त विशिष्ट रंग वाली होगी	ताजी होगी और तीखी नहीं होगी	(1) नमी 30% से अधिक नहीं होगी जब प्रशीतित कक्षों में लाया जायेगा और (ii) 25% से अधिक नहीं होगी जब अन्यथा पोत पर लाया जायेगा	(1) टूटे हुए टुकड़े भार मे 15% से अधिक नहीं होंगे (टूटे हुए टुकड़ो को छोड़कर खराब टुकड़े आधे, खोल और पूछ भार मे 2% से अधिक नहीं होगी)।	राख मे अघुलनशील अम्ल 10% से अधिक नहीं होगा।
12.	शैल सहित झींगे (करटी)	पीनिअस मैटापीनिआ पैरापैनाकोपसिस	अर्ध शुष्क	2 5 से०मी० से अधिक	यथोक्त	यथोक्त	7 स०मी० आकार तक आर्द्रता 20% से अधिक नहीं होगी और 7 से० मी० से ऊपर 25% होगी)।	शून्य	राख मे अघुलनशील अम्ल 5% से अधिक नहीं होना चाहिये।
13	शार्क	कारचारिनस सीपिरना प्रिसाटिस गैलियोरदा	फिल्लेट्स या कीलम की तरह लवण मे संसाधित	टुकड़ो की कैंडल पर एक साथ रखा जाना चाहिये या ये फिलेट के रूप में हो सकते है।	मांस की तरफ सफेद या सफेद की तरह होना चाहिये	शार्क की विशेष गंध (हल्की तीखी होगी)	आर्द्रता 35% से अधिक नहीं होनी चाहिये।	शून्य	—

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
14.	मदुआ ड्रागन, माइलोबी टीझे राइमाकोबेट्स रिनोबेट्स	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त
15.	एंगुलुवा	ऐरियस	लम्बाई में काटे जाते साफ करें और मछली को विभक्त करके खोले या बिना सिर के या सिर सहित कीलम नमक से संसाधित या सुखाई हुई	30 सें०मी० से अधिक	सफेद की तरह हल्की भूरी	संसाधित मछली की ताजी सुगंध	आर्द्रता 35% से अधिक नहीं होनी चाहिए	शून्य	—
16	एगुलवा (तूतीकोरीन)	ऐरियस	यथोक्त	20 सें०मी० से अधिक	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	कीलम को अधिमानता होगी।
17.	हुरला	सारिडनैल्ला सिरम	गोलाकार आकृति में नमक से संसाधित होगी	7 सें०मी० से अधिक	भूरी सफेद	ताजी संसाधित मछली की गंध होगी कोई अन्य अमोनिकल	आर्द्रता 30% से अधिक नहीं होगी	यथोक्त	मांस दृढ़ होगा और रेशों में नहीं होगा।
18	सुडया	खारीदनेम्ला गिब्बोज	गोलाकार रूप में नमक से संसाधित होगी।	7 सें०मी० से अधिक	सफेद या भूरा	ताजी संसाधित मछली की गंध होगी।	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त
19	मोरोल्ली	हिमिर हैम्फस	गोलाकार रूप में नमक से संसाधित और अच्छी तरह सुखाई हुई होगी	15 से०मी० (सिर से पूंछ तक)	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त
20.	बैनगनवा	पिल्लोना	गोलाकार रूप में नमक से संसाधित और अच्छी तरह सुखाई हुई होगी।	6 सें०मी० से अधिक	सफेदी से पीला अधिक	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त
21.	पैरावा छोटे	कारानक्स (छोटा)	यथोक्त	25 से०मी० से कम	सफेदी या हल्का भूरापन लिये हुए	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त
22.	कुमबालवा	रास्ट्रेलिगर कनागुर्ता	आंतों और गलफड़ों को निकाला जायगा। नमक से संसाधित और सुखाई हुई होगी।	10 सें०मी० से अधिक	सफेदी से हल्का पीलापन या हल्का भूरा पन लिये	ताजी	आर्द्रता 30% से अधिक नहीं होगी।	यथोक्त	नमक पपड़ीकरण के अतिरिक्त अधिक से अधिक 4% अस्वतन नमक होगा किन्तु टेरे जोड़ने की व्यवस्था सहित।
23.	शुष्क पुसुमिरिया बोनवया		धूप में सुखाई हुई गोलाकार रूप में परन्तु नमक लगाई हुई नहीं	7 सें०मी० से अधिक	मछली का प्राकृतिक रंग हो परन्तु फीका और चमकीला नहीं	हल्की तीखी गंध लेकिन ताजी सुखाई हुई मछली की गंध होगी, अन्यथा कोई अपघटित गंध नहीं होगी।	आर्द्रता 20% से अधिक नहीं होगी	स्प्रेट्स या किसी अन्य मछली के टूटे हुए टुकड़े अन्य किस्मों की छोटी मछली का मिश्रण 5% से अधिक नहीं।	मछली से अलग की हुई रेत झड़ जाएगी।
24.	चोवाकोलम	डीयरीनस एपरिओन लूहियानस गेटोरिना और प्रिस्टीमोगा	कीलम के रूप में नमक से संसाधित या धूप में सुखाई हुई बिना सिर के या सिर सहित हो सकती है।	25 सें०मी० से अधिक	हल्के पीले से गाढे रंग की	ताजी ताजी संसाधित गंध होगी कोई अपघटित गंध नहीं होगी।	आर्द्रता 35% से अधिक नहीं होगी	शून्य	—

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
25	जीला	फिरेनूले।	विभक्त करके खोली हुई या कीलम	22.5 से० मी० से अधिक	गाढ़े रंग की होगी	ताजी संसाधित गंध होगी, कोई अपघटित गंध नहीं होगी	आर्द्रता 35% से अधिक नहीं होगी	शून्य	कीलम लम्बाई में कटे होंगे, विघटित मछली तथा आंते निकली मछली को अधिमानता दी जायेगी।
26.	सैलाई कैन्डम	चिरासेन्टस	मछली में से आंते निकाल ली जायेगी। टुकड़ों में काटी जायेगी। नमक संसाधित तथा शुष्क होगी।	10 से०मी० से अधिक	सफेद से मंद भूरे की ओर	ताजी	आर्द्रता 35% से अधिक नहीं होगी	शून्य	शून्य
27.	थालाकंथ	मिसटियो-फोरम	खुली कटी हुई रूप में या साबुत मछली के रूप में कीलम या स्टीप्स या फिलेट के रूप में (बिना-सिर के या सिर सहित हो सकती है) या यदि मछली आकार में बहुत बड़ी है तो टुकड़े में संसाधित होंगी।	यथास्थिति 30 से०मी० से अधिक साबुत मछली के आकार में या टुकड़ों में	सफेद या भूरा	ताजी	आर्द्रता 35% से अधिक नहीं होगी	शून्य	शून्य
28.	मैंगर चेरी कार चेरीनम (खाल और हड्डी के बिना शार्क के फीते)	कारचेरीनम विशेष	हड्डी या खाल या पंखों के बिना शार्क मछली के मांस के ताजे टुकड़े या नमक से संसाधित और सुखाई हुई।	टुकड़े 10 से० मी०से अधिक	सफेद से राखीय रंग की ओर या मास के रंग की	शार्क के मांस की विशेष गंध (हल्की सीधी) होगी।	आर्द्रता 35% से अधिक नहीं होगी	शून्य	शून्य
29.	मूथिल्ला	ऐलेक्टी विशेष	बिना सिर के या सिर सहित विभक्त रूप में या कीलम के रूप में नमक से संसाधित सुखाई हुई।	15 से०मी० से अधिक	सफेद रंग की ओर	विकृत और अप-घटित मछली की नहीं होगी।	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त
30.	पुझो (लेपिस)	लैक्टेरिअस विशेष	नमक से संसाधित और आंतों रहित गोलाकार रूप में सुखाई हुई। खुली विभक्त रूप में भी संसाधित की जा सकती है।	8 से०मी० से अधिक	रंग में हल्का गाढ़ा	विकृत या अप-घटित मछली की गंध नहीं होगी।	आर्द्रता 30% से अधिक नहीं होगी	शून्य	शून्य
31.	नमक लगाया हुआ और शुष्क थोलइया	दुस्समीरिया विशेष	गोलाकार रूप में नमक से संसाधित और सुखाई हुई	70 से०मी० से अधिक	यथोक्त	यथोक्त	आर्द्रता 30% से अधिक नहीं होगी	शून्य	शून्य
32.	बिक्लन बिनास (नमक रहित)	डीकैपचरस विशेष	यथोक्त	यथोक्त	सफेद से हल्के गहरा की ओर	यथोक्त	आर्द्रता 35% से अधिक नहीं होगा	शून्य	पैकिंग के समय 4% तक नमक मिलाने की अनुज्ञा होगी परन्तु वह टेर में जोड़ा जायेगा।
33.	कोली (नमक रहित)	ऐक्सोकाट्स विशेष	पूर्ण आकार में धूप में सुखाई हुई होगी। नमक नहीं लगाया जायेगा।	8 से०मी० से अधिक	हल्के नीले गाढ़े रंग और	यथोक्त	आर्द्रता 25% से अधिक नहीं होगी।	शून्य	शून्य
34.	कोली (नमक सहित)	ऐक्सोकाट्स विशेष	गोलाकार आकार में नमक से संसाधित और सुखाई हुई	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	आर्द्रता 35% से अधिक नहीं होनी चाहिये	अम्ल में अघुलनशीलता राख भार में 5% से अधिक नहीं होनी चाहिये।	शून्य

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
35.	सलाया (मालाबार के सैलीय सारडिन)	सारडिनेल्ला लौंगीसैप्स	आंतें निकालने के बाद नमक में संसाधित	7 से०मी० से अधिक	भूरापन लिये हुये रंग की	यथोक्त	आर्द्रता 30% से अधिक नहीं होगी	शून्य	पैकिंग के लिये प्रयुक्त पाउडर या क्रिस्टल के रूप में नमक का भार 4% से अधिक नहीं होगा और उसे टेर में जोड़ा जायेगा।
36	सलाया	सरडिनेल्ला गिब्बोस, सरडिनेल्ला फिम्ब्रिएटा, सरडिनेल्ला अलबेल्ला, कोलया विशेष	गोलाकार रूप में नमक से संसाधित और सुखाई हुई आंतें नहीं निकाली जाएंगी	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	आर्द्रता 30% से अधिक नहीं होगी	शून्य	यथोक्त
37	सुखाई हुई सम्बई डक	हारपोडेन नेहरियस	स्वच्छ दशा में बनावटी ड्रायर में सुखाई हुई या धूप में सुखाई हुई	15 सें०मी० से अधिक	गुलाबी अवर्णता से मुक्त विशिष्ट रंग	विकृत गंधी से मुक्त विशिष्ट गंध	आर्द्रता भार के अनुसार अधिकतम 25%	यथोक्त	आर्द्रता के आधार पर भस्म में राख अघुलनशील अधिकतम 5% होगी।
38	पटसिल मुम्बई डक	यथोक्त	पंख तथा शीर्ष को हटाने के पश्चात् शुष्क मछली को उपयुक्त रूप से दबाकर तथा समान आकार के टुकड़े प्राप्त करने के लिये पूंछ को साइडों में से थोड़ा-2 काट कर तैयार की गयी	बड़ी 15 सें० मी० और उससे अधिक की, छोटी 15 से० मी० से कम की	यथोक्त	यथोक्त	नमी 20% से अधिक नहीं होगी	यथोक्त	भस्म में अघुलनशील राख (आर्द्रता के आधार पर अधिकतम भार 25% होगी)।
39.	एंगुलुवा छोटे (दुबार)	ऐरिअस	लम्बाई में खोलकर काटी आंतें निकाली हुई और बिना सिर के या सिर रहित विभक्त कर के खोली हुई और नमक लगे सूखे कीलम	15 सें०मी० से अधिक	सफेद जैसा फीका भूरा रंग	संसाधित मछली की ताजी गंध	आर्द्रता 35% से अधिक नहीं होनी चाहिए	शून्य	शून्य

टिप्पणी :—सी०डब्ल्यू०ई० इस विषय की क्वालिटी को अधिरोपित करने के लिये स्तम्भ 8 में आर्द्रता पर 5% की सहनता की अनुज्ञा देगी।

[सं० 6(8)/80-नि०नि० तथा नि०उ०]

सी०बी० कुकरेती, संयुक्त निदेशक

ORDER

New Delhi, the 8th May, 1982

S.O. 1657.—Whereas the Central Government is of the opinion that in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), it is necessary and expedient to amend the notification of the Government of India in the late Ministry of Foreign Trade No. S.O. 2137 dated the 5th June, 1970 for the development of the export trade of India.

And whereas the Central Government has formulated the proposal given below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by the sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964.

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objection or suggestions with respect to the said proposal may forward the same within fortyfive days from the date of publication of this order in the official Gazette to the Export Inspecion Agency-Cochin, Manohar Building, M. G. Road, Cochin-682011.

PROPOSAL

In the Notification of the Government of India in the late Ministry of Foreign Trade No. S.O. 2137 dated the 5th June, 1970 for Annexure II, the following shall be substituted, namely :—

ANNEXURE II

SPECIFICATIONS FOR DRIED FISH

General : Dried Fish shall be wholesome. Not pit-cured fish or fish oozing with water (pachhaped, "Semi-dried", "Half-dried", "Soft dried") or having 'red' (bacteria) or mould attach (fungal attack) or maggotridden or insect infested fish or reconditioned fish shall be permitted.

Sl. No.	Variety	Scientific name (species)	Method of cure in brief	Standard of quality					Other Remarks
				Size	Appearance	Smell	Drainage	Foreign matter	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	Seer	Cybium	Cured with salt as Keelam only. May be with or without heads or in split open form in case of seer fish from the Malabar Coast. May be cut into pieces each piece measuring not less than 37.5 Cms.	37.5 cm. and above without head	Colour shall be brown or characteristic of well dried good seer fish	Shall not be that of rancid or decomposed fish	Moisture not exceeding 35%	Nil.	Fish flesh shall be firm and shall not come off in shreds.
2.	Angile	Do.	Do.	Below 37.5 cm.	Do.	Do	Do.	Nil.	...
3.	Balaya	Thynnus	Cured with salt as Keelam without head only.	Above 20cm without head	Dark in colour	Freshly cured smell. Shall not have any decomposed odour.	Do.	Nil.	....
4.	Parawe	Caranx	Do.	25 cm and above	Brown coloured	Do.	Do.	Nil.	....
5.	Katta	Chorinemuz	Do.	Above 30 cm with or without head	Do.	Do.	Do.	Nil.	. .
6.	Koduwa	Sciaena Pseudosciaena	Do.	Above 60 cm with or without head	Do.	Do.	Moisture not exceeding 35%	Do.	. .
7.	Lavaya	Serranus	Do.	25 cm and above with or without head	Do.	Do.	Do.	Do.	....
8.	Spratts	Stolephorus indicus	Sun dried and not salt cured with head.	Above 4 cm with head	White or dull coloured or blackish coloured	Wholesome dried fish smell and not pungent	Moisture not exceeding 18%	Broken bits of spratts or any other fish or mixture or other varieties of small fish shall not be more than 6%	Sand which is inherent in spratts shall be allowed upto 7% maximum by weight.
9.	Valainetholi	Stolephorus Tri	Sun dried and not salt cured, with or without head	Above 4 cm without head	Do. Fully covered with scales. Tissue very thin	Do.	Do.	Do.	...
10.	Kooney (Jawla)	Penaeus (Small)	Sun-dried and not salt cured	Below 3 cm.	White or dull coloured or blackish coloured	Do.	Moisture not exceeding 25%		. . .

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
11.	Prawns without shell	Penaeus Matapenaeus Parapenaeopsis	Boiled dried and then deshelled	Whole prown (Prawns of other species shall not exceed 10% by weight)	Characteristic colour free from black dis-colouration	Fresh and not pungent	Moisture not exceeding (i) 30% when shipped in refrigerated chambers and (ii) 25% if shipped otherwise.	The broken pieces shall not exceed 15% by weight spoiled pieces, eyes, shells and tails excluding the broken pieces shall not exceed 2% by weight.	Acid insoluble ash not to exceed 1%.
12.	Prawns with shell (kardi)	Penaeus Matapenaeus Parapenaeopsis	Sub-dried	Above 2.5 cm.	Do.	Do.	Moisture not exceeding 20% upto 7 cm. size 25% above 7 cm. size.	Nil.	Acid insoluble ash not to exceed 5%
13.	Shark	Carcharinus, Sphyrna, Pristis Galeourda	Salt cured as fillets or as keelams.	As pieces being held together at the candal or can be in the form of fillets	White or Whitish on the flesh side	Characteristics smell of shark (lightly pungent)	Moisture not exceeding 35%	Nil	...
14.	Maduwa	Trygon, Myliobatidae, Rhynchobatus Rhinabatus	Do.	Do.	Do.	Do.	Do.	Do.	Do.
15.	Anguluwa	Arius	Cut open longitudinally entrails removed and fish split open, or keelams salted and dried with or without head.	Above 30 cm.	Whitish to dull brown	Fresh flavour of a cured fish	Moisture not exceeding 35%.	Nil.	....
16.	Anguluwa (Tuticorin)	Arius	Do.	Above 20 cm.	Do.	Do.	Do.	Do.	Keelams preferred.
17.	Hurulla	Sardinella Sirm	Salt cured in the round form.	Above 7 cm.	Brown or white.	That of a freshly cured fish. No other ammonical or foul odour shall be present.	Moisture not exceeding 30%	Do.	Flesh shall be firm and not come off in shreds.
18.	Soodaya	Sardinella gibbose.	Cured with salt in the round form.	Above 7 cm.	Do.	Do.	Do.	Do.	Do.
19.	Morollo	Hemirhamphus	Salted and dried in the round form	15 to 30 cm. (Beak to tail).	Do	Do.	Do.	Do.	Do.
20.	Venganawa	Pellons	Cured with salt in the round form and well dried.	Above 6 cm.	White to Yellow	Do.	Do.	Do.	....
21.	Parawa small	Caranx (Small)	Do.	Below 25 cm.	White to light brown	Do.	Do.	Do.	Do.

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
22.	Kumbalawa	Rastrelliger Kanagurta	Guts and Gills shall be removed. Cured with salt and dried.	Above 10 cm.	White to light yellow or light brown	Fresh	Do.	Do.	Maximum 4% loose salt except salt encrustration but with provision to add tare.
23.	Thondaya Dried	Dussumeria	Sundried in the round form and not salted.	Above 7 cm.	Natural colour of the fish but dull and not brilliant	Light pungent smell but freshly dried smell otherwise. No. decomposed smell shall be present	Moisture not exceeding 20%	Broken bits of spratts or any other fish or mixture of other varieties of small fish shall not be more than 5	Sand separated from fish shall go to make the tare.
24.	Chevva Keelam	Lethrinus Aprion Lutianus Geterina and Pristipoma	Cured with salt as Keelam and dried. May be with or without head.	above 25 cm.	Light yellow to dark brown	Fresh cured flavour not bad odour shall be present.	moisture not exceeding 35%	Nil.	
25.	Jeela	Sphyraena	Split open of Keelams	Above 22.5 cm.	Dark in colour	Freshly cured small, shall not have any decomposed odour.	Do.	Nil	Keelams cut open longitudinally. Fish split and entrails removed shall be preferred.
26.	Valaikandam	Chirocentus	Fish removed of guts. Cut into pieces. Cured with salt and dried.	Above 10 cm.	Whitish to dull brown.	Fresh	Do.	Do.	....
27.	Thalapath	Mistiophorus	Cured in the cut open form or as Keelam or strips. or fillets (can be with or without head) as a whole fish or in pieces if the fish is of a very large size.	Above 30 cm. in the whole fish form or as pieces as the case may be.	White or Fresh brown	Fresh	Moisture not exceeding 30%	..	....
28.	Magaracheri Carcharinus strips without skin and bone)	Carcharinus sp.	Dressed flesh pieces of shark fish without bone or skin or fin and cured with salt and dried	Pieces above 10 cm.	White to ash grey or flesh coloured	Characteristic smell of shark flesh lightly pungent)	Do.	Nil.	Nil.
29.	Moothilla	Elacato sp.	Salt cured and dried in the split open or as keelam with or without heads.	Above 15 cm.	White to ash grey	Shall not be that of rancied or decomposed fish.	Do.	Do.	Do.
30.	Pulunno (Lapisa)	Lactarius sp.	Salt cured and dried in the round form without guts. May be cured also in the split open from.	Above 8 cm.	Light drak in colour.	Do.	Moisture not exceeding 30%	Nil.	Nil.
31.	Thonday salted and dried	Dussumeria sp.	Cured with salt in the round form and dried.	Above 7 cm.	-Do-	-Do-	Moisture not exceeding 30%		Nil.

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
32.	Belan	Decapterus sp	-do-	-do-	White to light dark	-do-	Moisture not exceeding 35%	Nil	Salt at the time of packing to the extent of 4% will be allowed but this will add to tare.
33.	Koli un-(salted)	Exocaatus sp	Dried in the sun in the whole form No salt added	above 8 cm.	Light blue to dark	-do-	Moisture not exceeding 25%	Nil	Nil
34.	Koli (salted)	-do-	Salt cured in the round form and dried	-do-	-do-	-do-	Moisture not exceeding 35%	Acid insoluable ash can be 5% by wt.	Nil
35.	Salaya (oil Sardine of Malabar)	Sardinella Longiceps	Cured with salt after removing the viscera and dried	Above 7 cm.	Greenish to brown	-do-	Moisture not exceeding 30%	Nil	Salt as crystal or powder used for packing shall not exceed 4% by weight and will be added to tare.
36.	Salaya	Sardinella gibbosa Sardinella fimbriate Sardinella albella, colia sp	Cured with salt in the round form and dried. Guts not removed.	-do-	-do-	-do-	-do-	-do-	-do-
37.	Dried Bombay Duck	Harpoden nehereus	Sundried or dried in artificial drier under hygienic conditions	Above 15 cm.	Characteristic colour free from any pink discolouration	Characteristic flavour free from any rancid odour	Moisture 25% by weight maximum	-do-	Acid insoluble ash (on moisture free basis maximum 5%)
38.	Laminated Bombay Duck	-do-	Prepared by suitable pressing of dried fish, after removing head fins and entails sides trimmed to get pieces of uniform size.	Large 15 Cm. and above shall less than 15 cm.	-do-	-do-	Moisture 20% by weight maximum	-do-	Acid insoluble ash (on moisture free basis 2.5% max).
39.	Anguluwa Small (Dubar)	Arius	Cut open longitudinally entrails removed and fish split open or keelams salted dried with or without heed.	Above 15 cm.	Whitish to dull brown	Fresh flavour of a cured fish	Moisture not exceeding 35%	Nil	Nil

Note : CWE shall allow a tolerance of 1.5% on the moisture at Col. 8 for the purpose of imposing Quality cut on this account.

[No. 6(8)/80-EI&EP]
C.B. KUKRETI, Joint Director

नागरिक पूर्ति मंत्रालय

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1982

का०आ० 1658.—केन्द्रीय सरकार, स्पिरिटयुक्त निर्मित (अन्तर-राज्यिक व्यापार और वाणिज्य) नियंत्रण अधिनियम, 1955 (1955 का 39) की धारा 2 के खंड (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के नागरिक पूर्ति मंत्रालय की अधिसूचना सं० 26 (1) आई०टी० 80, तारीख 20 सितम्बर, 1980 को इसके द्वारा विखंडित करती है क्योंकि राजस्थान राज्य ऐसा राज्य नहीं रह गया है जिसमें या जिसके किसी भाग में मद्यसारिक पान का उपभोग विधि द्वारा साधारणतया प्रतिसिद्ध है ।

[फा० सं० 26(1)- आई० टी० 81]

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES

New Delhi, the 24th April, 1982

S.O. 1658.—In exercise of the powers conferred by clause 'C' of Section 2 of the Spirituous preparations (Inter-State Trade and Commerce) Control Act, 1955 (39 of 1955) the Central Government hereby recinds the notification of the Government of India in the Ministry of Civil Supplies No. 26 (1)-IT/80, dated the 20th September, 1980, as State of Rajasthan ceases to be a State in which or in any part of which the consumption of alcoholic liquors is generally prohibited by law.

[No F. 26(1)-IT/81]

का०आ० 1659.—केन्द्रीय सरकार, स्पिरिटयुक्त निर्मित (अन्तर-राज्यिक व्यापार और वाणिज्य) नियंत्रण अधिनियम, 1955 (1955 का 39) की धारा 2 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम की धारा 3 के अधीन केन्द्रीय सरकार की नियम बनाने की राजस्थान राज्य को प्रत्यायोजित शक्ति से संबंधित भारत सरकार के नागरिक पूर्ति मंत्रालय की अधिसूचना सं० अ० 26/1/आई० टी०/80, तारीख 20 सितम्बर 1980 को विखण्डित करती है।

[फा० सं० 26(1)-आई० टी०/80]
एच० एस० सेठ, अवर सचिव

S.O. 1659.—In exercise of the powers conferred by Section 12 of the Spirituous Preparations (Inter-State Trade and Commerce) Control Act, 1955 (39 of 1955); the Central Government hereby recinds the notification of the Government of India in the Ministry of Civil Supplies No. E-26/1/IT/80, dated the 20th September, 1980; relating to the delegation of powers of the Central Government to the State of Rajasthan to frame rules under Section 3 of the said Act.

[No. 26(1)-IT/80]
H. S. SETH, Under Secy.

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय

(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1982

का०आ० 1660—यत पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० स०, 2590 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना मे सलग्न अनुसूची मे विनिर्दिष्ट भूमियो के उपयोग के अधिकार को पाइपलाईनो को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था

और यत सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है

और आगे, यत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची मे विनिर्दिष्ट भूमियो मे उपयोग का अधिकार अर्जित करने का निश्चय किया है,

अब, अत उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना मे सलग्न अनुसूची मे विनिर्दिष्ट उक्त भूमियो मे उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है,

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियो मे उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार मे निहित होने के बजाय इडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड मे सभी बाधाओ से मुक्त रूप मे घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

तहसील फतेहगढ़ साहिब (सरहिन्द) जिला पटियाला राज्य पजाब

नाम ग्राम	खसरा नं०	क्षेत्रफल		
		हे०	ऐ०	वर्ग मी०
1	2	3	4	5
बसी (पठाना) ह० नं० 103	16/9 मिन	0	00	51
	11 मिन	0	05	57
	12 मिन	0	08	10
	18/1 मिन	0	04	81
	19 मिन	0	08	10
	23/2 मिन	0	08	35
	27 मिन	0	05	57
	30/11/1 मिन	0	01	77
	11/2 मिन	0	01	77
	11/3 मिन	0	04	30
	19/2 मिन	0	04	55
	20/1 मिन	0	07	08
	20/2 मिन	0	01	77
	22 मिन	0	10	88
	23/1 मिन	0	00	76
	23/2 मिन	0	03	29
	31/3 मिन	0	00	00
	4 मिन	0	13	66
	5 मिन	0	00	25
	6 मिन	0	12	14
	7 मिन	0	01	52
	15/1 मिन	0	04	81
	15/2 मिन	0	01	52
	39/3 मिन	0	11	11
	4 मिन	0	03	54
	6 मिन	0	03	29
	39/7/मिन	0	11	64
	15/मिन	0	11	89
	40/11/1/मिन	0	03	04
	19/मिन	0	02	53
	20/1/मिन	0	08	35
	20/2/मिन	0	01	05
	21/1/मिन	0	00	00
	22/मिन	0	11	64
	23 मिन	0	00	25
	24/मिन	0	00	00
	53/11/मिन	0	01	26
	19/2/2/मिन	0	01	01
	20/1/मिन	0	03	79
	20/2/मिन	0	10	12
	21/मिन	0	02	53
	22/मिन	0	09	61
	23/मिन	0	00	76
	54/3 मिन	0	11	38
	4 मिन	0	02	28
	6/2 मिन	0	01	77
	7/1 मिन	0	12	90
	7/2 मिन	0	00	25
	8 मिन	0	00	00
	14/2 मिन	0	00	25
	15/1 मिन	0	06	58
	15/2 मिन	0	00	76
	15/3 मिन	0	06	32
	16 मिन	0	00	25
	67/2 मिन	0	00	76
	3 मिन	0	13	41
	4/1 मिन	0	00	25
	6 मिन	0	00	76
	7/1 मिन	0	09	11
	7/2 मिन	0	04	55

1	2	3	4	5
बसौ (पठाना)	67/8/1 मिन	0	00	76
ह०न० 103 (नार्गा)	11 मिन	0	00	76
	15/1 मिन	0	10	63
	15/2 मिन	0	03	04
	16/2 मिन	0	01	01
	68/11 मिन	0	00	51
	20/1 मिन	0	02	28
	20/2	0	07	08
	21 मिन	0	00	51
	22 मिन	0	09	87
	23 मिन	0	00	25
	75/11/2 मिन	0	00	25
	20 मिन	0	12	65
	21 मिन	0	01	05
	22/1 मिन	0	07	34
	22/2 मिन	0	01	01
	76/2 मिन	0	01	77
	3 मिन	0	12	90
	4/1 मिन	0	00	00
	7/1 मिन	0	00	76
	7/2 मिन	0	11	38
	8 मिन	0	02	53
	11 मिन	0	03	79
	15 मिन	0	11	38
	96/2/2 मिन	0	10	63
	3 मिन	0	01	77
	8 मिन	0	12	10
	9 मिन	0	00	25
	13 मिन	0	05	57
	11 मिन	0	07	08
	16 मिन	0	00	76
	17 मिन	0	11	64
	24 मिन	0	00	76
	25 मिन	0	11	64
	111/1 मिन	0	01	26
	9 मिन	0	00	00
	10 मिन	0	12	40
	11 मिन	0	02	53
	12 मिन	0	09	87
	18 मिन	0	03	04
	19/1 मिन	0	00	76
	19/2 मिन	0	00	76
	19/3 मिन	0	07	59
	23/1 मिन	0	03	29
	23/2 मिन	0	09	11
	112/5 मिन	0	06	83
	129/3 मिन	0	01	05
	4/1 मिन	0	07	08
	4/2 मिन	0	00	00
	6 मिन	0	03	04
	7/1 मिन	0	06	83
	15/1 मिन	0	09	36
	15/2 मिन	0	03	04
	16 मिन	0	01	[illegible]
	130/120	10	09	10
	21/1 मिन	0	10	77

1	2	3	4	5
बसौ (पठाना)	21/2 मिन	0	09	11
ह०न० (नार्गा)	22 मिन	0	01	26
	140/1/2 मिन	0	00	51
	2 मिन	0	11	89
	8 मिन	0	06	58
	9 मिन	0	05	82
	13 मिन	0	11	64
	14 मिन	0	00	76
	17 मिन	0	11	64
	18 मिन	0	00	76
	24 मिन	0	06	58
	25 मिन	0	05	82
	164/5 मिन	0	12	14
	6 मिन	0	01	26
	165/1 मिन	0	00	25
	10/1 मिन	0	00	34
	10/2 मिन	0	03	79
	11 मिन	0	07	34
	12 मिन	0	04	30
	19/1 मिन	0	02	78
	19/2 मिन	0	09	61
	193 मिन	0	04	30
	713 मिन	0	00	76
	714 मिन	0	00	76
	715 मिन	0	00	76
	724 मिन	0	02	28
	746 मिन	0	01	01
	751 मिन	0	00	51
	758 मिन	0	00	51
	805 मिन	0	00	76
महुआ	48 मिन	0	11	80
ह०न० 81	49 मिन	0	07	59
	50 मिन	0	07	17
	65 मिन	0	16	02
	66 मिन	0	00	84
	71 मिन	0	01	26
	73 मिन	0	13	49
	101 मिन	0	10	96
	102 मिन	0	02	95
	105 मिन	0	12	22
	193 मिन	0	07	17
	194 मिन	0	00	84
	220/1 मिन	0	01	26
	222 मिन	0	10	54
	225 मिन	0	00	00
	226 मिन	0	00	00
	227 मिन	0	00	42
	228 मिन	0	00	00
	229 मिन	0	02	95
	230 मिन	0	00	84
	232 मिन	0	08	01
	233 मिन	0	07	59
	246 मिन	0	07	59
	247 मिन	0	04	64
	249 मिन	0	13	91

1	2	3	4	5
महदूदां	250 मिन	0	00	42
ह०न० 81	251 मिन	0	09	69
	253 मिन	0	00	84
	265 मिन	0	05	90
	266 मिन	0	09	27
	269 मिन	0	01	26
	289 मिन	0	02	11
	290 मिन	0	10	96
अबदूलापुर	5 मिन	0	07	59
ह० नं० 80	6 मिन	0	15	60
	7 मिन	0	06	32
	8 मिन	0	12	65
	186 मिन	0	05	90
	218 मिन	0	07	59
	219 मिन	0	03	37
	220 मिन	0	03	79
	221 मिन	0	07	17
	222 मिन	0	02	53
	224 मिन	0	05	06
	229 मिन	0	05	48
	230 मिन	0	00	00
	234 मिन	0	12	22
	235 मिन	0	05	90
	236 मिन	0	01	69
	242 मिन	0	05	06
	243 मिन	0	10	96
	247 मिन	5	15	17
	248 मिन	0	00	42
	249 मिन	0	12	12
	250 मिन	0	08	43
	252 मिन	0	00	84
	237 मिन	0	10	12

[स० 12020/3/81-प्रो०]

टी० एन० परमेशवरन, अवर सचिव

MINISTRY OF PETROLEUM CHEMICALS AND FERTILISER

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 12th April, 1982

S.O. 1660.—Whereas by a notification of Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizer (Department of Petroleum) S.O. 2590 dated 3-10-1981 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1952) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire he right of user in lands specified in the schedule appended to this notification.

Now therefore, in exercise of the power coferred by Sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines.

And further exercise of the power conferred by Sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Goverment vest on this date of the publication of this declaration in the Indian Oil Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Tehsil : Fatehgarh Sahib (Sirhind) Distt : Patiala State : Punjab

Name Village	Khasra No.	Area		
		Hec.	Arr.	Sq. M.
1	2	3	4	5
Bassi (Pathana)	16/9 Min	0	00	51
H. No. 103	11 Min	0	05	57
	12 Min	0	08	10
	18/1 Min	0	04	81
	19 Min	0	08	10
	23/2 Min	0	08	35
	27 Min	0	05	57
	30/11/1 Min	0	01	77
	11/2 Min	0	01	77
	11/3 Min	0	04	30
	19/2 Min	0	04	55
	20/1 Min	0	07	08
	20/2 Min	0	01	77
	22 Min	0	10	88
	23/1 Min	0	00	76
	23/2 Min	0	03	29
	31/3 Min	0	00	00
	4 Min	0	13	66
	5 Min	0	00	25
	6 Min	0	12	14
	7 Min	0	01	52
	15/1 Min	0	04	81
	15/2 Min	0	01	52
	39/3 Min	0	11	13
	4 Min	0	03	54
	6 Min	0	03	29
	39/7 Min	0	11	64
	15 Min	0	11	89
	40/11/1 Min	0	03	04
	19 Min	0	02	53
	20/1 Min	0	08	35
	20/2 Min	0	04	05
	21/1 Min	0	00	00
	22 Min	0	11	64
	23 Min	0	00	25
	24 Min	0	00	00
	53/11 Min	0	01	26
	19/2/2 Min	0	01	01
	20/1 Min	0	03	79
	20/2 Min	0	10	12
	21 Min	0	02	53
	22 Min	0	09	61
	23 Min	0	00	76
	54/3 Min	0	11	38
	4 Min	0	02	28
	6/2 Min	0	01	77
	7/1 Min	0	12	90
	7/2 Min	0	00	25
	8 Min	0	00	00
	14/2 Min	0	00	25
	15/1 Min	0	05	58
	15/2 Min	0	03	76

1	2	3	4	5
Bassi (Pathana) H. No 103 (contd.)	15/3 Min	0	06	32
	16 Min	0	00	25
	67/2 Min	0	00	76
	3 Min	0	13	41
	4/1 Min	0	00	25
	6 Min	0	00	76
	7/1 Min	0	09	11
	7/2 Min	0	04	55
	67/8/1 Min	0	00	76
	14 Min	0	00	76
	15/1 Min	0	10	63
	15/2 Min	0	03	04
	16/2 Min	0	01	01
	68/11 Min	0	00	51
	20/1 Min	0	02	28
	20/2 Min	0	07	08
	21 Min	0	00	51
	22 Min	0	09	87
	23 Min	0	00	25
	75/11/2 Min	0	00	25
	20 Min	0	12	65
	21 Min	0	04	05
	22/1 Min	0	07	34
	22/2 Min	0	01	01
	76/2 Min	0	01	77
	3 Min	0	12	90
	4/1 Min	0	00	00
	7/1 Min	0	00	76
	7/2 Min	0	11	38
	8 Min	0	02	53
	14 Min	0	03	79
	15 Min	0	11	38
	96/2/2 Min	0	10	63
	3 Min	0	01	77
	8 Min	0	12	40
	9 Min	0	03	25
	13 Min	0	05	57
	14 Min	0	07	08
	16 Min	0	00	76
	17 Min	0	11	64
	24 Min	0	00	76
	25 Min	0	11	64
	111/1 Min	0	01	26
	9 Min	0	00	00
	10 Min	0	12	40
	11 Min	0	02	53
	12 Min	0	09	87
	18 Min	0	03	04
	19/1 Min	0	00	76
	19/2 Min	0	00	76
	19/3 Min	0	07	59
	23/1 Min	0	03	29
	23/2 Min	0	09	11
	112/5 Min	0	06	83
	129/3 Min	0	04	05
	4/1 Min	0	07	08
	4/2 Min	0	00	00
	6 Min	0	03	04
	7/1 Min	0	05	83
	15/1 Min	0	09	36
	15/2 Min	0	03	04
	16 Min	0	04	55
	130/20 Min	0	08	10
	21/1 Min	0	01	77
	21/2 Min	0	09	11
	22 Min	0	01	26
Bass (Pathana) (contd.)	140/1/2 Min	0	00	51
	2 Min	0	11	89
	8 Min	0	06	58
	9 Min	0	05	82
	13 Min	0	11	64
	14 Min	0	00	76
	17 Min	0	11	64
	18 Min	0	00	76
	24 Min	0	06	58
	25 Min	0	05	82
	164/5 Min	0	12	14
	6 Min	0	01	26
	165/1 Min	0	00	25
	10/1 Min	0	00	34
	10/2 Min	0	03	79
	11 Min	0	07	34
	12 Min	0	04	30
	19/1 Min	0	02	78
	19/2 Min	0	09	61
	193 Min	0	04	30
	713 Min	0	00	76
	714 Min	0	00	76
	715 Min	0	00	76
	724 Min	0	02	28
	746 Min	0	01	01
	751 Min	0	00	51
	758 Min	0	00	51
	805 Min	0	00	76
Mehdudan H. No. 81	48 Min	0	11	80
	49 Min	0	07	59
	50 Min	0	07	17
	65 Min	0	16	02
	66 Min	0	00	84
	71 Min	0	01	26
	73 Min	0	13	49
	101 Min	0	10	96
	102 Min	0	02	95
	105 Min	0	12	22
	193 Min	0	07	17
	194 Min	0	00	84
	220/1 Min	0	01	26
	222 Min	0	10	54
	225 Min	0	00	00
	226 Min	0	00	00
	227 Min	0	00	42
	228 Min	0	00	00
	229 Min	0	02	95
	230 Min	0	00	84
	232 Min	0	08	01
	233 Min	0	07	59
	246 Min	0	07	59
	247 Min	0	04	64
	249 Min	0	13	91
	250 Min	0	00	42
	251 Min	0	09	69
	253 Min	0	00	84
	265 Min	0	05	90
	266 Min	0	09	27
	269 Min	0	01	26
	289 Min	0	02	11
	290 Min	0	10	96
Abdulpur H. No. 80	5 Min	0	07	59
	6 Min	0	15	60
	7 Min	0	06	32
	8 Min	0	12	65

1	2	3	4	5
	186 Min	0	05	90
	218 Min	0	07	59
	219 Min	0	03	37
	220 Min	0	03	79
	221 Min	0	07	17
	222 Min	0	02	53
	224 Min	0	05	06
	229 Min	0	05	48
	230 Min	0	00	00
	234 Min	0	12	22
	235 Min	0	05	90
	236 Min	0	01	69
	242 Min	0	05	06
	243 Min	0	10	96
	247 Min	0	15	17
	248 Min	0	00	42
	249 Min	0	12	22
	250 Min	0	08	43
	252 Min	0	00	84
	237 Min	0	10	12

[No. 12020/3/81-Prod.]
T.N PARAMESWARAN, Under Secy.

S.O. 1661.—Whereas by a notification of Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizer (Department of Petrolium) S. O. 2980 dated 6-10-1981 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to this notification.

Now therefore in exercise of the power coferred by Sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of the power conferred by Sub-section (4) of that section the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Goverment vest on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission fee from all encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline From Well No. SNK to SNN
State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Cen-tiare
Kasalpura	643/2 Min	0	11	76
	588 Min	0	08	20
	582/2 Min	0	04	32

[No. 12016/30/81-Prod. I]

का० आ० 1661.—यत पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मन्त्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 2980 तारीख 6-10-81 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची मे विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाईनो को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यत सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियो में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अत उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना मे संलग्न अनुसूची मे विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियो मे उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार मे विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओ से मुक्त रूप मे, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

कूप न० एस० एन० एन० से एस० एन० एन०

राज्य—गुजरात जिला व तालुका—मेहसाना

गांव	सर्वे न०	हेक्टेयर	एआर ई	सेन्टीयर
कमलपुरा	643/2	0	11	76
	588	0	08	20
	582/2	0	04	32

[सं० 12016/30/81/ओ० I]

का०आ० 1662.—यत पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाईन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम रसायन और उर्वरक मन्त्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का आ सं० 2979 तारीख 6 10 81 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियो के उपयोग के अधिकार को पाईप लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यत सक्षम अधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची मे विनिर्दिष्ट भूमियो मे उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अत उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची मे विनिर्दिष्ट उक्त भूमियो मे उपयोग का अधिकार पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियो मे उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार मे विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग मे, सभी बाधाओं से मुक्त रूप मे, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

कूप नं० एस० एन० एल० से एस० एन० एन०

राज्य—गुजरात	जिला तालुका	मेहसाना		
गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एआर ई	सेन्टीयर
जुटाना	1415	0	13	12
	1410	0	10	68
	1409	0	13	12

[सं० 12016/30/81-प्रो० II]

S.O. 1662.—Whereas by a notification of Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizer (Department of Petroleum) S.O. 3253 dated 6-10-1981 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1952) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to this notification.

Now therefore, in exercise of the power coferred by Sub-Section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines.

And further, in exercise of the power conferred by Sub-section (4) of that section the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Goverrnent vest on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from an encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Well No. SNL To SNN

State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Cen-tiare
Jotana	1415 Min	0	13	12
	1410 Min	0	10	68
	1409 Min	0	13	12

[No. 12016/30/81-Prod. II]

का०आ० 1663.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 3253 तारीख 5-11-81 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

डी०एस०एस०एन०वी० से एस०एन०एम० से जी०जी०एस० संथाल-1

राज्य—गुजरात जिला	व तालुका	मेहसाना		
गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एआर ई	सेन्टीयर
संथाल	635	0	01	20
	631	0	13	56
	628	0	14	40
	627	0	06	96

[सं० 12016/37/81-प्रो०-II]

S.O. 1663.—Whereas by a notification of Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizer (Department of Petroleum) S . O. 3253 dated 5-11-1981 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And further, in exercise of the power conferred by Sub-section (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government.

And further the Central Govirnment has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now therefore in exercise of the power coferred by Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines.

And further in exercise of the power conferred by Sub-section (4) of that section the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Goverrnent vest on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commissioner free from all encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline Rou from D.S. SNV To SNM to GGS Santhal-1

State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Cen-tiare
Santhal	635 Min	0	01	20
	631 Min	0	13	56
	628 Min	0	14	40
	627 Min	0	06	96

[No. 12016/37/81—Prod II]

का० आ० 1664.—यत: पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ०सं० 3252 तारीख 5-11-81 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अत: उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सर्व बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

कूप नं० एस०एन०वी० से एस०एन०एम० से जी०जी०एस० संथाल-1

राज्य : गुजरात जिला और तालुका : मेहसाणा

गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एआरई	सेन्टीयर
कसलपुरा	549	0	02	40
	548	0	07	92
	552	0	06	00
	576/1	0	03	60
	558/2	0	03	60
	558/1	0	05	52
	569	0	11	16
	560/2	0	02	30
	574/1	0	12	50
	573	0	07	60
	570	0	07	92

[सं० 12016/37/81-प्रो०-I]

S.O. 1664.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizer (Department of Petroleum) S. O. 3252 dated 5-11-1981 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now therefore, in exercise of the power coferred by Sub-section (I) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification herby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline Rou from Well No. SNV to SNM to GGS Santhal-1.

State : Gujarat District & Taluka : Meshana

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Cen-tiare
Kasalpura	549	0	02	40
	548	0	07	92
	552	0	06	00
	576/1	0	03	60
	558/2	0	03	60
	558/1	0	05	52
	569	0	11	16
	560/2	0	02	30
	574/1	0	12	50
	573	0	07	60
	570	0	07	92

[No. 12016/37/81/-Prod. I]

का० आ० 1665.—यत: पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 1(2 तारीख 2(-12 81 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अत: उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सर्व बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

कूप नं० 18 से बूथ नं० 2 तक पाइप लाईन बिछाने के लिए ।

राज्य गुजरात जिला भरूच तालुका अंकलेश्वर

गांव	ब्लाक नं	हेक्टेयर	एआरई	सेन्टीयर
सरथान	36	0	08	89
	32	0	04	03
	30	0	09	10
	27	0	05	59
	26	0	05	59
	40	0	08	19
	566	0	16	38
	564	0	04	03

[सं० 12016/60/81 प्रो०-II]

S.O. 1665.—Whreas by a notification of Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizer (Department of Petroleum) S. O. 132 dated 23-12-81 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1952) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to this notification.

Now therefore, in exercise of the power coferred by Subsection (1) of the Section 6 of the said Act the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines.

And further, in exercise of the power conferred by Subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Goverment vest on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline From Well No. 18 to Booth No. 2
State : Gujarat District : Bharuch Taluka : Ankelshwar

Village	Block No.	Hectare	Are	Centiare
Sarthan	36 Min	0	08	89
	32 Min	0	04	03
	30 Min	0	09	10
	27 Min	0	05	59
	26 Min	0	05	59
	40 Min	0	08	19
	566 Min	0	16	38
	564 Min	0	04	03

[No. 12016/60/81-Prod. II]

का०आ० 1666—यत केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में जे०ए०ए० से झालोरा जी०जी० एस० I तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाईपलाईन तेल तथा प्राकृतिक गस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यत यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अत: अब पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) धारा 3 की उपधारा (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी निधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

जे०ए०ए० से झालोरा, जी०जी०एस I तक पाइप लाईन बिछाने के लिए।

राज्य. गुजरात जिला: मेहसाना तालुका: कड़ी

गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एआरई	सेंटीयर
बोरेसना	519	0	22	00
	514/1	0	21	23
	515/1	0	16	65
	543	0	11	10
	545	0	01	88

[सं० 12016/66/81-प्रो०]

टी० एन० परमेश्वरण, अवर सचिव

S.O. 1666.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from JAA to GGS JHALORA I in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:

Now, therefore, in exercise of the powers confered by subsection (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009.)

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be hear person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from JAA OT JHA ORA GGS I

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Kadi

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Borisana	519	0	22	00
	514/1	0	21	23
	515/1	0	16	65
	543	0	11	10
	545	0	01	88

[No. 12016/66/81—Prod.]

J.N. PARAMESWARAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1982

का०आ० 1667.—यतः इस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट और पेट्रोलियम खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोगके अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा इण्डियन आयल कार्पोरेशन लिमिटड के लिए उत्तर प्रदेश में मथुरा से पंजाब में जलन्धर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया गया है ।

और यतः इण्डियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटड ने उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (i) में निर्दिष्ट प्रक्रिया को अनुसूची में निर्दिष्ट गांव के नाम के सामने दिखाई गई तिथि से पर्यवसित कर दिया है ।

अब यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकारों का अर्जन), नियमावली 1963 के नियम 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी उक्त तिथि को ऊपर निर्दिष्ट प्रक्रिया पर्यवसान के रूप में एतद्द्वारा अधिसूचित करते है ।

अनुसूची

व्यतिक्षेत्र मथुरा जालधन्र तक पाइप लाइन

प्रक्रिया पर्यवसान

तहसील : गुड़गांवा जिला : गुड़गांवा राज्य : हरियाणा

मंत्रालय का नाम	गांव	का०आ० सं०	भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि	प्रक्रिया पर्यवसान की तिथि
1	2	3	4	5
पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग)	रेठोज	467	7-2-81	19-10-81

[सं० एम० जे० पी० एल०/इं०/एस० ए०/7/12]

प्रभु दयाल खुराना, सक्षम प्राधिकारी,
हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और दिल्ली

New Delhi, the 15th April, 1982

S.O. 1667.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in Land Act, 1962, the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the Indian Oil Corporation Limited for the transport of petroleum from Mathura in Uttar Pradesh to Jullundur in Punjab.

And whereas the Indian Oil Corporation Limited has terminated the operation referred to in clause (i) sub-section (1) of section 7 of the said Act on the date shown against the name of village in the schedule.

Now, therefore, under rule 4 of the Petroleum and Minerals piplines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority here by notifies the said date as the date of termination of the said operation.

SCHEDULE

Termination of operation of Pipeline from:

Tehsil: Gurgaon District : Gurgaon State : Haryana

Name of Ministry	Name of Village	S.O. No.	Date of Publication in Gazette of India.	Date of Termination
1	2	3	4	5
Petroleum, Chemicals & Fertiliser (Deptt. of Petroleum)	Rethoj	467	7-2-81	19-10-81

[No. JPL/G/LA/7/12]

Prabhu Dyal Khurana
Competent Authority
Haryana ; Uttar Pradesh & Delhi.

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

CORRIGENDUM

New Delhi the 16th April, 1982

S.O. 1668.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Steel, Mines and Coal (Department of Coal), No. S.O. 1250, dated the 18th April, 1980, published in the Gazette of India, Part II—Section 3—Sub-stction (ii), dated the 3rd May, 1980, —

at page 1307 :

in line 2 *for* "such section (7)"
read "sub-section (7)"
in line 8 *for* "1 Rev"
read "Rev"
in line 23 *for* "Lohaura"
read "Lohanra"
in line 34 *for* "Gohhna", "Nandiha"
read "Golhana',, "Naudiha"
in line 35 *for* "Nandiha"
read "Naudhia"
in line 39 *for* "Lohaura"
read "Lohanra"
in line 40 *for* "Garighat"
read "Garikhas"

[No. 19/5/80-CL]

SWARAN SINGH, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 1982

का०आ० 1699 औषध और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के खण्ड 21 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री देवव्रत राय को 2 नवम्बर, 1981 (पूर्वाह्न) से समस्त भारत के लिए केन्द्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन में औषध निरीक्षक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त करते है ।

[सं० ए०-12025/5/81-औषध]

जी० पंचापकेशन, अवर सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 6th February, 1982.

S.O. 1669.—In exercise of the powers conferred by sub-Section (1) of Section 21 of the Drugs and Cosmetics Act, 1940, the Central Government hereby appoints Shri Debabrata Roy as Drugs Inspector in the Central Drugs Standard Control Organisation for whole of India, on temporary basis with effect from the 2nd November, 1981(FN).

[F. No. A. 12025/5/81-D]

G. P. ANCHAPAKESAN, Under Secy.

(स्वास्थ्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1982

का० आ० 1670.—यतः भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय की 5 जून, 1964 की अधिसूचना संख्या का० आ० 2044 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने निदेश दिया है कि भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) के प्रयोजनों के लिए चिकित्सा अर्हता "एम० डी० (जान हापकिन्स यूनिवर्सिटी, यू० एस० ए०)" मान्य चिकित्सा अर्हता होगी ;

और यतः डा० रोनाल्ड स्टुअर्ट सेटन जिनके पास उक्त अर्हता है, धमर्थि कार्य के प्रयोजनों के लिए फिलहाल म्योर मेमोरियल अस्पताल नागपुर के साथ सम्बद्ध हैं ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (1) के परन्तुक के खंड (ग) का पालन करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा :—

(क) 31 दिसम्बर, 1982 तक की और अवधि, अथवा

(ख) उस अवधि को जब तक डा० रोनाल्ड स्टुअर्ट सेटन उक्त म्योर मेमोरियल अस्पताल, नागपुर के साथ सबद्ध रहते हैं, जो भी कम हों, वह अवधि विनिर्दिष्ट करती है; जिसमें पूर्वोक्त डाक्टर मेडिकल प्रेक्टिस कर सकेंगे।

[सं० वी० 11016/1/82/एम० ई० (पी०)]

पी० सी० जैन, अवर सचिव

(Department of Health)

ORDER

New Delhi, the 24th April, 1982

S.O. 1670.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Health No. S.O. 2044, dated the 5th June, 1964, the Central Government has directed that the medical qualifications, 'M.D. (John Hopkins University U.S.A.)' shall be a recognised medical qualification for the purposes of the Indian Medical Council Act 1956 (102 of 1956);

And whereas Dr. Ronald Stuart Seaton, who possesses the said qualification is for the time-being attached to the Mure Memorial Hospital, Nagpur, Maharashtra for the purposes of charitable work;

Now, therefore, in pursuance of clause (c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies—

(i) a further period upto 31st December, 1982 or

(ii) the period during which Dr. Ronald Stuart Seaton is attached to the said Mure Memorial Hospital, Nagpur, whichever is shorter, as the period to which the medical practice by the aforesaid doctor shall be limited.

[No. V. 11016/1/82-M.E. (Policy)]

P. C. JAIN, Under Secy.

ग्रामीण विकास मंत्रालय

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1982

का० आ० 1671.—ऊन श्रेणीकरण और चिह्नांकन (संशोधन) नियम 1981 का प्रारूप कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा यथा अपेक्षित भारत सरकार के ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 293 तारीख 8 जनवरी, 1981 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग-II खंड 3, उपखंड (ii), तारीख 24 जनवरी, 1981 पृष्ठ पर प्रकाशित किया गया था, जिसमें उक्त अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिन की अवधि की समाप्ति तक उन सभी व्यक्तियों से आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे, जिनके उससे प्रभावित होने की सम्भावना है।

और उक्त राजपत्र की प्रतियां 5 फरवरी, 1981 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी ;

और केन्द्रीय सरकार को जनता से उक्त प्रारूप की बाबत कोई आक्षेप और सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ऊन श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1975 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम ऊन श्रेणीकरण और चिह्नांकन (संशोधन) नियम, 1982 है।

2. ऊन श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1975 में (1) नियम 2 में,:—

(क) खंड (ग) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अंतः स्थापित किया जाएगा अर्थात् :—

"(गग) "प्राधिकार प्रमाणपत्र" से साधारण श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम 1937 के नियम 3 के अधीन जारी किया गया प्राधिकार प्रमाणपत्र अभिप्रेत है।"

(ख) खंड (घ) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अंतः स्थापित किया जाएगा अर्थात् :—

"(घघ) "काउन्ट" से ऊन को उसकी विशुद्धता और कताई योग्यता को उपदर्शित करते हुए दी गई संख्या अभिप्रेत है ,

(ग) खंड (घ) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अंत. स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"(ड) "व्यास 1 विशुद्धता" से अनुसूची 6 क में यथा विहित रेशे की चौड़ाई और माध्यम रेशे का व्यास अभिप्रेत है" ;

(2) नियम 3 में "अनुसूची 1 से 6" शब्दों और अंकों के स्थान पर निम्नलिखित शब्द और अंक रखे जाएंगे, अर्थात् .—

"अनुसूची 1 से 6 क" ;

3) नियम 4 में,:—

(i) उपनियम (1) में, "अनुसूची 1 से 6" शब्दों और अंकों के स्थान पर निम्नलिखित शब्द और अंक रखे जाएंगे, अर्थात् :—

"अनुसूची 1 से 6 क" ;

(ii) उपनियम (2) में :—

(क) खंड (1) से (10) तक में, "वनस्पति रेशे" के पश्चात् निम्नलिखित शब्द अन्तः स्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

"या संश्लिष्ट रेशे अथवा गलभ ग्रस्त/जली हुई ऊन" ,

(ख) खंड (10) में, "पशु" शब्द के स्थान पर "भेड़ से भिन्न कोई अन्य" पशु शब्द रखे जाएंगे ;

(4) नियम 5 के खंड (ख) में मद "6" और "7" को क्रमशः "7" और "8" के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा और इस प्रकार पुनः संख्यांकित मद के पूर्व निम्नलिखित अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"(6) काउन्ट" ;

(5) नियम 7 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

"7 निरीक्षण :

गांठों का श्रेणी अभिधान, विपणन और निरीक्षण निदेशालय की मुम्बई या जामनगर स्थित दो ऊन परीक्षण प्रयोगशालाओं में से किसी में ऊन के नमूनों का रंग, प्रकार और प्राप्ति तथा व्यास/विशुद्धता के लिए ऊन के नमूनों का परीक्षण किए जाने के पश्चात घोषित किया जाएगा।"

(6) (----------*)

(7) नियम 14 में, निम्नलिखित उपनियम अंत:स्थापित किया जाएगा, अर्थात :--

"(3) परिमाणित ऊन के लाटो की दशा में ऐगमार्क श्रेणीकरण प्रमाणपत्र के परिशिष्ट के रूप में एक प्रतिबंधी प्रमाणपत्र भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत अधिकारी द्वारा जारी किया जाएगा।"

(8) अनुसूची 1 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची और प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात :--

"अनुसूची--1

(नियम 3, 4, 8, 9 और 10 देखिए)

भारतीय कतरित तथा मिश्रित ऊन का श्रेणी अभिधान तथा विशेष लक्षण

श्रेणी अभिधान	रेशे का रंग	विशेष लक्षण		
		प्रयोगशाला में परिमार्जित ऊन का प्रतिशत	अधिकतम वनस्पति द्रव्य	टिप्पणियां
1	2	3	4	5
क. कतरित				
सफेद	सफेद	80 से अधिक 85 से अधिक 90 से अधिक	5 प्रतिशत	यदि वनस्पति द्रव्य की मात्रा 3 प्रतिशत से ऊपर और 5 प्रतिशत तक हो तो यह एगमार्क श्रेणीकरण प्रमाणपत्र में उपदर्शित किया जाएगा।
हल्की सफेद	हल्की सफेद	77 से अधिक 80 से अधिक 85 से अधिक 90 से अधिक	5 प्रतिशत	
फीकी पीली	फीकी पीली	74 से अधिक 77 से अधिक	5 प्रतिशत	
पीली	पीली	80 से अधिक 85 से अधिक 90 से अधिक		
रंगीन	रंगीन	70 से अधिक 75 से अधिक 80 से अधिक	5 प्रतिशत	
ख. मिश्रित				
सफेद	सफेद	80 से अधिक 85 से अधिक 90 से अधिक	5 प्रतिशत	
हल्की सफेद	हल्की सफेद	74 से अधिक		
फीकी पीली	फीकी पीली पीली	77 से अधिक, 80 से अधिक 85 से अधिक 90 से अधिक	5 प्रतिशत	यदि वनस्पति द्रव्य की मात्रा 3 प्रतिशत से ऊपर और 5 प्रतिशत तक हो, तो यह एगमार्क श्रेणी करण प्रमाणपत्र में उपदर्शित किया जाएगा।
रंगीन	रंगीन	70 से अधिक 75 से अधिक 80 से अधिक	5 प्रतिशत	स्पष्टीकरण : "मिश्रित" शब्द से कतरित ऊन सहित कर्षित ऊन तथा/अथवा धुनी ऊन का सम्मिश्रण अभिप्रेत होगा। यदि सम्मिश्रण 10 प्रतिशत से अधिक है तो उसे मिश्रित ऊन घोषित किया जाएगा। यदि कर्षित ऊन और/या अथवा धुनी ऊन के

1	2	3	4	5
				सम्मिश्रण क. प्रतिशत 25 से अधिक है, तो इस सम्मिश्रण की किस्म के आधार पर, यथास्थिति कर्षित ऊन या क्षुती ऊन घोषित किया जाएगा, '

*हिन्दी पाठ मे यह सशोधन आवश्यक नही है।

(9) अनुसूची 2 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियो के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची और प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात –,

"अनुसूची 2

(नियम 3, 4, 8, 9 और 10 देखिए)

भारतीय कर्षित ऊन का श्रेणी अभियान तथा विशेष लक्षण

श्रेणी अभियान	रेशे का रंग	विशेष लक्षण		
		प्रयोगशाला मे परिमार्जित ऊन का प्रतिशत	अधिकतम वनस्पति द्रव्य	टिप्पणियां
कर्षित सफेद	सफेद	80 से अधिक 85 से अधिक 90 से अधिक	5 प्रतिशत	1 यदि वनस्पति द्रव्य की मात्रा 3 प्रतिशत से अधिक तथा 5 प्रतिशत तक हो तो इसे एगमार्क श्रेणीकरण प्रमाणपत्र मे उपदर्शित किया जाएगा।
कर्षित हल्की सफेद	हल्की सफेद	77 से अधिक 80 से अधिक 85 से अधिक 90 से अधिक	5 प्रतिशत	
कर्षित फीकी पीली	फीकी पीली	74 से अधिक 77 से अधिक 80 से अधिक	5 प्रतिशत	
कर्षित पीली	पीली	85 से अधिक 90 से अधिक		
कर्षित रंगीन	रंगीन	70 से अधिक 75 से अधिक 80 से अधिक	5 प्रतिशत	स्पष्टीकरण — कर्षित ऊन" से चुने हुए स्पर्श से कर्षित ऊन से भिन्न ऊन अभिप्रेत है",

(10) अनुसूची 3 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियो के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची और प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात -

"अनुसूची 3

(नियम 3, 4, 8, 9, और 10 देखिए)

भारतीय चर्म सस्कारी ऊन (क्षुना स्पर्शित) का श्रेणी अभियान तथा विशेष लक्षण

श्रेणी अभियान	रेशे का रंग	विशेष लक्षण		
		प्रयोगशाला मे परिमार्जित ऊन क. प्रतिशत	अधिकतम वनस्पति	टिप्पणियां
1	2	3	4	5
(क) दक्षिण भारतीय चर्म सस्कारी तथा अवम प्रकार की ऊन से भिन्न ऊन				
क्षुना स्पर्शित सफेद	सफेद	75 से अधिक 80 से अधिक 85 से अधिक 90 से अधिक	5 प्रतिशत	1. यदि वनस्पति द्रव्य की मात्रा 3 प्रतिशत से अधिक तथा 5 प्रतिशत तक हो तो इसे एगमार्क श्रेणीकरण प्रमाण पत्र मे उपदर्शित किया जाएगा।
क्षुना स्पर्शित हल्की सफेद	हल्की सफेद सफेद	72 1/2 से अधिक 75 से अधिक		
क्षुना स्पर्शित फीकी पीली	फीकी पीली पीली	80 से अधिक 85 से अधिक	5 प्रतिशत	
क्षुना स्पर्शित पीली	पीली	90 से अधिक		
क्षुना स्पर्शित रंगीन	रंगीन	65 से अधिक 70 से अधिक	5 प्रतिशत	

1	2	3	4	5
		75 से अधिक		
		80 से अधिक		
(ख) दक्षिण भारतीय चर्म-संस्कारी तथा अवन प्रकार की ऊन				
चर्म संस्कारी सफेद	सफेद	60 से अधिक	5 प्रतिशत	
चर्म संस्कारी हल्की सफेद	हल्की सफेद	65 से अधिक		
चर्म संस्कारी फीकी पीली	फीकी पीली	70 से अधिक		
फीकी पीली	पीली			
पीली				
चर्म संस्कारी पीली	पीली	75 से अधिक		
		80 से अधिक		
चर्म संस्कारी रंगीन	रंगीन	55 से अधिक		
		60 से अधिक		
		65 से अधिक	5 प्रतिशत	
		70 से अधिक		
		75 से अधिक		

(11) अनुसूची 4 में, विद्यमान प्रविष्टि "नियम 3, 4(1), आदि देखिए"

प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—(नियम 3, 4, 8, 9 और 10 देखिए)"

(12) अनुसूची 5 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची और प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात्:—

अनुसूची 5

(नियम 3, 4, 8, 9 और 10 देखिए)

भारतीय ओटी हुई ऊन का श्रेणी अभिधान तथा विशेष लक्षण

श्रेणी अभिधान	रेशे का रंग	प्रयोगशाला में परिमार्जित ऊन का प्रतिशत	अधिकतम वनस्पति द्रव्य	टिप्पणियां
1	2	3	4	5
ओटी हुई सफेद	सफेद	80 से अधिक 85 से अधिक 80 से अधिक	5 प्रतिशत	यदि वनस्पति द्रव्य की मात्रा 3 प्रतिशत से अधिक तथा 5 प्रतिशत तक है तो इसे एगमार्क श्रेणीकरण प्रमाण पत्र में उपदर्शित किया जाएगा।
ओटी हुई हल्की सफेद	हल्की सफेद	77 से अधिक 80 से अधिक 85 से अधिक 90 से अधिक	5 प्रतिशत	
ओटी हुई फीकी पीली ओटी हुई पीली पीली	फीकी पीली पीली पीली पीली	71 से अधिक 77 से अधिक 80 से अधिक 85 से अधिक 90 से अधिक	5 प्रतिशत	
ओटी हुई रंगीन	रंगीन	70 से अधिक 75 से अधिक 80 से अधिक	5 प्रतिशत	

(13) अनुसूची 6 में—

(क) "विद्यमान प्रविष्टि [नियम 8, 4 (1) आदि देखिए]"

के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी अर्थात्:—

"(नियम 3, 4, 8, 9 और 10 देखिए)"

(ख) स्तम्भ 8 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित स्तम्भ और प्रविष्टि रखी जायगी, अर्थात्:—

"प्रयोगशाला में परिमार्जित ऊन का प्रतिशत

(3) **

95% से अधिक

(ग) विद्यमान पाद टिप्पण के स्थान पर निम्नलिखित पाद टिप्पण रखा जाएगा, अर्थात्:—

"(1) परिमार्जित ऊन के लाटों की दशा में लाट का शुद्ध भार और प्रतिबन्धित भार भी एगमार्क श्रेणीकरण प्रमाणपत्र में किलोग्राम में उपदर्शित किया जाएगा;

(2) यदि पैकर उस देश का नाम घोषित करता है, जिसके लिए लाट (ऊन) परेषित है तो ऊन के लाट का प्रतिबन्धित भार किलोग्राम में किसी विनिर्दिष्ट देश के लिए घोषित किया जाएगा।

(ष) स्तम्भ (5) में, मद 1 में, "प्रतिबंधी प्रमाणपत्र" शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित शब्द रखे जायेंगे, अर्थात् —

"एगमार्क श्रेणीकरण प्रमाणपत्र"

** भा०मा० : 1349–1964 ;

(14) अनुसूची 6 के पश्चात निम्नलिखित अनुसूची अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

"अनुसूची 6 क"

(नियम 2 (घघ) (द) 3, 4, 8, 9 और 10 देखिए)

भारतीय ऊन की विशुद्धता श्रेणियां

काउन्ट	माइक्रोन में औसत रेशा व्यास के लिए रेन्ज
48 एस	34, 40 के अधीन
44 एस	34, 41 से 36, 20 तक
40 एस	36, 21 से 38, 60 तक
36 एस	38, 61 से 40, 80 तक
36 एस से मोटी	40 81 से अधिक

* अनुसूची 1 से 5

* भा०मा० 5910–1977"

(15) अनुसूची 7 में "प्राप्ति की प्रतिशतता" मद के पश्चात "काउन्ट" अतिरिक्त मद अन्तःस्थापित की जाएगी

(16) अनुसूची 8 में "प्राप्ति की प्रतिशतता" मद के पश्चात "काउन्ट" अतिरिक्त मद अंतःस्थापित की जाएगी।

(17) अनुसूची 8 के पश्चात् निम्नलिखित अनुसूची अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात्

"अनुसूची 9"

(नियम 14(3) देखिए)

भारत सरकार

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

(जारी करने वाले कार्यालय की मोहर)

प्रतिबंधी प्रमाण पत्र

पहचान परीक्षण

ऊन का प्रकार : परिमार्जित ऊन

गांठों की संख्या :

जारी किए गए एगमार्क लेबलों की संख्या

कुल भार :

सकल भार (किलोग्राम)

घोषित आधेय भार (किलोग्राम)

शुद्ध भार (किलोग्राम)

परीक्षण परिणाम

1. कोर नमूना भार	ग्राम
2. आवाशुष्क भार :	ग्राम
3. हानि .	ग्राम
4. आर्द्रता अंश	%
5 कलेदाप्ति (रिग्रेन)	%
6. शुद्ध भार, आवाशुष्क	ग्राम या %
7. % की कलेवाप्ति (रिगेन)	कि०ग्रा० या %
परीक्षण के अनुसार बीजक भार :	कि०ग्रा० या %
लाभ .	कि. ग्रा० या %
मूल शुद्ध भार	कि०ग्राम या 100%

तारीख

अधिकारी के हस्ताक्षर, मोहर सहित।

[सं० 13/10/76-ए एम]

डी० मेहता, निदेशक (विपणन)

पाद टिप्पण : ऊन श्रेणीकरण और विपणन नियम, 1975 का यह प्रथम संशोधन है।

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT

New Delhi, the 21st April, 1982

S.O. 1671.—Whereas the draft of Wool Grading and Marking (Amendment) Rules, 1981 was published as required by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) on pages 286 to 295 of the Gazette of India Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 24th January 1981 under the notification of the Government of India in the Ministry of Rural Reconstruction No. S.O 293 dated the 8th January, 1981 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected, thereby till the expiry of the period of the forty five days from the date of the publication of the said notification;

And whereas Gazette copies of the said notification were made available to the public on the 5th February, 1981;

And whereas no objections or suggestions have been received from the public;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act 1937 (1 of 1937) the Central Government hereby makes the following rules, to amend the Wool Grading and Marking Rules, 1975, namely :—

1. These rules may be called the Wool Grading and Marking (Amendment) Rules, 1982.

2 In the Wool Grading and Marking Rules, 1975, —

(1) in rule 2, —

(a) after clause (c), the following clause shall be inserted, namely :—

"(cc) 'Certificate of Authorisation' means the Certificate of Authorisation issued under rule 3 of the General Grading and Marking Rules, 1937";

(b) after clause (d), the following clause shall be inserted, namely :—

"(dd) 'Court' means number given to wool indicating its fineness and spinnability";

(c) after clause (q), the following clause shall be inserted, namely :—

"(r) 'diameter/fineness' means fibre width or mean fibre diameter as prescribed in schedule VI-A";

(2) in rule 3, for the words and figures "Schedules I to VI" the following words and figures shall be substituted, namely :—
"Schedules I to VI-A";

(3) in rule 4, —

(i) in sub-rule (1), for the words and figures "Schedules I to VI", the following words and figures shall be substituted, namely :—
"Schedule I to VI-A";

(ii) in sub-rule (2),—

(a) in clause (i) to (x), after the words, "vegetable fibre", the following words shall be inserted, namely :—

"or synthetic fibre or moth infested burnt wool";

(b) in clause (x) for the word "animal", the words "any animal other than sheep" shall be inserted ;

(4) in rule 5, in clause (b) items '(vi) and (vii)' will be renumbered as '(vii) and (viii)', respectively, and before item '(vii)' so renumbered, the following shall be substituted, namely :—

"(vi) Count",

(5) in rule 7, for the words, "in either of the two Wool Testing Laboratories", the words, "and diameter/fineness in either of the two Wool Testing Laboratories of the Directorate of Marketing and Inspection" shall be substituted;

(6) in rule 8, in clause (a), for the words and letters "Schedules I to IV" the following words and letters shall be substituted, namely :—
"Schedules I to VI";

(7) in rule 14, the following sub-rule shall be inserted, namely :—

"(3) In the case of lots of scoured wool, a conditioning certificate shall be issued by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or an officer authorised by him in this behalf as an appendix to the Certificate of Agmark Grading."

(8) for Schedule I and the entries relating thereto, the following Schedule and entries shall be substituted, namely :—

"SCHEDULE I

(See Rules 3,4,8,9, and 10)

Grade Designation And Special-Characteristics Of Indian Clipped And Mixed Wools

Grade Designation	Colour of fibre	Special Characteristics		Remarks
		Laboratory scoured yield per cent of Wool	Maximum vegetable matter	
1	2	3	4	5
A. CLIPPED				
White	White	over 80 over 85 over 90	5 percent	If the vegetable matter content is over 3 percent and upto 5 percent, it shall be indicated in the Certificate of Agmark Grading.
Tringed White	Tringed White	over 77 over 80 over 85 over 90	5 percent	

1	2	3	4	5
Pale Yellow	Pale Yellow	over 74 over 77	5 percent	
Yellow	Yellow	over 80 over 85 over 90		
Coloured	Coloured	over 70 over 75 over 80	5 percent	
B. MIXED				
White	White	over 80 over 85 over 90	5 percent	If the vegetable matter content is over 3 percent and upto 5 percent, it shall be indicated in the Certificate of Agmark Grading.
Tinged White Pale Yellow	Tinged White Pale yellow	over 74 over 77 over 80 over 85 over 90	5 percent	
Yellow	Yellow			
Coloured	Coloured	over 70 over 75 over 80	5 percent	Explanation . The term 'Mixed' shall mean admixture of pulled wool and/or carded wool with clipped wool. It shall be declared as Mixed if the admixture is in excess of 10 percent. If the percentage of admixture of pulled and/or carded wool exceeds 25 percent, it shall be declared as pulled wool or carded wool, as the case may be ; depending upon the type of admixture."

(9) for Schedule II and entries relating thereto, the following Schedule and the entries shall be substituted, namely :-

"SCHEDULE II

(See rules 3,4,8,9, and 10)

GRADE DESIGNATION AND SPECIAL CHARACTERISTICS OF INDIA PULLED WOOL

Grade Designation	Colour of fibre	Special characteristics		Remarks
		Laboratory scoured yield percent of wool	Maximum vegetable matter	
1	2	3	4	5
Pulled White	White	over 80 over 85 over 90	5 per cent	If the vegetable matter content is over 3 per cent and upto 5 percent, it shall be indicated in the Certificate of Agmark Grading.
Pulled Tinged White	Tinged White	over 77 over 80 over 85 over 90	5 per cent	
Pulled pale Yellow	Pale Yellow	over 74 over 77 over 80	5 per cent	
Pulled		over 85		
Yellow Pulled Coloured	Yellow Coloured	over 90 over 70 over 57 over 80	5 per cent	Explanation: "Pulled Wool" means other than limed pulled wool."

(10) for Schedule III and the entries relating thereto, the following Schedule and entries shall be substituted, namely:--

"SCHEDULE III

(See rules 3,4,8,9, and 10)

GRADE DESIGNATION AND SPECIAL CHARACTERISTICS OF INDIAN TANNERY WOOL (LIMITED)

Grade designation	Colour of fibre	Special characteristics: Laboratory scoured yield percent of wool	Special characteristics: Maximum vegetable matter	Remarks
1	2	3	4	5
(a) Wool other than South Indian Tannery and Aden Type				
Limed White	white	Over 75 over 80 over 85 over 90	5 per cent	If the vegetable matter content is over 3 percent and upto 5 percent it shall be indicated in the Certificate of AgmarkGrading.
Limed Tinged White	Tinged White	over 72 1/2 over 75 over 80 over 85 over 90	5 per cent	
Limed Pale Yellow	Pale Yellow			
Limed Yellow	Yellow			
Limed Coloured	Coloured	over 65 over 70 over 75 over 80	5 per cent	
(b) South India n Tannery and Aden Type Wools				
Tannery White	White—	over 60 over 65	5 per cent	
Tannery Tinge White	Tinged— White—	over 70— over 75— over 80—		
Tannery Pale Yellow	pale Yellow			
Tannery Yellow	Yellow—			
Tannery coloured	Coloured	over 55 over 60 over 65 over 70 over 75	5 per cent	

(11) In Schedule IV, - for the existing entry, "(See rule 3 4 (1), etc.)", the following entry shall be substituted, namely:--

"(See rules 3,4,8,9, and 10)"

(12) for Schedule V and the entries relating thereto, the following Schedule and entries shall be substituted, namely:--

"SCHEDULE V

(Sed rules 3,4, 8 9, and 10)

GRADE DESIGNATION AND SPECIAL CHARACTERISTICS OF INDIAN GINNED WOOL

Grade Designation	Colour of fibre	Special characteristics: Laboratory scoured yield percent of wool	Special characteristics: Maximum vegetable matter	Remarks
1	2	3	4	5
Ginned White	White	over 80 over 85 over 90	5 per cent	If the Vegetable matter content is over 3 percent and upto 5 per cent, it shall be indicated in the Certificate of Agmark Grading.

Ginned Tinged while	Tinged White	Over 77 over 80 over 85 over 90	5 per cent
Ginned Pale Yellow	Pale Yellow	over 74 over 77	
Ginned Yellow	Yellow	over 80 over 85 over 90	5 per cent
Ginned Coloured	coloured	over 70 over 75 over 80	5 per cent

(13) in Schedule VI,

(a) for the existing entry "(See rule 3,4, (1) etc.)", the following entry shall be substituted, namely:--
"(See rules 3,4,8,9, and 10)" ;

(b) for column 3 and the entry relating thereto, the following column and the entry shall be substituted, namely :--

"Laboratory Scoured yield percentage (3)
over 95%

for the existing foot-note, the following footnotes shall be substituted, namely:--

"(1) The net weight and the conditioned weight of the lot in the case of lots of scoured wool shall also be indicated in the Certificate Agmark Grading in Kg. ;

(2) The conditioned weight of a wool lot in Kg. shall be declared for a specific country if the packer declares the name of the country to which the lot (wool) is consingned." ;

d) in column (5), in item 1, for the words "Conditioning Certificate", the following words shall be substituted, namely:--

"Certificate of Agmark Grading" ;

**IS: 1349—1964.

14. after Schedule VI, the following Schedulshall be inserted, namely, "Schedule VI - A" ;

"SCHEDULE VI - A

(See rule 2 (dd), 2 (r) 3,4,8,9, and 10)

***Fineness grades of Indian Wools

Count	Range for average fibre diameter in microns
48 s	Under 34.40
44 s	34.41 to 36.20
40 s	36.21 to 38.60
36 s	38.61 to 40.80
Coarser than 36 s	Over 40.81

*Schedule I to VI

***IS : 5910-1977" ;

15. in Schedule VII, after the words "Yield percentage", the additional item "count" shall be inserted.

16.in Schedule VIII after item "Yield Percentage" the additional item "Count" Shall be inserted.

17. after Schedule VIII, the following Schedule shall be inserted, namely:--

"SCHEDULE IX

(See rule 14 (3)

Government of India

Ministry of Rural Reconstruction
Directorate of Marketing and Inspection

(Stamp of the Issuing Officer)

Conditioning Certificate

Test Identification

Wool Type : Scoured wool
Number of bales :
Number of Agmark labels issued :
Total weight :
Gross (Kg.) .
Declared tare (Kg.) :
Nett. (Kg.) :

Rest Results

1. Core sample weight :	Gms
2. Oven dry weight :	Gms
3. Loss :	Gms
4. Moisture content :	%
5. Regain :	%
6. Net weight, Oven dry:	Kg. or %
7. Official Regain of % :	Kg. or %
Invoice weight as per test :	Kg. or %
Gain :	Kg. or %
Original net weight :	Kg. or 10%
Date :	

Signature of the Officer with stamp."

[No. 13/10/76-AM]
D. Mehta, Director
Marketing

Foot Note : This is the first Amendment to the Wool Grading and Marking Rules, 1975.

दिल्ली विकास प्राधिकरण

नई दिल्ली, 14 जनवरी, 1982

का० आ० 1672—दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 की धारा 22 की उपधारा (4) की व्यवस्थाओं के अनुसरण में दिल्ली विकास प्राधिकरण निम्नलिखित अनुसूची में उल्लिखित भूमि केन्द्रीय सरकार को निवर्तन हेतु वापिस करता है जो केन्द्रीय सरकार को आगे दिल्ली नगर निगम के जल सम्भरण एवं मल व्ययन संस्थान को आर० सी० सी० कुओं के निर्माण के लिये हस्तान्तरित करने हेतु चाहिये।

अनुसूची

लगभग 6 बीघे और 12 बिसवे माप का भूमि खंड जो चिराग दिल्ली खसरा नं०-50 मिन में स्थित है और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं :—

उत्तर में :	सड़क
दक्षिण में :	खसरा नं०-50 मिन का कृषि क्षेत्र
पूर्व में :	-वही-
पश्चिम में :	-वही-

[सं० टी० एन० 2 (221)/73]
ह०/-
सचिव
दिल्ली विकास प्राधिकरण

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

New Delhi, 14th January 1982

S.O.1672.—In pursuance of the provisions of Sub-Section (4) of Section 22 of the Delhi Development Act, 1957, the Delhi Development Authority replaces at the disposal of the Central Government, the land described in the schedule below, which is required by the Government for further transfer to the Water Supply and Sewage Disposal Undertaking of the Municipal Corporation of Delhi for the construction of R.C.C Wells.

SCHEDULE

Piece of land measuring about 6 bighas 12 biswas situated in Chiragh South bearing Kh. No. 50 min and bounded as under:—

North	: Road
South	: Cultivated/field of Kh. No. 50 Min
East	: -do-
West	: -do-

[No. TN. 2(221)/73]
Sd/-
Secretary
Delhi Development Authority

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 1982

का० आ० 1673—अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण अधिनियम 1971 (1971 का 43) की धारा 3 की उप-धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निम्नलिखित को तत्काल ही तीन वर्ष की अवधि के लिये अथवा अपने पद का कार्यभार छोड़ने तक जो भी पहले हो, भारत अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण का अंशकालिक सदस्य नियुक्त करती है :

1. श्री सी० एम० चतुर्वेदी, पुन: नामांकन
 संयुक्त सचिव,
 पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय
2. कैप्टन के० चड्ढा, श्री ए० एच० मेहता के स्थान पर
 प्रबंध निदेशक,
 इंडियन एयरलाइंस,
 नई दिल्ली।

[ए० वी० 24012/1/82-ए. ए.]
एस० एकाम्बरम निदेशक

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

New Delhi, 3rd April, 1982

S.O.1673.— In exercise of the powers conferred by Sub-Section (3) of Section 3 of the International Airports Authority Act, 1971 (43 of 1971) the Central Government hereby appoints the following as part time members of the International Airports Authority of India, with immediate effect, for a period of three years or till they demit their office, whichever is earier:—

1. Shri C.M. Chaturvedi, Joint Secretary, Ministry of Tourism and Civil Aviation.		Renomination
2. Capt. K. Chaddha, Managing Director, Indian Airlines, New Delhi.	Vice	Shri A.H. Mehta

[AV. 24012/1/82-AA]
S. EKAMBARAM, Director

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1982

का॰आ॰ 1674.—चलचित्र (सेंसर) नियम, 1958 के नियम 10 के साथ पठित चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37) की धारा 5 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री जी॰ एस॰ राजगोपाल, आई॰पी॰एस॰ (राजस्थान-1971) को 5-3-1982 (अपराह्न) से अगले आदेश तक, प्रादेशिक अधिकारी, केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड, बंगलौर के पद पर प्रतिनियुक्ति आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करती है।

[फाइल सं॰ 802/9/82-एफ (सी)]

के॰ एस॰ वेंकटरामन, अवर सचिव

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 19th April, 1982

S.O. 1674.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 5 of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952), read with rule 10 of the Cinematograph (Censorship) Rules, 1958 the Central Government is pleased to appoint Shri G. S. Rajagopal, IPS (Raj : 1971), to officiate as Regional Officer, Central Board of Film Censors, Bangalore on deputation basis with effect from 5-3-82 (AN) until further orders.

[File No. 802/9/82-F(C)]

K. S. VENKATARAMAN, Under Secy.

पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय

(पुनर्वास विभाग)

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 1982

का॰ आ॰ 1675.—निष्क्रान्त हित (पृथक्करण) अधिनियम, 1951 (1951 का 13) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा श्री एस॰ एम॰ गुप्ता, सब जज, प्रथम श्रेणी, दिल्ली को, उनके अपने कार्य-भार के अतिरिक्त उक्त अधिनियम के अंतर्गत उनको सौंपे गए कार्यों का निष्पादन करने तथा सौंपी गई शक्तियों का उपयोग करने के लिए, दिल्ली संघ क्षेत्र के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है।

इससे दिनांक 21 अप्रैल, 1981 की अधिसूचना सं॰ 14(6)/77-एस॰ एस॰-2 का अतिक्रमण किया जाता है।

[सं॰ 1(4) विशेष सैल/82-एस॰ एस॰-2]

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION

(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 7th April, 1982

S.O. 1675.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 4 of the Evacuee Interest (Separation) Act, 1951 (LXIV of 1951), the Central Government hereby appoints Shri S. M. Gupta, Sub-Judge, 1st Class, Delhi, as Competent Officer for the Union Territory of Delhi for the purpose of performing, in addition to his own duties, the functions and exercising the powers assigned to him under the said Act.

This supersedes Notification No 14(6)/77-SS. II., dated the 21st April, 1981.

[No 1(4)/Spl. Cell/82-SS. II.]

नई दिल्ली, 13 अप्रैल, 1982

का॰आ॰ 1676.—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वास) अधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 3 की उपधारा (1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा श्री एस॰ के॰ बसु, संयुक्त सचिव, पुनर्वास विभाग को उक्त अधिनियम के द्वारा अथवा उसके अन्तर्गत मुख्य बन्दोबस्त आयुक्त को सौंपे गए कार्यों का निष्पादन करने के लिए तत्काल प्रभाव से मुख्य बन्दोबस्त आयुक्त के रूप में नियुक्त करती है।

2. इससे अधिसूचना संख्या 1(1) वि॰स॰/82-एस॰एस॰-2 दिनांक 27 फरवरी, 1982 का अतिक्रमण किया जाता है।

[सं॰ 1(1)/वि॰स॰/82-एस॰एस॰ 2(क)]

New Delhi, the 13th April, 1982

S.O. 1676.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), the Central Government hereby appoints Shri S. K. Basu, Joint Secretary in the Department of Rehabilitation as Chief Settlement Commissioner for the purpose of performing the functions assigned to such Chief Settlement Commissioner by or under the said Act with immediate effect.

This supersedes Notification No. 1(1)/Spl. Cell/82-SSII.(A.) dated the 27th February, 1982.

[No. 1(1)/Spl.Cell/82-SS.II.(A)]

का॰आ॰ 1677.—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वास) अधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 16 की उपधारा 2 के खण्ड (क) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा अधीक्षक, पुनर्वास विभाग, हरियाणा सरकार को, हरियाणा राज्य में स्थित मुआवजा पूल की निष्क्रान्त परिसम्पत्तियों (ग्रामीण और शहरी) की अभिरक्षा प्रबन्ध और निपटान के लिए प्रबन्ध अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है।

2. इससे अधिसूचना सं॰ 1(14)/वि॰स॰/75-एस॰एस॰-2 (क) दिनांक 8 सितम्बर, 1981 का अतिक्रमण किया जाता है।

[सं॰ 1(5)/वि॰स॰/82-एस॰एस॰-2]

एन॰ एम॰ वाधवानी, अवर सचिव

S.O. 1677.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section 2 of Section 16 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), the Central Government hereby appoints the Superintendent, Rehabilitation Department, Government of Haryana, as Managing Officer for the custody, management and disposal of the evacuee properties (rural and urban) forming part of the Compensation Pool, situated in the State of Haryana.

2. This supersedes Notification No. 1(14)/Spl. Cell/75-SS II.(A), dated the 8th September, 1981.

[No. 1(5)/Spl./Cell/82-SS II]

N. M. WADHWANI, Under Secy

संचार मंत्रालय

(डाक तार विभाग)

त्रिवेन्द्रम, 12 अप्रैल, 1982

का॰ आ॰ 1678.—यतः भारत सरकार की यह राय है कि श्री॰ एस॰ चाक्को, पोस्टल असिस्टेन्ट, शास्तमंगलम, त्रिवेन्द्रम दक्षिण मंडल से संबंधित विभागीय जांच के प्रयोजन से श्रीमती एस॰ सरोजम, टी सी 11/1085, राजा विलास, नन्तनकोड, त्रिवेन्द्रम-3 को साक्षी के तौर समन किया जाना आवश्यक है।

अतः अब, विभागीय जांच साक्षियों की उपस्थिति तथा दस्तावेज प्रस्तुतीकरण का प्रवर्तन अधिनियम 1972 (1972 का 18) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्द्वारा श्रीमती ए॰ सरोजम, टी सी 11/1085, राजा विलास, नन्तनकोड, त्रिवेन्द्रम-3 के संबंध में उक्त अधिनियम की धारा 5 में विनिर्दिष्ट शक्तियों का प्रयोग करने के लिए श्री टी॰ के॰ प्रभाकरन, प्रभारी सहायक डाकघर अधीक्षक, त्रिवेन्द्रम उत्तर मंडल को जांच प्राधिकारी प्राधिकृत किया जाता है।

[सं॰ एस॰ टी॰/102-1/81]

एल॰ डी॰ बोनस, पोस्टमास्टर जनरल,

केरल परिमण्डल

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(Department of Posts and Telegraphs)

Trivandrum, 12 April, 1982

S.O. **1678**.—Whereas the Central Government is of opinion that for the purposes of the departmental enquiry relating to Shri S. Chacko, Postal Assistant, Sasthamangalam, Trivandrum South Division, it is necessary to summon as witnes Smt. A. Sarojam, residing at T.C. 11/1085, Raja Vilas, Nanthencode, Trivandrum-3.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub section (1) of Section 4 of the Departmental Inquiries (Enforcement of Attendance of Witnesses and Production of Documents) Act 1972 (18 of 1972) the Central Government hereby authorises Shri T.K. Prabhakaran, Assistant Superintendent of Post Offices, in charge Trivandrum North Sub Division as the inquiring authority to exercise the power specified in Section 5 of the said Act in relation to Smt. A. Sarojam, residing at T.C. 11/1085, Raja Vilas, Nanthencode, Trivandrum-3.

[No. ST/102-1/81]

L.D. BONNELL, Postmaster-General,
Kerala Circle

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 16 अप्रैल, 1982

का०आ 1679.—भारतीय रेल अधिनियम 1890 (1890 का अधिनियम IX) की धारा 82-बी द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री ए० एस० मेढेकर जिला जज, महाराष्ट्र सरकार को 24-4-81 को मध्य रेलवे पर रावली जंक्शन के निकट सी एम 15 डाउन तथा बी 90 अप लोकल गाडियों की टक्कर के फलस्वरूप उत्पन्न सभी दावों का निपटारा करने के लिए श्री एम०बी०मजूमदार जिन्होंने उक्त दुर्घटना के लिए दावा आयुक्त के कार्यालय का कार्यभार त्याग दिया है, के स्थान पर दावा आयुक्त के रूप में नियुक्त करती है। उनका मुख्यालय थाने में होगा।

[सं 81/ई(ओ) II/14]

हिम्मत सिंह, सचिव
रेलवे बोर्ड एवं पदेन संयुक्त सचिव

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 16th April, 1982

S.O. 1679.—In exercise of the powers conferred by Section 82-B of the Indian Railway Act, 1890 (Act IX of 1890), the Central Government hereby appoints Shri A.S. Medhekar, District Judge, Govt. of Maharashtra; as Claims Commissioner to deal with all the claims arising out of collision between CM 15DN and B 90UP Local Trains near Raoli Junction on Central Railway, on 24-4-1981 in place of Shri M.B. Majumdar, who has relinquished charge of the office of the Claims Commissioner for the said accident His headquarters will be at Thane.

[No. 81/E(O) II/1/4]

HIMMAT SINGH, Secy. Railway Board
and ex-Officio Jt. Secy. to the Govt. of India.

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 23rd April, 1982

S.O. **1680**.—In pursuance of section 17 of the Industria Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kessurgarh Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Nudkhurkee, District Dhanbad, and their workmen, which was received by the Central Government on the 21st April, 1982.

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO. 3, DHANBAD

Reference No. 3/80

PRESENT : Shri J.N. Singh, Presiding Officer

PARTIES : Employers in relation to the management of Kessurgarh Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., P.O. Nudkhurkee, Dist. Dhanbad.

AND

Their wokrmen.

APPEARENCES : For the Employers—Shri B. Joshi, Advocate,

For the Workmen -Shri S. Bose,

INDUSTRY : Coal. STATE Bihar

Dated, the 12th April 1982

AWARD

The Govt. of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them u/s 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 14 of 1947 has referred the dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. L-20012/96/79-D.III (A) dated the 29th December, 1979.

SCHEDULE

"Whether the demand of the workmen of Kessurgarh Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., P.O. Nudkhurkee, Dist. Dhanbad and Hard Coke Oven of Phularit and Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. that the 58 workmen listed in Annexure A should be paid time rate wages with effect from the 11th March, 1977 is justified ? If so, to what relief are the said workmen entitled and from what date?

ANNEXURE-A

1. Smt. Gangia Kamin
2. Smt. Monjeri Kamin
3. Smt. Sonbasia Kamin
4. Smt. Latika Kamin
5. Sh. Kalu Gope
6. Smt. Murti Kamin
7. Smt. Sarswatia Kamin
8. Smt. Robia Kamin
9. Smt. Goria Kamin
10. Smt. Mungeshwari Kamin
11. Sri Bhim Kewat
12. Smt. Chotki Kamin
13. Smt. Panowa Kin No. 2
14. Smt. Bundia Kamin
15. Smt. Rabni Kamin
16. Smt. Sanichari Kamin
17. Smt. Punia Kamin

18. Smt. Pan Muni Kamin
19. Smt. Munwa Kamin
20. Smt. Santi Kamin
21. Smt. Munia Kamin
22. Smt. Radhia Kamin
23. Smt. Surji Kamin
24. Smt. Ghamilia Kamin
25. Smt. Fulmani Kamin
26. Smt. Molna Kamin
27. Smt. Munarika Kamin
28. Smt. Kari Kamin
29. Smt. Phulia Kamin
30. Smt. Joymotia Kamin
31. Smt. Chinta Kain
32. Smt. Kapuria Kamin
33. Smt. Adri Kamin
34. Sri Ayub Khan
35. Smt. Dohri Kamin
36. Smt. Fatima Kamin
37. Smt. Santia Kain
38. Smt. Surji Kamin
39. Smt. Ramrajian Kain
40. Sri Sitaram Mohli
41. Smt. Nanki Kamin
42. Sri Sodi Mohuli
43. Smt. Ratni Kamin
44. Smt. Sanjhali Kamin
45. Smt. Karmi Kamin
46. Sri Santi Rajwar
47. Sri Ramchandra Mohuli
48. Sri Giridhari Mahali
49. Smt. Ugen Muhuli
50. Smt. Radha Kamin
51. Smt. Kulshi Kamin
52. Smt. Mina Kumari
53. Smt. Kosilwa Kain
54. Smt. Panwa Kamin
55. Smt. Sairun Kamin
56. Smt. Lakshwari Kain
57. Sri Hahamed Mia
58. Sri Mahabir Muhuli

2. Both the parties filed their written statements and the Reference was ready for hearing. On 7-4-1982 both the parties have filed a perition of compromise duly signed by the Branch Secretary of the Union as also Manager of Kessurgarh Colliery and their Advocate incorporating the terms of settlement with a prayer that an award be passed in terms of the settlement.

3. I have gone through the terms of settlement which is fair and proper.

4. Accordingly an award is passed in terms of the settlement which shall form part of the award.

J.N. SINGH, Presiding Officer

BEFORE THE PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
NO. 3. AT DHANBAD

Reference No. 3 of 1980.

Employers in relation to the Management of Kessurgarh Colliery

AND

Their workmen.

PETITION OF COMPROMISE

1. That the workmen named in the Annexure 'A' to this petition were catagory-III time rated workers working on the job, connected with Hard Coke ovens. After the closure of the Hard Coke ovens, they were given alternate jobs of piece rated workers in the quarries and were paid on piece rated scales applicable to the alternate jobs.

2. That the concerned workmen's demand in this present reference is that they should be paid the time rated scales in catagory-III

3. That without prejudice to the respective contentions of the parties contained in their respective written statement the parties have settled the aforesaid dispute on the following terms.

TERMS OF SETTLEMENT

(a) That the concerned workmen will be fixed in the time rated scale in category-III with starting basic wages of Rs. 18.87 paise with effect from 1-1-1982.

(b) That considering that there has been not much difference in wages by the change of mode of payment from time rated to piece rated system as because the concerned workmen gave proper workload, the demand for restoration of time rated scale from retrospectively is not pressed.

(c) That the concerned workmen will not claim any difference of wages and they will not be entitled to any other relief for the period prior to 1-1-1982.

4. That in view of the settlement there remains nothing to be adjudicated.

5. That the terms of the settlement are fair and proper.

Under the facts and circumstances stated above, it is humbly prayed that the Hon'able Tribunal will be graciously pleased to hold the settlement as fair and proper and will be pleased to pass the Award in terms of the settlement.

For the Workmen	For the Employers
	sd/- Illegible
(P.K. Bose),	Manager/Agent.
Secretary/ R.C.M.S.	Kessurgarh Colliery
	sd/- Illegible
sd/- Illegible	(B. Joshi),
	2-4-82
Br. Secretary, R.C.M.S.	Advocate

Encl : List of workmen of Annexure 'A'.

ANNEXURE 'A'

LIST OF PERSONS WHO HAVE TO BE TRANSFERRED FROM TIME RATED TO PIECE RATED

Sl. No.	Name	Designation
1.	Smt. Sairun Kamin	S/Loader
2.	Sri Md. Mian	,,
3.	Sri Ayub Khan	,,
4.	Sri Khulu Gope	Stacker.
5.	Smt. Mina Kumari	S/Loader.
6.	Smt. Kapurur Kamin	Stacker.
7.	Smt. Jaimatia Kamin	,,
8.	Smt. Saraswatia Kamin	,,
9.	Smt. Murthi Kamin	,,

10. Smt. Sonbasia Kamin	Slacker
11. Smt. Adori Kamin	,,
12. Smt. Ratni Kamin	S/Loader.
13. Smt. Latika Kamin	Stacker
14. Smt. Ramrajia Kamin	,,
15. Smt. Panswa Kamin	S/Loader.
16. Smt. Hatima Kamin	,,
17. Smt. Rabia Kamin	Stacker.
18. Smt. Chamilwa Kamin	,,
19. Smt. Santi Kamin No. 1	,,
20. Smt. Sanjhli Kamin	S/Loader
21. Smt. Panmuni Kamin	,,
22. Smt. Gangia Kamin	Stacker.
23. Smt. Munia Kamin	S/Loader.
24. Smt. Malna Kamin	Stacker.
25. Smt. Koshilia Kamin	Slack Loader.
26. Sri Sitaram Mohli	S/Loader.
27. Sri Girdhari Mohli	"
28. Sri Ugan Mohli	Stacker.
29. Sri Seokhi Mohli	S/Loader.
30. Sri Bhim Kewat	Stacker.
31. Smt. Mungeshwari Kamin	,,
32. Sri Shanti Rajwar	"
33. Smt. Chinta Kamin	,,
34. Smt. Phulia Kamin	,,
35. Smt. Pemia Kamin	S/Loader.
36. Smt. Lakheswari Kamin	Stacker.
37. Smt. Karmi Kamin	Stacker.
38. Smt. Sanichari Kamin	Stacker.
39. Smt. Munarika Kamin	Stacker.
40. Smt. Surji Kamin	S/Loader.
41. Smt. Bundia Kamin	S/Loader
42. Smt. Munwa Kamin	Stacker.
43. Sri Radhe Saw	S/Loader.
44. Smt. Ghori Kamin	Stacker.
45. Smt. Radhia Kamin	S/Loader.
46. Smt. Panwa Kamin No. 2.	S/Loader.
47. Smt. Santi Mohlin	Stacker.
48. Smt. Chotki Kamin	,,
49 Smt. Nanhki Kamin	S/Loader.
50. Smt. Rabai Kamin	Stacker
51. Smt. Phulmani Kamin	,,
52. Smt. Kulshi Kamin	,,
53. Smt. Mangri Kamin	,,
54. Smt. Surji Kamin No. 2	,,
55. Sri Ramchandra Mohli	,,
56. Smt. Kari Kamin	,,
57. Sri Mahabir Mohli	S/Loader.
58. Smt. Gauria Kamin	,,
59. Sri Chirauddin Mia	Trammer.

Shri J.N. Singh,
Presiding Officer.

J.N. Singh Presiding, Officer
[No.-20012 (96)/79-D. III(A)].
A.Y.S. Sarma Desk Officer

आदेश

नई दिल्ली, 23 मार्च, 1982

का० आ० 1681.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में विशाखापत्तनम पोर्ट ट्रस्ट के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है ;

और केन्द्रीय, सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री बी० प्रसाद राव होंगे, जिसका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

क्या विशाखापत्तनम पोर्ट ट्रस्ट के प्रबंधतंत्र द्वारा श्री एन०अप्पा राव, लिपिक (कमर्शियल) की लिपिक (ट्रेन) और यार्ड फोरमैन के रूप में की गई पूर्व सेवाओं को ध्यान में रखते हुए, वरिष्टता निर्धारित करने की कार्रवाई न्यायोचित है। यदि नहीं , तो लिपिक (कमर्शियल) के रूप में नियुक्ति के समय उसकी वरिष्टता निर्धारित करने की क्या कसौटी होनी चाहिए।

[सं० एल-34012/3/81 डी०-4-ए०]

ORDER

New Delhi, the 23rd March, 1982

S.O. 1681.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Visakhapatnam Port Trust, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed :

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A, and clause (d) of sub-section (1), of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri B. Prasada Rao shall be the Presiding Officer with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Visakhapatnam Port Trust in fixing the seniority of Shri N. Appa Rao, Clerk (Commercial) taking into consideration his past service as Clerk (Trainee) and Yard Foreman is justified ? If not what should be the triteron to determine his seniority on appointment as Clerk (Commercial) ?

[No. L-34012(3)/81-D.IV(A)]

आदेश

नई दिल्ली, 26 मार्च, 1982

का० आ० 1682—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में भारतीय खाद्य निगम, मेलबौर के प्रबंधतंत्र से संबंद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 की 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उप-धारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री बी० प्रसाद राव होंगे, जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या भारतीय खाद्य निगम, नेल्लोर के प्रबंधतंत्र ने 30 कर्मकारों की, जिनके नाम उपाबंध में सूचीबद्ध है और जो उनकी मार्डन राईस मिल्स में नियुक्त थे, जब उक्त कर्मकारों से संबंधित एक औद्योगिक विवाद औद्योगिक अधिकरण के समक्ष लंबित था, एक नए ठेकेदार को ठेका देकर सेवा शर्तों में परिवर्तन किया था।

(ii) क्या उक्त 30 कर्मकार मार्डन राइस मिल्स में नियोजित होने के फलस्वरूप भारतीय खाद्य निगम में सीधे और स्थायी कर्मकार घोषित किए जाने के हकदार हैं और यदि हां, तो किस तारीख से?

(iii) संबंधित कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं?

अनुबंध

1. एम कोलापुरी
2. एस० रमैया
3. जे० फ्रांसिस
4. ई० वेंकुरेड्डि
5. शेख रमस्तान
6. जी० रमनम्मा
7. जे० वेंकम्मू
8. शेख बीसा
9. शेख पेडामस्तान
10. एम० चन्द्रम्मा
11. शेख नानसाहेब
12. एन० कोटैय्या
13. एल० वंकैय्या
14. शेख मस्तान (एन)
15. शेख मौला साहेब
16. पटन मस्तान
17. जी० डेविड
18. शेख कलेसा
19. वी० वंकैय्या
20. दस्तागिरी बसा
21. एम० ए० एन० राजू
22. पी० रमनैयया
23. शेख चीना मौल्ला
24. ए० विजयराव
25. चौ० वेंकटरतनम
26. एल० बुज्जैयया
27. एम० सी० पोंचलैयया
28. शेख चीनामस्तान
29. चन्द्रशेखरम
30. श्री निवासुलु

[सं० एल-42011(7)/81-एफ० सी० आई०/डी० IV (ए)]

टी० जी० सीतारमन, डैस्क अधिकारी

ORDER

New Delhi, the 26th March, 1982

S.O. 1682.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Food Corporation of India, Nellore and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri B. Prasada Rao shall be the Presiding Officer with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

(i) Whether the management of Food Corporation of India, Nellore had changed the conditions of service of 30 workmen, whose names are listed in the Annexure, and who were employed in their Modern Rice Mill at Nellore, by introducing a new contractor while an industrial dispute concerning the said workmen was pending before an Industrial Tribunal.

(ii) Whether the said 30 workmen are entitled to be declared as direct and permanent workmen of the Food Corporation of India, Nellore by virtue of their employment in the Modern Rice Mill and if so, from what date?

(iii) To what relief are the concerned workmen entitled

ANNEXURE

1. M. Kollapuri.
2. S. Ramaiah.
3. J. Francis
4. E. Venkureddy
5. Shaik Mastan.
6. G. Ramanamma
7. J. Venkamma.
8. Shaik Basha
9. Shaik Pedamastan
10. M. Chandramma
11. Shaik Nannesaheb
12. N. Kotaiah.
13. L. Venkaiah
14. Shaik Mastan (N)
15. Shaik Moula Saheb
16. Patan Mastan
17. G. David
18. Shaik Kalesha
19. V. Venkaiah
20. Dastagirl Basha
21. M.A.N. Raju.
22. P. Ramanaiah
23. Shaik China Moula
24. A. Vizayarao
25. Ch. Venkataratnam
26. L. Bujjaiah
27. M.C. Penchalaiah
28. Sk. Chinamastan.
29. Chandrasekharam.
30. Srinivasulu.

[L. 42011/7/81-F.C.I. /D-IV (A)]

New Delhi, the 19th/20th April, 1982

S.O. 1683.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Bombay, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Mormugao Port Trust, Mormugao and their workmen, which was received by the Central Government on the 12th April, 1982.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

Reference No. CGIT-2/5 of 1981

PARTIES :

Employers in relation to the management of Mormugao Port Trust, Mormugao

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri A. C. Martins, Labour Officer

For the workmen—Shri S. K. Shetye, General Secretary, All India Port and Dock Workers Federation.

2. Shri V. K. Redkar, General Secretary, Mormugao Port and Dock (Non-Ministerial) Workers' Union, Mormugao.

INDUSTRY : Ports and Docks

STATE : Goa, Daman and Diu

Bombay, dated the 29th March, 1982

AWARD

(Dictated in the Open Court)

The demand by the Mormugao Port and Dock (Non-Ministerial) Workers' Union for payment of Transport allowance to the employees transferred from workshop department to Mormugao Harbour is the subject matter of the present reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Dispute Act. The first point is whether the said demand is justified and if so to what relief these workmen are entitled.

2. In support of this contention the case of the Union as made out in the written statement is that when the employees are transferred from workshop to another on long term basis his headquarter stands transferred with the result he losses any allowance nor there is any transport facility arranged by the employers. It is further contended that the Foremen when similarly placed get conveyance allowance of Rs. 60 per month which facility according to the Union is being denied to the workmen without any just and reasonable cause. It is alleged that the harbour is at a distance of 4 K.Ms. and the workmen who were initially posted at workshop are required to undertake a journey of additional 4 K.Ms. for attending to their duties at harbour and for that purpose they are required to spend considerable amount of money for to and fro journey. In this way it is claimed that the workmen should be paid transport allowance or conveyance allowance.

3. This demand has been refuted by the employers and it is alleged that the Mechanical Engineering Department where the employees work on crane maintenance has sub-offices at various places in Vasco-de-Gama, Mormugao and Headland Sada. It is further alleged that the employees of this department are required to work at any one of these sub-offices and as per requirement they are transferred after every six months. It is further contended that no employee of the Mormugao Port Trust is eligible for receiving any transport allowance to report for work or to go home after duty hours and that the case of Foremen is not identical with the case of the foremen and as such there cannot be any comparison.

4. At the stage of hearing the Union led the evidence of Shri V. K. Redkar, General Secretary, Mormugao Port and Dock (Non-Ministerial) Workers Union and also an employee of Mormugao Port Trust where he is working as Assistant Station Master. It is stated by the witness that about 500 workers are covered by the demand out of whom about 50 are deputed to harbour duty in a batch every six months. Although the figure being stated is 500 the demand would be restricted to only 50 workmen whose services are deputed to the harbour from the workshop where normally they are expected to work. Shri Redkar says that when the workmen are required to work at the harbour in the first place they are required to undertake an additional 4 K.Ms. journey and secondly for attending their duties they are also required to spend two more hours than they would have been required to spent to attend their duties when posted at the workshop. There is no controversy on these points namely the extra 4 K.Ms. journey and the extra time they are required to spend for journey. The record speaks that normally these workmen are posted at the workshop. There may be sub-offices as pleaded but when a particular batch is asked to work at the harbour and for the said purpose they are asked to move further than the point they were attending their duties. I cannot hold that the demand for extra allowance is in any way unjustified. In the past when instead of batch workmen were deputed to harbour occasionally, the witness Shri Redkar says that transport facility was made available at the cost of the Port Trust and atleast the workmen were not required to spend anything extra from their pocket. I cannot hold that there is any change required when the workmen are deputed in batches and are not sent occasionally.

5. The oral evidence speaks that the bus fare is 25 paise per trip and for going to harbour and returning back in the evening a workman would be required to spend 50 paise. Shri Redkar also referred to taxi fare of Re. 1 but going by taxi would exceptional when the workman misses his bus etc. and as such this exceptional circumstances cannot be taken into account for fixing transport allowance.

6. In the absence of alleged inadequate Canteen facility at the harbour it is further contended that workmen are required to undertake journey for which they are required to spend 50 paise more by way of bus fare to and fro. Here again, something required to be spent for attending to duties is one thing and something spent by the workmen because they feel that a particular facility is madequate is another thing. It is not that there is no canteen facility in the harbour but in the opinion of these workmen the facility is inadequate. If they feel that the Canteen facility is inadequate they can make their own arrangement and it cannot be at the cost of employer and their journey for the intervening period is not justified.

7. Foreman admittedly get conveyance allowance of Rs. 60 per month. I was told that he is required to maintain scooter to move about but whether a particular employee is required to maintain a scooter or not, what is to to be considered is the facility to attend the duties at harbour. Being Foreman they may be required to be more mobile then the workmen, yet here again for transport allowance no distinction can be allowed to be made. Normally the present trend is that it becomes the duty of the employer to make arrangement like transport facility etc. and experience is that it is made when the occasion demands.

8. Having regard to all these facts of the case I am convinced that the demand for 50 paise per day is justified for all working days and those workmen who are sent in batches from the workshop to the harbour would be entitled to get at this rate. This rate is arrived at taking into consideration the bus fare being 25 paise per trip. Hence the order.

ORDER

1. The employees who are sent in batches from the workshop to the harbour shall be eligible to get transport allowance of 50 paise per day on the working days with retrospective effect to be given from the date of reference i.e. 5-6-1981.
2. No order as to costs.

M A. DESHPANDE, Presiding Officer
[No. L-36011(2)/81-D.IV(A)]
T. B. SITARAMAN, Desk Officer

नई दिल्ली, 27 मार्च, 1982

का० आ० 1684.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स आन्ध्र प्रदेश स्टेट पाम्गुर कोआपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड, निडादावोल, जिला पश्चिमी गोदावरी, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस-35019/352/81-पी०एफ-2]

New Delhi, the 27th March, 1982

S.O. 1684.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Andhra Pradesh State Palmgur Co-operative Federation Limited, Nidadavole, West Godavari District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(352)/81-PF-II]

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1982

का० आ० 1685.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स अरुणाचल प्रदेश फारेस्ट कार्पोरेशन लिमिटेड, डायोमाली-786629 (अरुणाचल प्रदेश) जिसके अन्तर्गत (1) खोसा प्रोजेक्ट डिवीजन, डाकघर डायोमाली, जिला तीराप (अरुणाचल प्रदेश), (2) जयरामपुर प्रोजेक्ट डिवीजन, डाकघर जयरामपुर, वाया लेडो जिला तीराप (अरुणाचल प्रदेश) और (3) मीओ प्रोजेक्ट डिवीजन डाकघर मीओ, वाया लेडो, जिला तीराप (अरुणाचल प्रदेश), स्थित उसकी शाखाएं भी हैं, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं०एस-35019/271/79-पी०एफ-2]

New Delhi, the 19th April, 1982

S.O. 1685.—Whtreas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Arunachal Pradesh Forest Corporation Limited, Deomali-786629 (Arunachal Pradesh) including its branches at (1) Khonsa Project Division, Post Office Deomali, District Tirap (Arunachal Pradesh), (2) Jairampur Project Division, Post Office Jairampur, Via Ledo District Tirap (Arunachal Pradesh) and (3) Miao Project Division, Post Office Miao, Via Ledo, District Tirap (Arunachal Pradesh) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies to provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(271)/79-PF.II]

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 1982

का० आ० 1686.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बी०आर० प्रिकास्ट, 14/1, नन्दलाल बोस लेन कलकत्ता-3, जिसके अन्तर्गत 29, मोतीलाल गुप्ता रोड, बेहाला, कलकत्ता-8, स्थित उसकी शाखा भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं०एस-35017/76/79-पी०एफ-2]

New Delhi, the 22th April, 1982

S.O. 1686.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs B. R. Precast, 14/1, Nandlal Bose Lane, Calcutta-3, including its branch at 29, Motilal Gupta Road, Behala, Calcutta-8, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section(4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35017(76)/79-PF-II]

का० आ० 1687.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स वुडकेम कार्पोरेशन, 9, वेलस स्ट्रीट, फोर्ट, मुम्बई-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा, प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस०-35018/134-81-पी०एफ०-2]

S.O. 1687.—Whereas it apptars to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Woodchem Corporation, 9, Wallace Street, Fort, Bombay-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central ment hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35018(134)/81-PF-II]

का० आ० 1688.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इलक्ट्रोमेक इंडस्ट्रीज, 304, अध्यारा इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सन मिल कंपाउंड, लोअर परेल, मम्बई-13 नामक स्थापन मे सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35018/135/81-पी०एफ०-2]

S.O. 1688.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Electrovac Industries, 304, Adhyara Industrial Estate, Sun Mill Compound, Lower Parel, Bombay-13, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35018(135)|81-PF.II]

का० आ० 1689.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रूपम इंटरप्राइजिज, 4-एच, नाज बिल्डिंग, लैमिंगटन रोड, मुम्बई-4 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस० 35018/165/81-पी०एफ० 2]

S.O. 1689.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Rupam Enterprises, 4-H, Naaz Building, Lamington Road, Bombay-4, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35018(165)|81-PF-II]

का० आ० 1690.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दी मुडियानाक्कम सुगर फैक्ट्री एम्पलाईज-को० आपरेटिव स्टोर्स लिमिटेड, मुडियायाक्कम पोस्ट विल्लुपुरम ताल्लुम नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019(252)/81-पी०एफ०-2]

S.O. 1690.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs The Mundiayambakkam Sugar Factory Employyes Co-operative Stores Limited, Mundiayambakkam Post, Villupuram, Taluk, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(252)|81-PF-II]

का० आ० 1691.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सदर्न इलैक्ट्रिक्स नं० 3, हबीबुल्ला रोड, टी० नगर मद्रास-17 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस० 35019(253)/81-पी०एफ-2]

S.O. 1691.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Southern Electrics, No. 3, Habibulla Road, T. Nagar, Madras-17, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(253)|81-PF-II]

का० आ० 1692.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स उमर खय्याम, 40 सामुदायिक केन्द्र, बसंत लोक बसंत विहार, नई दिल्ली नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उबबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/254/81-पी०एफ०-2]

S.O. 1692.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Omar Khayyam, 40, Community Centre, Vasant Lok, Vasant Vihar, New Delhi, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(254)|81-PF-II]

का० आ० 1693.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इंडियन ओवरसीज बैंक आफिसर्स एसोसिएशन, नं० 763, अन्ना सलाई, मद्रास-2 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/366/81-पी०एफ 2]

S.O. 1693.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Indian Overseas Bank Officers Association, No. 763, Anna Salai, Madras-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section(4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(366)/81-PF.II]

का० आ० 1694—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्रीपाद नरसिम्हा ब्रादर्स लिमिटेड, 95, पार्क लेन, सिकन्दराबाद-3 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/367/81-पी०एफ2]

S.O. 1694.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sripada Narasimham Brothers Limited, 95, Park Lane, Secundrabad-3 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section(4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(367)/81-PF-II]

का० आ० 1695.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सुपस्क्रीन, विक्रम साराभाई इंस्ट्रोनिक एस्टेट, मद्रास-1 जिसके अंतर्गत 193, माउन्ट रोड मद्रास-2 स्थित इसका प्रशासनिक कार्यालय भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस-35019/368/81-पी०एफ० 2]

S.O. 1695.—Whereas it appears to the Central Govrnment that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Supaskreen, Vikram Sarabhai Instronic Estate, Madras-1 including its Administrative Office at 193, Mount Road, Madras-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section(4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(368)/81-PF-II]

का० आ० 1696.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स होटल अन्नपूर्णा, करूर, जिला त्रिची नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[संख्या एस-35019/369/81-पी०एफ 2]

S.O. 1696.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hotel Annapoorana, Karur, Trichy District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(369)/81-PF-II]

का०आ० 1697.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स शारदा इंटरप्राइजेज नं० 2, सरंगपाणि स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास-17, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/370/81-पी०एस-2]

S.O. 1697.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sarada Enterprises, No. 2, Sarangapani Street, T. Nagar, Madras-17, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(370)/81-PF-II]

का० आ० 1698.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कल्याण महादेवी एग्रीकल्चर सर्विस सोसायटी लिमिटेड, कल्याण महादेवी (पोस्ट) थिरुवरूर, तंजोर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए ,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियमम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस० 35019/371/81-पी०एफ 2]

S.O. 1698.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kalayanamahadevi Agriculture Service Society Limited, Kalayanamahadevi (Post), Thiruvarur, Tanjore, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section(4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(371), 81-PF-II]

का०आ० 1699.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कुमारन टैक्सटाइल्स, नं० 2, नागेश्वर राव रोड, टी० नगर, मद्रास-17 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एम-35019(372)/81-पी०एफ०-2]

S.O. 1699.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kumaran Textiles, No. 2, Nageswara Rao Road, T. Nagar, Madras-17, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(372)/81-PF-II]

का०आ० 1700.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बेप्को (इंपोर्ट-एक्सपोर्ट) (प्राईवेट) लिमिटेड, 'पारमिया हाऊस' नं० 185, पूनामल्ली हाई रोड किलपौक, मद्रास-10 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंस्था इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस० 35019(373)81-पी० एफ० 2]

S.O. 1700.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bapco (Import-Export) (Private) Limited, "Parpia House", No. 185, Poonamallee High Road, Kilpauk, Madras-10, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(373)/81-PF-II]

का०आ० 1701.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्री जयराम ट्रांसपोर्ट, आरुप्पुकोट्टै तमिल नाडु, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/374/81-पी०एफ०-2]

S.O. 1701.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sri Jayaram Transport, Aruppukottai, Tamil Nadu' have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said estabilshment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. 35019(374)|81-PF-II]

का०आ० 1702.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पांडियन इंडस्ट्रीज, जी-6 इंडस्ट्रीयल एस्टेट, डिंडीगुल-624006, मदुरै जिला नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/375/81-पी०एफ०-2]

S.O. 1702.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Pandian Industries G-6, Industrial Estate, Dindigul-624006, Madurai District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(375)/81-PF-II]

का०आ० 1703.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सी०एन० इंटरप्राइजिज, नं० 2, क्रास रोड मद्रास-81, जिसके अन्तर्गत 8, नारायणा मुदाली लेन, मद्रास-1 स्थित इसका कार्यालय भी है नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/376/81-पी०एफ०-2]

S.O. 1703.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs C. N. Enterprises, No. 2, Cross Road, Madras-81 including its office at 8, Naravana Mudali Lane, Madras-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(376)/81-PF-II]

का० आ० 1704 —केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्री कृष्ण ग्राईडिंग मिल्स, 3/159 नागराजपेट कुड्डापाह, आन्ध्र प्रदेश नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019 (377)/81-पी० एफ०-2]

S.O. 1704.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sri Krishna Grinding Mills, 3|159, Nagarajupet, Guddapah, Andhra Pradeshh have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(377)|81-PF-II]

का०आ० 1705 —केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पोरूर आयरन वर्क्स (प्राइवेट) लिमिटेड, कुन्नाथुर रोड पोरूर, मद्रास-602104, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/378/81-पी०एफ० 2]

S.O. 1705.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Porur Iron Works, (Private) Limited, Kunnathur Road, Porur, Madras-602104, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 25019(378)|81-PF-II]

का०आ० 1706 —केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स शाह सेनिटरी स्टोर्स, 19 वेन्नियर स्ट्रीट, मद्रास-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/379/81-पी०एफ०-2]

S.O. 1706.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shah Sanitary Stores, 19, Vannier Street, Madras-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(379)|81-PF-II]

का०आ० 1707 —केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ए०डी०एस० इंटरप्राइजिज-22, सैकंड लाइन बीच, मद्रास-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019(380)/81-पी०एफ०-2]

S.O. 1707.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs A.D.S. Enterprises, 22, Second Line, Beach, Madras-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(380)|81-PF-II]

का०आ० 1708 —केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पंजाब स्टेट होजरी एंड निटवियर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड, एस०सी०ओ०, 3ए, सैक्टर-7सी, चण्डीगढ़ जिसके अन्तर्गत, ए-10, फेज 5 औद्योगिक फोकस बिन्दु, लुधियाना स्थित इसका शाखा सचिवालय भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019(381)81-पी० एफ०-2]

S.O. 1708.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Punjab State Hosiery and Knitwear Development Corporation Limited, SCO-3A, Sector 7-C, Chandigarh including its branch at A-10, Phase-V, Industrial Focal Point, Ludhiana have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(381)|81-PF-II]

का०आ० 1709 —केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सवर्न प्लाईवुड्स-सी-2 इंडस्ट्रीयल को-आपरेटिव एस्टेट लिमिटेड, सलेम-14 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019(383)/81-पी०एफ०-2]

S.O. 1709.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Southern Plywoods, C-2, Industrial Co-operative Estate Limited, Salem-14, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(383)/81-PF-II]

का०आ० 1710. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एम० के० नर्सिंग होम, 46, आर० एस० एम० रोड, मद्रास-21, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019(384)/81-पी०एफ०-2]

S.O. 1710.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs M.K. Nursing Home, 46, R.S.M. Road, Madras-21, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(384)/81-PF-II]

का० आ० 1711—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हार्डवेयर इलैक्ट्रीकल्स, 115-बी, मॉबब्रेज रोड, मद्रास-18 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019/385/81-पी० एफ०-2]

S.O. 1711.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hardware Electricals, 115-B, Howbrays Road, Madras-18, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishfent;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(385)/81-PF-II]

का० आ० 1712—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पाल्कन वायर्स (प्राइवेट) लिमिटेड प्लाट नं० 10, नार्थ फेज० इंडस्ट्रीयल एस्टेट, अंबट्टूर मद्रास-58 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य-निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019(387)/81-पी० एफ-2]

S.O. 1712.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Falcon Wires (Private) Limited, Plot No. 10, North Phase, Industrial Estate, Ambattur, Madras-58, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(387)/81-PF-II]

का० आ० 1713—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स नेपच्यून रैफ्रीजिरेशन (प्राईवेट) लिमिटेड, नैरक्कुदरम जिला चिंगलेपुट, इसके अन्तर्गत 153, माउंट रोड, मद्रास-2 स्थित इसके रजिस्टर्ड कार्यालय भी है नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019/388/81-पी० एफ०-2]

S.O. 1713.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Neptune Refrigeration (Private) Limitd, Nerkkundram, Chingleput District including its Registered Office at 153, Mount Road, Madras-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(388)/81-PF-II]

का० आ० 1714.— केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कोटेज इंडस्ट्रीज एक्सपोजीशन (प्राइवेट) लिमिटेड, 118, नुंगमबक्कम हाई रोड, मद्रास-34 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[संख्या एस-35019/389/81-पी० एफ०-2]

S.O. 1714.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Cottage Industries Exposition (Private) Limited, 118, Nungambakkam High Road, Madras-34, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(389)|81-PF-II]

का० आ० 1715 —केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्री कृष्ण एंड कपनी, 91, आरकोट रोड, मद्रास-24 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अत केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[संख्या एस-35019/390/81-पी० एफ०-2]

S.O. 1715.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sree Krishna and Company, 91, Arcot Road, Madras-24, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(390)|81-PF-II]

का० आ० 1716 .—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दी विल्लुपुरम को-आपरेटिव मिल्क सप्लाई सोसाइटी लिमिटेड, विल्लुपुरम नामक स्थान से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 क 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ,

अत: केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[संख्या एस०-35019/391/81-पी० एफ०-2]

S.O. 1716.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs The Villupuram Co-operative Milk Supply Society Limited, Villupuram, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(391)|81-PF-II]

का० आ० 1717.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इंडस्ट्रीयल इंटरप्राइजिज महाबलिपुरम रोड थिरेपाक्कम, मद्रास-96, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अत: केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस० 35019(392)/81-पी० एफ०-2]

S.O. 1717.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Industrial Enterprises, Malabalipuram Road, Thuraipakkem, Madras-96, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(392)|81-PF-II]

का० आ० 1718 —केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कैजी कंसलटैंट्स आर० पी० रोड, सिकन्दराबाद नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियो की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनिाम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अत. केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस० 35019(393)/81-पी० एफ०-2]

S.O. 1718.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kayjee Consultants, R.P. Road, Secunderabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(393)|81-PF-II]

का० आ० 1719 —केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्री वैंकटेश्वरा इलैक्ट्रीकल इंडस्ट्रीज- ब्लाक नं० 51/4 इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सनत नगर, हैदराबाद-18, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अत: केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[संख्या एस-35019(394)/81-पी० एफ०-2]

S.O. 1719.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sri Venkateshwara Electrical Industries, Block No. 51|4, Industrial Estate, Sanathnagar, Hyderabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(394)|81-PF-II]

का० आ० 1720—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दी रामदुर्ग तालुका प्राइमरी को-आपरेटिव लैण्ड डेवलपमैंट बैंक लिमिटेड, रामदुर्ग, जिला बेलगाम, नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस-35019(395)/81-पी० एफ०-2]

S.O. 1720.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs The Ramdurg Taluka Primary Co-operative Land Development Bank Limited, Ramdrug, District Belgaum, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable tothe said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(395)/81-PF-II]

का० आ० 1721—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कर्नाटक स्टेट सीड सर्टीफिकेशन एजेंसी 51-डी० टेथ क्राम, 12वा ब्लाक कुमार पार्क वैस्ट एक्सटेंशन बंगलोर-20 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस-35019(396)/81-पी० एफ० 2]

S.O. 1721.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Karnataka State Seed Certification Agency, 51-D, 10th Cross, 12th Block Kumarapark, West Exttnsion, Bangalore-20, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (1952 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(396)/81-PF-II]

नई दिल्ली, 27 अप्रैल, 1982

का०आ० 1722.—मैसर्स बेबेल टेलिकम्युनिकेशन इंडस्ट्रीज, लिमिटेड, 4 और 5, केनाल वेस्ट रोड, कलकत्ता-700015. (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे है और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल है जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय है,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है ।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजित प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, पश्चिमी बंगाल को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंकेक्षण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सदत्त करेगा ।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है ।

7 सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदय रकम उस रकम से कम है तो कर्मचारी को उस दशा में संदय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा ।

8 सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, प० बंगाल के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते है, तो यह छूट रद्द की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय, आदि में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नामनिर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

[सं० एस-35014/44/80-पी०एफ० 2]

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 27th April, 1982

S.O. 1722.—Whereas Messrs Webel Telecommunication Industries Limited 4 and 5 Canal West Road, Calcutta-700015 (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees that the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafterr referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, West Bengal and maitain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section of (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, Submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in this establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corprotation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of any employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir|nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, West Bengal and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee|legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(44)|81-PF-II]

का०आ० 1723.—मैसर्स वार्नर हिन्दुस्तान लिमिटेड, उधम, हैदराबाद–39 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियोंके लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल है जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय है ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है ।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, आन्ध्र प्रदेश को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।

2 नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले, ही सदस्य है, उसके संस्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी यावत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा ।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन देय रकम उस रकम से कम है तो कर्मचारी को उस दशा में संदय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, आन्ध्र प्रदेश के पूर्व अनुमोदन ले बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणवश स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दे दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय, आदि में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को तो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नामनिर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का सदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

[सं० एस०-35014/114/81पी०एफ०-2]

ए० के० भट्टराई, अवर सचिव

S.O. 1723.—Whereas Messrs Warner Hindustan Limited, Uppal, Hyderabad-39 (hreinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act) ;

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees that the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme) ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Andhra Pradesh and maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts Submission of returns, payment of insurance permia, trasfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in this establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced, to that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Andhra Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest

of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(114)/81-PF-II]
A. K. BHATTARAI, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1982

का० आ० 1724—खान अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री एच० एस० आहूजा, उप महानिदेशक, खान सुरक्षा (मध्य क्षेत्र) धनबाद को श्री एस० शंकरन, जो प्रतिनियुक्ति पर विदेश भेजे गए है, के स्थान पर, जैसे सभी क्षेत्रों के लिए जिस पर उक्त अधिनियम का विस्तार है, 20 अप्रैल, 1982 से 29 अप्रैल, 1982 तक मुख्य खान निरीक्षक के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या ए०-35011/3/82-एम०-I (पार्ट)]
जे० के० जैन, अवर सचिव

New Delhi, 23rd April, 1982

S.O.**1724**.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952) the Central Government hereby appoints Shri H.S. Ahuja, Deputy Director General of Mines Safety, (Central Zone), Dhanbad to be the Chief Inspector of Mines for all the territories to which the said Act extends, on and from the 20th April, 1982 until 29th April, 1982 vice Shri S. Sankaran, who has proceeded on deputation abroad.

[No. A-35011/3/82-M. I .Pt.]

J. K. JAIN, Under Secy.

S.O. 1725.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Arbitrator, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani and their workmen, which was received by the Central Government on the 16th March, 1982.

BEFORE SHRI M. R RAJU, DEPUTY CHIEF LABOUR COMMISSIONER (CENTRAL) AND ARBITRATOR.

NEW DELHI

Reference No. 1 of 1982

In the matter of industrial dispute between the management of Singareni Collieries Co. Ltd., Godavari Khani and their workmen represented by Singareni Collieries Workers Union over the demand for re-instatement of Shri Marichetty Komaraiah Surface General Mazdoor, Godavarikhani No. 7. Incline.

APPEARANCES :

On behalf of Employers : 1. Shri M. Murahari Reddy, Divisional Personnel Officer.

2. Shri Y. Sobhanadri Acharyulu, Divisional Personnel Officer.

REPRESENTING WORKMEN :

Shri M. Bhaskar Rao, Secretary, Singareni Collieries Workers Union, Godavarikhani.

STATE : Andhra Pradesh INDUSTRY : Coal Mines

AWARD

The representatives of Employers of Godavarikhani of M|s. Singareni Collieries Company Limited and their workmen represented by Singareni Collieries Workers Union, Godavarikhani by an agreement dated 31-12-81, under Section 10-A of the Industrial Disputes Act, 1947 read with Rule 7 of Industrial Disputes (Central) Rules, 1957 referred the dispute stated below for my arbitration under the said Act :

"Whether the management of M|s. Singareni Collieries Company Ltd., Ramagundam Division-III is justified in dismissing Shri Marichetty Komaraiah, Surface General Mazdoor, Godavarikhani Incline No. 7 w.e.f. 9-11-81. If not, to what relief the employee is entitled ?"

Accordingly, the Central Government referred the said dispute for my arbitration vide notification No. L-21013(1)| 82-1-IV-B dated 19-2-82 published vide S. O. No. 992 in Gazette of India Part-II Section 3 Sub-section (ii).

According to the terms of arbitration agreement dated 31-12-81, the award was to be given within a period of 3 months or within such further period as extended by mutual agreement between the parties in writing.

Hearings were held on 6-3-82 and 7-3-82 during which period the parties filed their written statements and counter-statements. Arguments also were heard on 7-3-82. Both the parties reiterated their points on these dates which have already been incorporated in their written statements and counter-statements, which are briefly as follows :—

The representative of the workman in his statement stated that Shri M. Komaraiah was required to load the lorry with coal on receipt of challans issued by the Khalasi. On receipt of challans, he released the coal to the lorry No. APT 9186. It was not the duty of Komaraiah to ensure whether the loaded lorry goes to the CHP|CSP or to some other destination. He further stated that the statement of the Senior Inspector of S & P. C. that he along with the Junior Security Officer, Overman and the Manager of No. 7 Incline visited the place where the coal was dumped at a brck kiln at Ponchampalli Village and found out that the coal belonged to Incline No. 7, did not stand to reason. It is difficult for anybody to say that the dumped coal belongs to a particular mine, once the coal is brought out of the mine and dumped at a place, unless it is the intention of the management to implicate some one in the case. If the coal is dumped at a wrong place, the driver of the lorry should be held responsible and not the general mazdoor whose responsibility ceases once the coal is released from the bunker to the lorry.

The representatives of the management in their statement stated that Shri Komaraiah released coal from the bunker to the lorry when the Conveyor Khalasi was away at C.H.P. and without getting the challans. The unauthorised coal was taken to a village called Pochampalli instead of going to the C.H.P. and dumped the same near a brick-kiln. The Senior Inspector started investigation a longwith Colliery Manager, Overman etc. of the shift and found that coal from Godavarikhani No. 7 Incline bunker was dumped at the Kiln at Pochampalli Village. A cycle, Tiffin carrier and towel left behind near the kiln were recovered. It was proved in the enquiry that the towel belonged to Sri M. Komaraiah. Shri Komaraiah was charge-sheeted under Company's Standing Orders for giving coal unauthorisedly to the lorry driver of the contractor and allowing him to take it away. Since

the explanation was found unsatisfactory, an enquiry was held. During the enquiry, the delinquent was given full opportunity to defend his case and he was dismissed for proved misconduct.

The representative of the workman in his counter filed on 7-3-82 stated that during the enquiry MW-1 had stated that, after oral enquiry, he had handed over the driver to the police on the night of 17-5-81. He expressed doubt as to how the Khalasi could issue the challans for the 3rd trip when the driver was handed over to the police. He tried to emphasise that the challen for the 3rd trip was also issued before the lorry was caught near 7 Incline and Shri Komaraiah loaded the lorry thrice after receipt of trip-sheet from the Conveyor Khalasi and it cannot, therefore, be stated that Komaraiah loaded the lorry without a challan. It is stated by the Union's representative that Komaraiah in his statement at the time of enquiry had stated that he was away at CHP from 9.10 p.m. to 10.15 p.m. as the CHP got jammed. The union representative disputed this statement and furnished figures of loading for 3 days from 16th to 18th May, 1981 to prove that there was no jam. The workman's representative further stated that the Enquiry Officer, in the concluding part of his enquiry report, stated that Komaraiah released 8 tons of coal from the bunker to Lorry No. APT 9186 at about 10.10 p.m. PW-2 i.e., the person who has actually seen the vehicle returning to No. 7 Incline from Mareduvaka village with a distance of about 6 kms, stated that he saw the lorry at 10.15 p.m. He contended that it was not possible for a lorry to leave 7 Incline bunker by 10.10 p.m. and return to the spot by 10.15 p.m. by covering a distance of 12 kms. to and fro and remaining for some time near the kiln area to unload the coal. According to him, the statement of MW. 1 (Colliery Manager) that the towel left behind at the place where the unauthorised coal was said to have been dumped, was not proved in the enquiry to be belonging to Komaraiah. The kiln owners also were not interrogated. He further expressed that if the towel belonged to Komaraiah, as per their version, what about the cycle and the tiffin carrier. No where in the enquiry the case is proved conclusively and every witness mentioned that Komaraiah might have been responsible for the theft.

Since the dismissal on imagination is not proper, the representative of the workmen requested for reinstatement of the workmen with full back wages. During the course of arguments on 7-3-82, the management's representatives while reiterating their earlier contentions, as stated above, emphasized that the contention of the union that the Conveyor Khalasi could not release coal to the lorry when the Driver was handed over to the police was not correct. The lorry driver was handed over to the police only after the Manager along with others visited the spot which was after 10.30 p.m. By that time, the third trip sheet was issued by the Conveyor Khalasi They have also denied the contention of the union that the driver was tutored to give statement against Komaraiah.

The representative of the workman reiterated his earlier contentions and further added that the management did not care to find out the facts whether Sri Lingaiah had really been to C.H.P. or to some other place between 9.10 to 10.15 pm. The management's representatives admitted that the enquiry on the charge-sheet issued to Sri Lingaiah on similar lines was not conducted so far. The management accoring to them was interested to protect him. The management had deliberately neglected the responsibility in finding out the facts from the kiln owners, as to who brought the coal etc. They did not even care to find out the ownership of the Tiffin carrier and the Cycle. The management, according to him, dismissed Komaraiah without conducting a proper enquiry, and demaanded reinstatement of the delinquent with full back wages.

Shri Komaraiah was charge-sheeted for releasing 8 tons of coal from the bunker to lorry No. APT 9186 at aabout 10.10 p.m. on 17-5-1981 in connivance with Shri V. Lingaiah Conveyor Khalasi (who was deputed to issue trip sheet for transport lorries and maintain record of discharge of coal from 7 Incline to CHP|CSP during the 2nd shift) and lorry driver Sri Tazuddin with an intention to commit theft and sell the coal to some outside party. The report is that Komaraiah allowed the lorry to be loaded by opening the door of the bunker when the conveyor khalasi was away and without getting challans.

If Komaraiah had released the coal in connivance with V. Lingaiah, Conveyor Khalasi and Tazuddin, Lorry Driver, as stated in the charge-sheet, the charge of connivance has to be proved. The enquiry against V. Lingaiah, Conveyor Khalasi who is also understood to have been charge-sheeted, was not proceeded with. Tazuddin, Lorry Driver who took the lorry to Maraduvaka village, has not been examined at all. He is the main witness in the whole case and the delinquent has no opportunity to examine Tazuddin, who implicated him and on the basis of which the management tried to prove his guilt. If he was examined, the real truth, perhaps, might have come out.

MW-2 (Laxman Rao, Senior Inspector) also stated that Tazuddin, driver of contractor's lorry No. APT-9186, was interrogated by the Colliery Manager (MW-1)) and the driver did not reveal anything in the night. But when the accused cross-examined MW-1 as to how he could say that he had advised Tazuddin, lorry driver to dump the coal at the brick kiln at Pochampali, MW-1 replied that during the preliminary investigation by Sri Laxman Rao, Senior Inspector, Tazuddin, who was in police custody had given a statement on the next day that he dumped the coal at the brick kiln on the advice of the delinquent. MW-2 stated that Tazuddin did not say anything in the night. MW-1 states that MW-2 has found during the preliminary enquiry at the police station on the next day that the accused had advised Tazuddin to take the coal. Thus the evidence is not corroborated. Sri Tazuddin is not examined. Enquiry report|inspection report of the Senior Security Inspector was not filed as an exhibit. In the absence of these facts, the conclusion of the enquiry officer that the accused has advised Sri Tazuddin to take the coal is based wholly on surmises. Evidence to show that the coal loaded in the lorries was completely unloaded at C. H. P. also is not proved in the enquiry. It is possible that Tazuddin might have dumped some coal at the C. H. P. and the rest is unauthorisedly taken away to the Kiln at Pochampalli and is trying to implicate Komaraiah with whom he was stated to be having bad relations as alleged by the accused. Nothing is said about the result of the Police invistigation on the management's complaint.

MW-1 (The Colliery Manager) stated that they also found a bicycle, one tiffin carrier and one towel under the place where the coal was dumped and the same were produced before the enquiry officer. Nobody identified the above and no evidence is adduced to show that they belonged to the accused.

MW-5 (Shri V. Lingaiah) stated that the accused was having a similar towel and often used the same while coming to duty. It would be seen that MW-5 simply stated that the accused was having a similar towel. He did not say that the towel exhibited before Enquiry Officer belonged to the accused and the accused was wearing the same towel on that day. Thus, there is no conclusive proof to show that the towel belonged to the accused. Towel is the only article which the management is trying to show his link between the coal found at Pochampalli Village and the accused. It is also not understood as to why the management could not make efforts to find out from Santhosh Cycle Taxi as to how the cycle was lying at the place where the coal was dumped and such an enquiry might have given a clue.

The charge was that the accused released coal from the bunker to lorry No. APT-9186 at about 10.10 p.m. MW-1 (Colliery Manager) stated that he received a telephonic message at about 10.15 p.m. at Yellandu Club that one contractor lorry had taken a lorry load of coal from Godavarikhani No. 7 Incline bunker and gone towards Mareduvaka Village instead of going to CHP|CSP. MW-2 stated that on 17-5-81, he was returning from Godavarikhani 8 Incline site at about 10.15 p.m. and noticed one lorry coming from Mareduwaka village side and he suspected something unusual. He immediately came to 7 Incline and informed the Under Manager etc. about this and requested them to inform the Manager. It is not possible for the lorry, which has been sent by 10.10 p.m. to return after unloading the coal at brick-kiln at Pochampalli village which is 6 kms away within 5 minutes. The Manager's statement is that he received a telephonic message at about 10.15 p.m. that the lorry went towards Mareduvaka village MW-5, Conveyor Khalasi, in his evidence stated that he saw the lorry at 10.15 p.m. coming from the side of Godavarikhani 7 Inc-

line junction. The Security Inspector found that the lorry was returning from Mareduvaka village at 10.15 p.m. Thus the material facts are differing and time of the return of the truck, as given by various management witnesses, also does not tally. The whole evidence shows that the coal was found at Pochampalli village near brick-kiln, but there is no evidence to show that the accused had taken the coal with an intention to sell the same to an outsider. The main charge, therefore, is not clearly proved beyond doubt.

The job of the accused is to release the coal on receipt of challans. No where it is proved that the coal had been released with challans. None of the challans and the timings when they were issued by the Conveyor Khalasi were brought on record. Once the mazdoor releases the coal on the basis of a challan issued by the Conveyor Khalasi his job is over and he cannot have any control on the driver as to where he is taking the lorry or where he is dumping the coal. If the contractor's driver has taken the loaded lorry illegally somewhere, the mazdoor who released the coal (which is his job) cannot be found at fault unless there is clear proof to that effect.

In the absence of the evidence of Sri Tazuddin, who is stated to have said that the lorry was taken by him to Pochampalli village on Komaraiah's advice, it cannot be said that the charge of connivance etc. is proved. All that the management witnesses stated was that the coal was found at some village and the lorry was returning from a different direction. There is no evidence to show that the accused had taken the coal to the village with an intention to sell it to some outsider.

MW-4 expressed his opinion that the accused might have been responsible for the illegal transport of the coal from Godavarikhani 7 Incline bunker on the basis of the coal found belonging to Godavarikhani 7 Incline and the workers' version of the towel. None of the workers, who are said to have confirmed that the towel belonged to Komaraiah, were examined in the enquiry to prove that the towel in fact belonged to the delinquent. Thus the Enquiry Officer came to the conclusion on the basis of the opinion and not on clear cut evidence.

Without coducting any enquiry against Lingaiah, who is understood to have also been issued charge-sheet, the Enquiry Officer on the basis of the evidence adduced by him and other management witnesses in the enquiry, had come to the conclusion that V. Lingaiah had not connived with the theft. It is also seen that the statement of Lingaiah that he was away between 9.10 to 10.15 p.m. at C:H:P; as it was jammed was not proved by adducing any evidence that he was present at the CHP. The argument of the representative of the workman that there was no jam of C.H.P. on that day by quoting loading figures was not contradicted by the management's representative at the time of arguments.

It would be seen from the circumstances enumarated above, the charges levelled against M. Komaraiah have not been conclusively proved.

Hence, the worker is entitled for relief of reinstatetment. Taking all circumstances into consideration I, hereby direct that Shri M. Komaraiah, workman shall be reinstated in service with immediate effect. However, he shall not be entitled for any back wages and the period of absence from 9-11-81 till date of reinstatement shall be treated as Dies non.

This is my Award.

[No. L-21013(1)/82-D.IV(B)]

M. R RAJU Deputy Chief Labour Commissioner (Central) & Arbitrator., New Delhi.

New Delhi, the 26th April, 1982

S.O. 1726.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Hyderabad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Opencast Project, Ramagundam, Division IV, Singareni Collieries Company Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 21st April, 1982.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

Industrial Dispute No. 16 of 1980

BETWEEN

Workmen of Opencast Project, Ramagundam Division-IV, Singareni Collieries Co., Ltd., Godavari Khani.

AND

The Management of Opencast Project, Ramagundam Division-IV, Singareni Collieries Co., Ltd., Godavari Khani

APPEARANCES :

Sarvasri G. Bikshapathy and N. Mohan Rao, Advocate—for the Workman.

Sri K Srinivasa Murty, Hony. Secretary, Andhra Pradesh Chambers of Commerce and Industry, Chambers of Commerce and Industry, Hyderabad—for the Management.

AWARD

This reference was made by the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi through No. L-21012(8)79-D. IV(B) dated 9-1-1980 under Sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947. The dispute in this case is between the workmen of Opencast Project, Ramagundam Division-IV, Singareni Collieries Company Limited, Godavari Khani and the Management of Opencast Project, Ramagundam Division IV, Singareni Collieries Company Limited, Godavari Khani. The issue referred to this Tribunal for adjudication is as follows :—

"Whether the action of the management of Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division IV in terminating the services of Shri Harmender Singh, Mechanic Grade-II with effect from 16th October, 1978 was justified. If not, to what relief is the concerned workman entitled ?".

2. The workman filed a claims statement contending as follows :—

The Petitioner workman was appointed as Grade-II Mechanic (Opencast Project, Ramagundam, Division No. IV) on 22-6-1977. Since then he was performing his duties to the utmost satisfaction of his superiors. In fact this Petitioner workman did not make any application for appointment. The Officers of the Respondent Company visited the D. S. L. Project, Sundernagar, Himachal Pradesh where the Petitioner was working as a mechanic. They were impressed with the work of the Petitioner workman and they promised to give him a job with better prospects in future in the Respondent Company. The Petitioner accepted the job. While so, by a letter dated 17-9-1978 the Petitioner was asked to present himself before the Civil Surgeon and Medical Officer, Kothagudem for medical examination, on the ground that he was suffering from 'contact dermatis' since a longtime. Subsequently by a letter dated 15-10-78 the services of the Petitioner were terminated on the ground that he was found to be medically unfit to work as a mechanic. The report of the Medical Board was not furnished to the Petitioner. The Petitioner then made a representation on 18-10-78 to the Management requesting for reinstatement. As no reply was given to him, he made an application to the Assistant Commissioner of Labour (Central) on 27-10-78. The Conciliation Officer held joint mettings in that connection. On 27-11-78, the Conciliation Officer was informed that an appeal should have been filed by the Petitioner to the General Manager before moving the Conciliation Officer. The Conciliation Officer closed the proceedings and an appeal was filed by the General Secretary of the Union on behalf of the Petitioner to the Management. As there was no response to that appeal also, the said union revived the demand for reinstatement of the Petitioner. The Conciliation Officer admitted the matter in conciliation and the conciliation meeting was fixed on 19-1-79. As the Management did not co-operate, the Conciliation Officer sent a failure report to the Government of India, and subsequently the matter was referred to this Tribunal by the Government for adjudication.

3. The Petitioner submits that he is hale and healthy and he is not having the disease, namely, 'contact dermititis'. The Petitioner was under treatment for exzema from

11-7-78 to 15-7-78 under Dr Ramana Rao, Prof. : Dermatologist and Surgeon Incharge of Osmania Hospital, Hyderabad. The said doctor certified that the Petitioner was fit to resume work. That certificate issued by Dr. Ramana Rao is final and prevails over the certificate issued by the Medical Officer, Kothagudem. Hence the Petitioner prays that the order of the Management terminating him from service may be set aside and pass an award directing the Management to reinstate him into service with full back wages.

4. The Respondent Management filed a counter contending as follows :—The Petitioner was asked to be present before the Medical Board for examination as he was suffering from 'contact dermatitis'. The Medical Board examined him on 19-9-1978 and found him to be unfit to work as mechanic, because he was having frequent attacks of 'contact dermatitis' with respect to diesel oil. In view of the said opinion given by the Medical Board, the services of the Petitioner were terminated. The Management is not aware that the Petitioner went for treatment to one Dr. Ramana Rao of Osmania General Hospital for exzema from 11-7-78 to 15-7-78. It is not correct to state that the certificate issued by the said doctor is final and prevails over the report of the Medical Board of the Respondent. The order of termination of the service of the Petitioner is perfectly legal. The Petitioner is not entitled for any relief. Hence his claim has to be rejected.

5. The workman in this case was working as a mechanic in the Opencast Project, Ramagundam Division No. IV since 22-6-1977. It is said that while doing this job, he developed some skin trouble on his coming into contact with diesel oil. He was asked to appear before the Medical Officer, Kothagudem who held that he was suffering from 'contact dermatitis'. Subsequently his services were terminated on the ground that he was found to be medically unfit to work as a mechanic. It is the case of the workman that he was unjustly removed from service as the dermatologist of the Osmania General Hospital, Hyderabad who treated him found him to be fit for work and that hence he should be reinstated into service. The case of the Management, on the other hand, is that in fact the Medical Board of the Respondent Company examined him and found him suffering from 'contact dermatitis' in view of his coming into contact with diesel oil and hence unfit for work and that in view of the said opinion given by the Board, his services were terminated. The workman examined as W.W.1 speaks to his case. He states that his services in the Company were terminated as per Ex. W1 order dated 15-10-78, that about 2 or 3 months prior to it, he had exzema over right foot near ankle, that he was cured within 2 or 3 days after necessary treatment was given in the hospital of the Singareni Collieries and that he never expressed his inability to do the work because of exzema. He further states that on 17-9-78 he was sent to the Medical Board at Kothagudem, that he appeared before the Civil Surgeon on 19-9-78, that the Civil Surgeon asked him to stay in the hospital for 2 or 3 days, that he represented to the Civil Surgeon that as his wife was pregnant and he had to attend on her, that hence he requested him to test him then and there, and that the Civil Surgeon told him that he would make him unfit and that no test was conducted on him on that day. It is further in his evidence that as there was no skin specialist in the hospital of the Singareni Collieries, he was referred to the Government Hospital, Warangal and from there to Osmania Hospital at Hyderabad for medical check up. It is further in his evidence that he was treated in the Osmania General Hospital Hyderabad from 11-7-78 to 15-7-78. So according to the evidence given by W.W.1, he was in fact not examined by the Superintendent of their hospital, and he was treated at the Osmania General Hospital by the Skin Specialist and after his treatment at Osmania Hospital, he was fit for work.

6. The case of the Management, on the other hand, is that W.W.1 (Workman) is not fit for work. M.W.1 is one Dr. B. K. Dey, who is the Superintendent of the Collieries main hospital, Kothagudem. He states that he is a specialist in X-ray and skin diseases, that the workman was examined by him on 17-9-78, that he (witness) found that he was suffering from 'contact dermatitis' with respect to diesel oil, that he was put before the Medical Board on 19-9-78 consisting of Dr. K. R. R. Mohan Rao, himself and another dermatologist Dr. A. Bhopathi Rao and that he was declared unfit to work as a mechanic because of having frequent attacks of dermatitis with respect to diesel oil So, according to the evidence given by M.W.1 who is the doctor of the Respondent Company and also a member of the Medical Board of the Company, this workman is unfit to work as a mechanic as he gets the disease 'contact dermatitis' whenever he comes into contact with diesel oil, and in fact, the medical board of which he was a member found him to be so. Ex. M3 dated 19-9-1979 is a letter addressed by the Chief Surgeon & M.O., S. C. Co., Ltd., Kothagudem Collieries to the General Manager of the Company informing the Company that the Petitioner (workman) was examined by the Medical Board at Kothagudem on 19-9-1978 and was found to be medically unfit to work as mechanic because of having frequent attacks of 'contact dermatitis' with respect to diesel oil .Relying on the evidence given by M.W.1 and Ex. M3, it was contended by the learned counsel for the Management that the workman is unfit to work as a mechanic and that hence the termination order is justified. But it is contended by the learned counsel for the workman that no document was filed by the Management to show as to how he was declared unfit. that the case sheet was also not filed, that there is also no data regarding the details of the examination conducted on the workman by M.W.1 or any other doctor of the Medical Board, and that hence no reliance can be placed on the evidence given by M.W.1 or the certificate Ex. M3. In this case, after he was treated for some time in the Collieries Hospital, he was sent to the Government Hospital, Warangal. From there, he went to the Osmania General Hospital, Hyderabad. At the Osmania General Hospital, he was treated by one Dr. P. Ramana Rao, who was Professor in Dermatology and Surgeon (Osmania General Hospital) from 11-7-78 to 15-7-78. This doctor was examined in this case as W.W.3. He states that after the treatment, he (Petitioner) was advised to resume duty, that the Petitioner was examined again on 28-10-78 by his Assistant Dr. V. Sanjeeva Reddy and that he was declared recovered from his ailment. This doctor gave evidence in this Court on 22-12-1981. He examined the workman in the Court and stated that he (workman) had no evidence of his earlier ailment on his skin surface and that hence he can work. The evidence given in this case shows that the workman, after he developed skin trouble and after he was given treatment at the Osmania General Hospital from 11-7-78 to 15-7-78 by W.W.3 that he resumed duty, and worked for some time and that when he got the trouble again, he was examined by M.W.1 on 17-9-78 and later by the Medical Board consisting of M.W.1 and 2 others on 19-9-78 and was found to be unfit for work as per Ex. M3 and that finally he was discharged from service w.e.f. 15-10-78. But the workman again appeared before the Osmania General Hospital on 28-10-78 and was found completely recovered from his ailment by the Assistant of Dr. Ramana Rao.

7. It is the case of the workman that though he made a representation to the Management to reinstate him, he was not taken back. It is the case of the Management that as the Medical Board of the Company found him to be unfit for work he cannot be reinstated into service. But the contention of the workman, as stated already, is that no document was filed by the Management to show as to how he was not fit to work, that no case sheet was filed and that no details of the examination were given and that hence the evidence given by M.W.1 and Ex. M3 have to be rejected in vie wof the evidence given by W.W.3, the skin-specialist of the Osmania General Hospital who treated him and found him to be fit. But it is contended on behalf of the Management that even the evidence given by W.W.3 does not support the case of the workman on account of the reason that he (W.W.3) stated in his cross examination as follows :—

> "He did inform us that his problem becomes worse when he comes in contact with the suspected substance, that as mentioned earlier, his personal history, clinical response, years of experience and above all simple common sense teaches us that the offending agent is likely to be diesel oil."

The learned counsel for the Management argued that the evidence given by W.W.3, quoted above, clearly shows that even W.W.3 was of the opinion that diesel oil was offending agent and that hence he (workman) would get the trouble again when he comes into contact with diesel oil and that hence the workman's contention has to be rejected. It is not possible to agree with the said argument. In the re-examination it was stated by W.W.3 that it is not possible to declare, now on the spot, whether diesel oil would produce

similar ailment without conducting the relevant patch test with the suspected agent if it is produced in sufficient quantity for the relevant test. So, no actual test with diesel oil was conducted on the workman so as to find out whether he would get the attack, namely, 'contact dermatitis' by W.W.3. Even M.W.1 who examined him on 17-9-78 did not conduct the test on the workman so as to come to the conclusion that he would get 'contact dermatitis' the moment he comes into contact with diesel oil. As stated already, the evidence given by W.W.3 shows that the workman was free from the disease and could work. The evidence given by W.W.3 has to be preferred to the evidence given by M.W.1 and it has to be stated that the workman is fit to work and hence the order of his removal from service has to be set aside.

8. It may also be stated at this stage that this workman is not a native of Andhra Pradesh. He was previously working in D.S.L. Project, Himachal Pradesh. When he was working there, the Officers of the Singareni Collieries visited that project and selected some of the mechanics working there for appointment in their Collieries. He was one of them and he came from there and was working at Singareni Collieries. This is not denied by the Management. This workman, having come all the way from Himachal Pradesh to work in the Respondent Company, was removed from service on the ground of medical unfitness. As stated already, the order passed by the Respondent Company terminating his services cannot be upheld in view of the evidence given by W.W.3, Professor of Dermatology and Surgeon (Osmania General Hospital), who categorically stated in his evidence that he was fit to work. Hence on the material placed before me, I find that the action of the Management of Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division IV in terminating the services of the workman is not justified. Hence I direct the Management to reinstate him into service with immediate effect. I find that the workman is not entitled for back wages, as according to his evidence he was earning elsewhere by working as a mechanic after he was removed from service.

An award is passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him and corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 3rd day of April, 1982.

B. PRASADA RAO, Presiding Officer

APPENDIX OF EVIDENCE

Witnesses examined for Workman :

W.W.1 Harmander Singh.

W.W.2 A. Raghuramulu.

W.W.3 Dr. P. Ramana Rao.

For Management :
M.W.1 Dr. B. K. Dey

Documents exhibited for the workman :

Ex. W1, 15-10-78 Termination order issued by the Additional General Manager, Ramagundam Division, Singareni Collieries Company Limited to Harmander Singh.

Ex. W2, 28-10-78 Under treatment certificate issued by Dr. P. Ramana Rao, Professor in Dermatology and Surgeon Osmania General Hospital, Hyderabad (A.P.) to Harmander Singh.

Ex. W3, 36-9-78 Representation made by Harmander Singh to the Additional General Manager, S. C. Company Limited, Godavari Khani, Ramagundam Division.

Ex. W4, 18-10-78 Letter addressed by Harmander Singh to the Divisional Superintendent, Ramagundam Division IV requesting for reinstatement.

Ex. W5, 27-10-78 Letter addressed by Harmander Singh to the Asst. Labour Commissioner (C) Hyderabad regarding the alleged harassment and victimisation and illegal termination of service on medical grounds and re-instatement prayed for.

Ex. W6, 7-12-78 Demand notice made by the union to the Divisional Superintendent, Ramagundam Division-IV regarding the re-instatement of Sri Harmander Singh

Ex. W7, 21-12-78 Representation made by the union to the Asst. Labour Commissioner (Central) Government of India, Hyderabad regarding the re-instatement of Sri Harmander Singh.

Ex. W8, 22-1-79 Failure report of the Conciliation Officer.

Ex. W9 Discharge ticket of Harmander Singh issued by Government Hospital, Out-patient Dept.

Documents exhibited for the Management :

Ex. M1, 20-10-78 Pay sheet pertaining to Harmander Singh.

Ex. M2, 17-9-78 Letter addressed by Superintendent, Area Hospital, R. G. to C. S. & M. O. Kothagudem regarding the medical fitness of Harmander Singh.

Ex. M3, 19-9-78 Report of the Medical Board.

B. PRASADA RAO, Presiding Officer
[No. L-21012(8)/79-D. IV(B)]

S.O. 1727.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Hyderabad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Singareni Collieries Company Limited, Kothagudam, and their workmen, which was received by the Central Government on the 21st April, 1982.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

Industrial Dispute No. 12 of 1979

BETWEEN

Workmen of Singareni Collieries
Company Limited,
Kothagudam Collieries.

AND

The Management of Singareni Collieries
Company Limited,
Kothagudam.

This Industrial Dispute coming for final hearing before me on 29-3-1982 in the presence of Sri A. Lakshmana Rao, Advocate for the Workman and Sri K. Srinivasa Murthy, Advocate for the Management and having stood over for consideration till this date, the Tribunal passed the following :

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi through Order F. No. 2101(17)/79-D. IV(B) dated 1-8-1979 referred under Sections 7 and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 the following dispute existing between the employers in relation to the management of Singareni Collieries Company Limited and their Workmen, to this Tribunal for adjudication :—

> "Whether the demand of the workmen of Singareni Collieries Company Limited for pro-rata payment for the coal loaded as per the actual size of the tubs and for introduction of 45 cubic ft. tube in place of 56.25 cubic ft. tubs is justified. If so, to what relief are the concerned workmen entitled ?"

2. The workmen filed a claim statement and the Management its counter. Pending enquiry of the industrial dispute, a settlement dated 6-8-1979 (Ex. C1) was filed into this Court. That settlement was between the Management of Singareni Collieries Company Limited and the Workmen of Singareni Collieries Company Limited. It may be stated at this stage that there are a number of Unions representing the workmen of Singareni Collieries Company Limited. One is called Singareni Collieries Workers' Union. It is also said that there are other Unions, namely, Singareni Collieries Employees' Union. Tandur Coal Mines Labour Union and A.P. Colliery Mazdoor Sangh. It is said that the majority union, is the Singareni Collieries Workers' Union. The settlement referred to above (dated 6-8-1979) was between the Management of Singareni Collieries Company Limited and the Singareni Collieries

Workers' Union representing the majority of the workmen. Before the Settlement was recorded by this Tribunal, a petition, namely, M. P. No. 120 of 1980 was filed by the Singareni Collieries Employees' Union. It was stated in that petition that there was a strike from 1st August, 1979 that on 6th August, 1979 it was stated that the Management and the Workers' Union entered into a settlement whereunder it was agreed that the Management would pay extra amount at the rate of 18 paise per each tub of 56.25 cft. For the period from 1st August, 1978 to 31st July, 1979, that the workmen also filed a petition for passing an award in terms of the settlement, that the settlement was no fair and proper, that it was detrimental to the interest of the workmen and that hence this Tribunal may be pleased not to pass an award in terms of the settlement dated 6th August, 1979 and to permit the Petitioners to proceed with the dispute I.D. No. 12 of 1979. To this petition, the Management filed a counter denying the allegations made in the petition.

3. The petition was enquired into by me and it was dismissed by me this day i.e. 29th March, 1982. The order passed by me in the said petition may be treated as part of this award. In view of the compromise entered into between the parties, under the two settlements were referred to above i.e. Ex. C1 and W2 no dispute between the parties exists at present and hence there is no need to give a finding on the issue referred to this Tribunal.

An award is passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him and corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 29th day of March, 1982.

B. PRASADA RAO, Presiding Officer

[No. L-21011(17)/79-D. IV(B)]

S. S. MEHTA, Desk Officer

New Delhi, the 28th April, 1982

S.O. 1728.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Ranipur Colliery of Eastern Coalfields Limited, Post Office Dishergarh District Burdwan and their workmen, which was received by the Central Government on the 26th April, 1982.

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO. 3, DHANBAD

Reference No. 101/80

PRESENT :

Shri J. N. Singh, Presiding Officer.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Ranipur Colliery of Eastern Coalfields Ltd., P. O. Dishergarh, Dist. Burdwan.

AND

Their workmen

APPEARANCES :

For the Employers—Sri J. N. Mishra, Senior P.O.

For the Workmen—Sri S. Chakraverty General Secy. C.M.E.U

INDUSTRY : Coal STATE : West Bengal

Dated, the 20th April, 1980

AWARD

The Govt. of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them U/s 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 14 of 1947 referred the dispute to the Central Govt. Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Calcutta for adjudication. Subsequently by Order No. S-11025 (4)/80-D. IV(B) dated 14th/17th November, 1980 the dispute has been transferred to this Tribunal for adjudication.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Ranipur Sub-Area of Eastern Coalfields Ltd., P.O. Dishergarh, Dist. Burdwan in transferring Shri Satkori Banerjee, Mechanical Fitter and Smt. Hashi Banerjee, Creche Nurse to Sangramgarh Colliery in February, 1977 is justified. If not, to what relief are the concerned workmen entitled ?"

2. The case of the workmen is that they were employed at Ranipur Colliery of Ex. Equitable Coal Co. Ltd., since prior to the nationalisation and their service conditions were regulated by the Certified standing orders of the said Coal Company. It is stated that they were provided with free residential quarters at Ranipur Colliery by the erstwhile management.

3. It is then alleged that the sons of the concerned workmen became the eyesore of certain officials of Ranipur Colliery for their political activities for which Sri Satkori Banerjee one of the concerned workmen was called at the colliery office and was asked to drive out his sons from the quarters failing which he as well as his wife who is also one of the concerned workmen will be transferred. The workmen showed their inability and thereafter Sri Satkori Banerjee was transferred to Parbelia Colliery in July, 1976. Lastly both the husband and wife were transferred in the month of February, 1977 to Sangramgarh Colliery in Burdwan District. It is submitted that the concerned workmen were not provided with any quarter at Sangramgarh Colliery and they had to go to Sangramgarh daily for their duties incurring a loss of Rs. 100/- per month as conveyance charges. It is submitted that the aforesaid transfer is malafide, illegal and by way of harrassment and hence the concerned workmen should be directed to resume their duties at Ranipur Colliery and they should also be paid cost of travelling expenses to the tune of Rs. 100/- per month.

4. On behalf of the management it is stated that the transfer of the two concerned workmen who are husband and wife was due to administrative exigency and both of them were transferred to one and the same mine and it was not a transferred due to any political activity of their sons. It is submitted that the transfer has not affected in any way. Further it is stated that provision for a quarter is not a condition of service and that the management has got a right to transfer their workmen from one colliery to another for administrative purposes. It is further stated that after transfer the concerned workmen got their travelling expenses as per recommendation of N.C.W.A.-II and that the concerned workmen were allowed to reside in their quarters at Ranipur Colliery till any quarter could be made available for them though provision for a quarter is not a condition of service. It is submitted that the transfer was proper and no illegality has been committed by the management.

5. The point for consideration is as to whether the action of the management in transferring the concerned workmen to Sangramgarh Colliery is justified. If not to what relief the concerned workmen are entitled.

6. It may be stated at this very stage that Sri Satkori Banerjee has since retired and so his case has not been pressed on behalf of the union. Smt. Hashi Banerjee was working as a Creche Nurse at Ranipur Colliery prior to her transfer in Sangramgarh Colliery in February, 1977. Exts. M-1 & M-2 are her transfer orders. It is not denied that both husband and wife were transferred to one and the same colliery. As per standing order of the colliery the management has got a right to transfer their workmen from one colliery to another in public interest unless the said transfer can be proved to be a malafide one.

7. It may be stated that though in the written statement it is stated that the sons of the concerned workmen became the eyesore of certain officials of Ranipur Colliery for their political activities which resulted in the present transfer but there is no evidence to show what kind of political activities were there in which the sons of concerned workmen were involved. In this connection the evidence of concerned workman Smt. Hashi Banerjee (WW-1) is material. In paragraph 3 she was stated that there was quarrel in between her third son Sri Gautam Kumar Banerjee with the Welfare Officer of Ranipur Colliery Sri D. P. Roy and hence this transfer was effected but no such case has been made out in the written statement. As already stated in the written statemen taking part in some political activities by the sons of the concerned workmen are alleged. Both the allegations have been denied on behalf of the management and MW-1 the Deputy Chief Mining Engineer has deposed

to this effect. Thus there is no substantial evidence to prove that this transfer was in any way vindicative or with any malafide intention. It may also be stated that in the representation sent to the A.L.C. (Ext. W-4) the allegation was that the sons of the concerned workmen did political activities but in evidence this plea has been given a go by and a fresh plea has been taken that one of the sons of the concerned workman had some quarrel with the Welfare Officer. It is thus clear that the reason for transfer has not been substantiated by the concerned workman

8. It is further alleged that at Ranipur the concerned workman Smt. Banerjee was provided with a residential house but no such quarter has been provided at Sangramgarh. No document has been filed on behalf of the union to show that provision of a quarter was one of the condition of service of the concerned workman. Quarters are generally provided only when they are available at the new place of transfer and it is not necessary that at all places to which a workman is transferred he must be provided with a quarter.

9. In this connection para 10 of the evidence of WW-1 is very material. It reads as follows :

> "In the place of my husband my second son has been employed at Sangramgarh colliery. My younger son does the work of civil contract at Sangramgarh. I have accepted the payment of transfer allowance of 0.50 paise per day as provided in N.C.W.A.-II since 1979. At present I am staying in colliery quarter at Sangramgarh."

Thus from her above evidence it is clear that she is residing at a place where one of her son is employed and another son is doing contract work. She also received the transfer allowance as provided under N.C.W.A. and she is also residing in a quarter of the management. In such circumstance the concerned workman should have no grievance for her transfer to Sangramgarh where she is working. Further it is in evidence that she was allowed to remain in occupation of the quarter at Ranipur even though she had been transferred to Sangramgarh.

10. Thus on a consideration of the above evidence it is clear that the transfer was not make with any malafide intention and as the management has got power to transfer their employees, the order of transfer cannot be said to be illegal in view of the fact that the two sons of the concerned workman are living with her and she is also occupying a company's quarter at her new place of posting viz. Sangramgarh.

11. In the above circumstance it is held that the order of transfer is not unjustified and the concerned workman is not entitled to any relief. It may however be stated that the concerned workman has filed a petition before me that the management may be requested to provide her with a suitable quarter. The management will consider the desirability of providing with a suitable quarter to the concerned workman if available.

12. I give my award accordingly.

J. N. SINGH, Presiding Officer

[No. L. 19012(40)|78-D. IV(B)]

S. S. MEHTA, Desk Officer

आदेश

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 1982

का०आ० 1729—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में एस०आई० वर्क्स क्वारी प्राइवेट लि०, बड़ौदा के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है ,

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है,

अतः, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री जी०एस० बरोट होंगे जिनका मुख्यालय अहमदाबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या मैसर्स एस०आई० क्वारी प्राइवेट लिमिटेड की दिनांक 25, सितम्बर, 1979 के आदेश के द्वारा श्री वी०डी० पटेल की सेवाओं को समाप्त करने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कामगार किस अनुतोष का हकदार है ?"

[एल-29012/2/81-डी०-3(बी)]

शशि भूषण, अवर सचिव

New Delhi, the 28th March, 1982

ORDER

S.O. 1729.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of S.I. Works quarry Pvt. Ltd., Baroda and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an industrial Tribunal of which Shri G. S. Barot shall be the Presiding Officer, with headquarters at Ahmedabad, and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

> "Whether the action of the management of Messrs S. I. Works quarry Pvt. Ltd., in terminating the services of Shri V. D. Patel vide Order dated the 25th September, 1979 is justified. If not, to what relief is the workman entitled ?"

[No. J-29012/2/81-D. III(B)]

SHASHI BHUSHAN, Under Secy.

New Delhi, the 28th April, 1982

S.O. 1730.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of 6 and 7 Pits, Jamadoba Colliery of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited, Post Office Bhaga, District Dhanbad, and their workmen, which was received by the Central Government on the 26th April, 1982

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO. 3, DHANBAD

Reference No. 14/79

PRESENT :

Shri J. N. Singh, Presiding Officer.

PARTIES :

Employers in relation to the management of 6 and 7 Pits Jamadoba Colliery of M/s. Tata Iron and Steel Co. Ltd., P. O. Bhaga, Dist. Dhanbad.

AND

Their workman.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri S. S. Mukherjee, Advocate.

For the Workman—Sri B. N. Sharma, Joint General Secretary, J.M.S.

INDUSTRY : Coal STATE : Bihar

Dated, the 19th April, 1982

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them U/s 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 14 of 1947 has referred the dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. L 20012|115|79-D.III(A) dated the 23rd October, 1979.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of 6 and 7 Pits Jamadoba Colliery of M/s. Tata Iron and Steel Co. Ltd., P. O. Bhagar Dist. Dhanbad in dismissing Sri Jai Narayan Singh, a general mazdoor of Category-I from services with effect from the 1st September, 1978 is justified ? If not, to what relief is the said workman entitled ?"

2. The case of the workman is that he was charge sheeted for commission of alleged misconduct under Clause 19(17) of the Certified Standing Order of the company which envisages misconduct for giving false information regarding his name, age, father's name etc. at the time of appointment. The said chargesheet was issued on 13-6-1978 to which the workman submitted his explanation mentioning that ingredients of misconduct under the aforesaid clause were totally absent, but inspite of it the management initiated the departmental proceeding against him and dismissed him from service with effect from 1-9-1978. It is stated that when the provisions of Clause 19(17) of the Standing Order was challenged the management shifted its ground of acquisition mentioning therein that Clause 19(2) of the Standing Order is also applicable. It is submitted that the enquiry was not held in accordance with the principles of natural justice and it was not proper. It is also stated that before appointing the workman a competent authority had made an enquiry about him and after the clear finding of the said authority the concerned workman was employed. His removal also caused annoyance to the union and there was also a notice of strike. There was a conciliation before the A.L.C. and the A.L.C. gave certain direction which was also but followed by the management. It is submitted that the charges were not proved and the reason for his dismissal is that one Sri B. S. Rao who is the top most Executive Officer was personally interested in the matter as one of his officers Sri T. Prasad has poisoned his ears. It is submitted that the dismissal is illegal, wrongful, malafide and not in accordance with the provisions of Certified Standing Orders and hence the workman is entitled to be reinstated with full back wages.

3. The management has challenged the claim of the concerned workman and it is submitted that the Janata Mazdoor Sangh is not a recognised or representative union and it is not functioning in the colliery of the management. According to the management as per practice employment it given to the dependents of the old employees on the strength of their service and the old employee can claim employment of his brother, son, son-in-law at the time of his retirement. It is submitted that the concerned Sri Jainarayan Singh secured employment of Category-I mazdoor fraudulently by giving false declaration that he was the dependent brother of Sri Kisto Singh, an ex-employee of the colliery. The management later on learnt that the concerned workman was not the brother of Sri Kisto Singh and so a senior officer of the company was deputed to investigate into the matter. The enquiry was made at the village of Sri Kisto Singh and it was found that the concerned workman Sri Jainarayan Singh was not the brother of said Sri Kisto Singh. For the above misconduct a chargesheet was issued to which the concerned workman gave a reply which was found unsatisfactory and thereafter a departmental enquiry was conducted in presence of the concerned workman who was given full opportunity to defend himself by cross-examining the management witnesses and also to adduce his evidence in defence. The concerned workman during enquiry cross-examined the management witnesses but thereafter he did not examine himself nor turned up for adducing any defence witness. He also did not inform the Enquiry Officer about his further non-participation in the enquiry. The Enquiry Officer on the evidence found the charge of misconduct proved and hence on his report the concerned workman was dismissed from service. It is submitted that the very basis of securing employment was found to be false and deceitful and hence the management was justified in dismissing the concerned workman.

4. The point for consideration is as to whether the action of the management in dismissing the concerned workman with effect from 1-9-1978 is justified. If not to what relief is the workman entitled.

5. During the course of hearing of the case on 26-2-80 Sri B. N. Sharma representative of the workman submitted that he did not challenge the just and fairness of the enquiry and hence the case should be heard on merit. In view of the above admission the preliminary enquiry in such circumstances was held to be just and proper by the order of the said date. The only question to be determined, therefore, is as to whether there was sufficient evidence during enquiry stage to prove the charge of misconduct against the concerned workman.

6. The management has examined MW-1 Sri S. I. Ahmed Group Personnel Officer who was appointed Enquiry Officer in this case to conduct the enquiry against the present workman. He has stated that he held the enquiry in which the concerned workman was present and he was given full opportunity to cross-examine the management witnesses. He has proved the chargesheet, enquiry proceeding, report and other documents. Ext. M-1 is the chargesheet issued against the concerned workman. It is mentioned that the concerned workman got employment by false means as the brother of Sri Kisto Singh, ex. driller and hence he has committed misconduct under Clause 19(17) of the Standing orders. The concerned workman gave his reply Ext. M-2. In this the main defence taken by the concerned workman is that the provisions of Clause 19(17) of the Certified Standing orders is not applicable because according to him the charge of securing employment by false means as the brother of Sri Kisto Singh, but it does not relate to giving false information about the name, age etc. There are other correspondence between the management and the concerned workman but they are not very relevant. It is however admitted that the concerned workman was appointed on the ground that he was brother of Sri Kisto Singh an ex. employee of the management. In this connection Ext. M-23 is material. Through this letter the Manager of the colliery forwarded an application from Sri Kisto Singh to the Divisional Manager wherein he requested to enrol the name of his brother on the strength of his service. It however appears from this letter that prior to this Sri Kisto Singh registered the name of one Panchoo Singh as his brother and according to the procedure son, own brother and son-in-law of an ex-employee can be given employment. This Panchoo Singh was employed with effect from 16-12-74 and continued till 24-3-75. Thereafter the management learnt that Panchoo Singh was not brother of Sri Kisto Singh and hence Panchoo Singh was stopped from work. The Manager took the statement of Kisto Singh and the concerned workman Sri Jainarayan Singh and on their statement as also on the basis of a certificate from Sarpanch Gram Panchayat he felt that Sri Jainarayan Singh was the brother of Sri Kisto Singh and so he recommended for the appointment of Sri Jainarayan Singh the concerned workman. On the above basis the Asstt. Chief Personnel and Welfare Officer also recommended for enrolment of the name of Sri Jainarayan Singh and he was accordingly appointed. Thus from the above document it will appear that Sri Jainarayan Singh was also examined by the Manager and there he claimed himself to be the own brother of Sri Kisto Singh and naturally gave the parentage, name of the village etc. which showed that he was the brother of Sri Kisto Singh. Later on the management learnt that Sri Jainarayan Singh the concerned workman was not the brother of Sri Kisto Singh and hence he ordered Sri T. Prasad, Chief Personnel Officer to make enquiry into the matter.

7. Sri T. Prasad went to the village of Sri Kisto Singh and made enquiries. During the course of enquiry he examined several persons of the village and he also examined close relations of Kisto Singh. Not only that he also examined Sri Jainarayan Singh himself. At this very stage it may be mentioned that Sri Jainarayan Singh during enquiry by the Manager had given his statement which is on the record. There he stated that he was son of Sri Baneswar Singh and that he was full brother of Sri Kisto Singh. As stated earlier Sri Jainarayan Singh was examined by Sri T. Prasad also while he was making enquiry in the case. His enquiry report as also the statements recorded by him is also on the

record During his chief examination he said before Sri T Prasad that he was own brother of Sri Kisto Singh ex driller but in reply to the questions put by Sri Prasad he could not say how many brothers his father had To a definite question asked by Sri Prasad as to whether he was own brother of Sri Kisto Singh the concerned workman stated that he was not his own brother The questions and answers are as follows

Ques How many brothers your father had ?

Ans I do not know

Ques Are you the own brother of Sri Kisto Singh

Ans No, I am not his own brother

The further questions and answers reproduced below would indicate that the concerned workman had given false information to the Manager for seeking his employment

Ques What is your father's name ?

Ans I do not know

Ques Where is your home village ?

Ans I do not know

Ques Whether your father is alive ?

Ans Yes

The further questions and answers would show that the concerned workman could not say the names of the children of Sri Kisto Singh whom he claimed to be his own brother He also could not give the detail of the house of Sri Kisto Singh and other material facts

8 Sri T Prasad submitted his report before the management and thereafter a domestic enquiry was held in which the report was submitted The management witnesses were examined who were also cross-examined by Sri Jainarayan Singh himself but subsequently he did not produce his defence witness nor examined himself The Enquiry Officer after completing the enquiry submitted his report which is part of the proceeding He held that as Sri Jainarayan Singh was employed fraudulently and hence the charge under Clause 19(17) and 19(2) was clearly established against him

9 Thus on the very statement of the concerned workman Sri Jainarayan Singh taken by Sri T Prasad it is clear that Sri Jainarayan Singh admitted before him that he was not the brother of Sri Kisto Singh Sri Jainarayan Singh also could not tell the route of the village of Sri Kisto Singh, detail about the family of Sri Kisto Singh, location of the house of Kisto Singh nor he could tell even the name of the father of Sri Kisto Singh All these facts clearly prove that he has falsely claimed him to be the brother of Sri Kisto Singh and thus he gave false information before the Manager regarding his parentage residence etc and in such circumstance it must be held that the charge under Clause 19(17) of the Certified Standing Orders (Ext M 22) was clearly proved against him

10 As the charge was well proved on the evidence on record before the Enquiry Officer, the management was fully justified in removing the concerned workman from service. It may also be mentioned that Sri Jainarayan Singh the concerned workman did not dare to come before this Court and give evidence nor any explanation has been given on his behalf in the written statement as to under what circumstance he made such a statement before Sri T Prasad There is also nothing on the record to show that Sri T Prasad was in any way prejudiced or enimical against the concerned workman

11 Considering the evidencee on th record and facts and circumstances of the case I hold that the charge of misconduct was well proved against the concerned workman and the management was fully justified in dismissing the concerned workman from his service The order of dismissal needs no interference

12 I give my award accordingly

Sd/-
J N SINGH Presiding Officer

[No L-12012/115/79-D III(A)]

A V S SARMA, Desk Officer

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS DELHI-110054, 1982